असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

21 मार्च, 2016

षोडश विधान सभा **21 मार्च, 2016 ई०**

द्वितीय सत्र **सोमवार, तिथि 01 चैत्र, 1938 (शक)**

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय 11.00 बजे पूर्वा0)

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है। प्रश्नोत्तर काल । अल्पसूचित प्रश्न । श्री संजय सरावगी ।

श्री अशोक कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं नियमापत्ति पर खड़ा हूँ ।

अध्यक्ष : क्या नियमापत्ति है आपकी ?

श्री अशोक कुमार सिंह : मेरी आपत्ति यह है महोदय कि जो मामले सी0ए0जी0 रिपोर्ट में ले हो जाते हैं, छप जाते हैं, उसपर विधान सभा में चर्चा नहीं होती है और माननीय सदस्य संजय सरावगी जी ने जो प्रश्न उठाया है, वह ऑलरेडी सी0ए0जी0 रिपोर्ट में आ चुका है। इसकी कैसे स्वीकृति दी गयी, विधान सभा-सचिवालय के द्वारा और अगर दिया गया तो फिर चर्चा नहीं होनी चाहिए। यह मेरी आपत्ति है।

अध्यक्ष : यह प्रश्न तो एक समाचार पत्र में छपी खबर पर आधारित है।

श्री अशोक कुमार सिंह : महोदय, लेकिन ये रिपोर्ट जो ले हुआ ?

श्री नन्दकिशोर यादव : महोदय, सी0ए0जी0 रिपोर्ट का इसमें कोई हवाला नहीं है। इसलिए सी0ए0जी0 रिपोर्ट के आधार पर यह क्वेश्चन किया गया, यह कहना उचित नहीं होगा। यह जो समाचार पत्र में खबर छपी है, लगातार समाचार आ रहे हैं और यह बहुत गंभीर विषय है। इसका कोई औचित्य नहीं है कि इस क्वेश्चन को नहीं लिया जाय।

अध्यक्ष : माननीय नन्दकिशोर जी, वही बात तो हमने कही । उन्होंने कहा कि यह सी0ए0जी0 रिपोर्ट में आ गया है, हमने कहा कि समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार के आधार पर प्रश्न आया है । इसलिए इसमें कोई दिक्कत नहीं है ।

अल्पसूचित प्रश्न सं0-5(श्री संजय सरावगी)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, 1- उत्तर अस्वीकारात्मक है। पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध इकाई-3, बिहार, पटना द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक श्री शिवदीप लांडे द्वारा जॉच की तिथि दिनांक 27.09.2015 को राजस्व की क्षति के आधार पर वार्षिक राजस्व क्षति के रूप में 1800 करोड़ को दर्शाया गया है जो सिर्फ गणितीय गणना मात्र है, साक्ष्य आधारित नहीं है।

2- आंशिक स्वीकारात्मक है। पुलिस महानिरीक्षक के प्रतिवेदन के अनुसार वस्तुस्थिति यह है कि एन0एच0-2 पर कुछ अपराधियों द्वारा फर्जी कागजात बनाकर राजस्व की चोरी करने की बात प्रकाश में आई है। इसके विरूद्ध गया, रोहतास, कैमूर जिले में विभिन्न थाने में 12 कांड दर्ज किये गये हैं। इन दर्ज मामलों में 7 कांडों का नियंत्रण आर्थिक अपराध इकाई द्वारा किया जा रहा है।

3- पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध इकाई-3, बिहार पटना द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि अभी तक के जॉच में पदाधिकारियों के विरूद्ध कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं हो पाया है जिससे कि उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाय।

श्री संजय सरावगी : महोदय, यह रिपोर्ट शिवदीप लांडे जो एस0टी0एफ0 के, सरकार के एस0पी0 हैं। उन्होंने सरकार को एक रिपोर्ट लिखा है। डी0जी0 और ए0डी0जी0 ने उसका संज्ञान लिया और उन्होंने कहा कि हम इसपर कार्रवाई कर रहे हैं। हुजूर, यह राजस्व चोरी के साथ-साथ आर्थिक अपराध का भी मामला है। पहले तो माननीय मंत्री जी यह बतावें कि उन्होंने जो रिपोर्ट दिया है, उसके बारे में बतावें कि क्या रिपोर्ट शिवदीप लांडे ने सरकार को दिया है ?

अध्यक्ष : क्या रिपोर्ट, मतलब ?

श्री संजय सरावगी : उन्होंने बताया कि 1800 करोड़ रूपया का नुकसान हो रहा है। उन्होंने पूरा विवरण दिया है उसमें कि कैसे 1800 करोड़ रूपया सबकी मिलीभगत से वाणिज्य-कर विभाग उन्होंने दर्शाया है इस रिपोर्ट में कि वाणिज्य-कर विभाग, खान विभाग और परिवहन विभाग तीनों विभाग के पदाधिकारियों की मिलीभगत से 1800 करोड़ रूपया सरकार यानी 168 करोड़ रूपया प्रतिमाह राजस्व क्षति हो रही है। उन्होंने यह हवाला दिया कि एक दिन केवल चोरी रोकी गयी तो लगभग 5, साढ़े 5 करोड़ रूपया सरकार को राजस्व मिला, केवल एक दिन में तो इतना संगीन मामला है। मैं पूछना चाहता हूँ कि इसपर क्या.....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपने ध्यान से सुना नहीं- माननीय मंत्री ने आपको बताया है कि आप जो बात कह रहे हैं वह सही है, लेकिन वह रिपोर्ट सिर्फ गणितीय गणना पर आधारित है। वह साक्ष्य और प्रमाण पर आधारित नहीं है। सरकार ने यह बताया है आपको ।

श्री संजय सरावगी : सच यह है कि बोर्डर को रोक दिया गया तो एक दिन में 5 करोड़ रूपये की वसूली हुई और सरकार बचाने का काम कर रही है, जो लोग मिले हुए हैं इसमें। इसलिए मैं यही क्वेश्चन कर रहा हूँ कि उस रिपोर्ट पर सरकार ने जो एस0टी0एफ0 के एस0पी0 शिवदीप लांडे ने सरकार को दिया- उसपर क्या कार्रवाई हुई ? यह मैं जानना चाहता हूँ माननीय मंत्री से।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, जो माननीय सदस्य ने कहा है- एस0पी0 ने रिपोर्ट भी दिया और अखबार में बातें भी आई है उसके आधार पर कैमूर जिला अन्तर्गत ओवरलोड एवं अवैध वाहनों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर सितम्बर, 2015 में दुर्गावती थाना अन्तर्गत 634 ओवरलोडेड वाहनों में से 207 ट्रक को 71 लाख 44 हजार 6 सौ रूपये की राशि वसूली गयी। कैमूर जिलान्तर्गत विभिन्न स्थानों पर 556 ओवरलोडेड वाहनों से 1 करोड़ 63 लाख 64 हजार 113 रूपये जुर्माना वसूल किया गया। गया जिलान्तर्गत निम्न कांड अंकित किये गये। अमास थाना कांड सं0-80/15, दिनांक 16.05.2016 द्वारा धारा-420, 467, 468, 384, 120 बी0, भा0द0वि0 दर्ज है। कुल प्राथमिक अभियुक्त 12 है जिसमें से 4 रिमांड पर और 8 फरार हैं। शेरघाटी थाना कांड सं0-135/15, दिनांक 23.05.2015 द्वारा धारा 386, 367, 368, 371, 420, 120 बी0, 34 भा0द0वि0 दर्ज है। कुल प्राथमिक अभियुक्त 12 हैं जिसमें 11 न्यायिक जमानत पर है, 1 फरार है। बाराचट्टी थाना कांड सं0-145/15, दिनांक 19.04.15 धारा- 170, 155, 420, 467, 468, 420 बी0, 379 भा0द0वि0, कुल प्राथमिक अभियुक्त 12 हैं जिसमें से 5 पर आरोप पत्र समर्पित है एवं 7 फरार है। उपरोक्त कांडों के अतिरिक्त आर्थिक अपराध इकाई, बिहार पटना द्वारा नियंत्रित कांडों की विवरणी निम्न प्रकार है। मोहनियां थाना कांड सं0-400/15, दिनांक 08. 10.2015, धारा-385, 34 भा0द0वि0 परिवर्तित धारा 166 ए0, 384, 386, 441/34 भा0द0वि0 दर्ज है। इसमें 36 सैप जवान और एक डाटा इंट्री ऑपरेटर- कुल 37 अभियुक्तों के विरूद्ध साक्ष्य पाया गया है। अवैध वसूली की कुल राशि 6 लाख 39 हजार 490 रूपये की बरामदगी भी हुई। सभी 36 सैप जवान जमानत पर हैं, 1 फरार हैं। दुर्गावती कांड सं0-206/15, दिनांक 27.09.15, धारा 379, 279, 120

बी0 भा0द0वि0 एवं 177, 179, 194, 184 एम0पी0एक्ट, 86 प्राथमिक अभियुक्त के विरूद्ध दर्ज किया गया है। डेहरी नगर थाना कांड सं0-223, दिनांक 15/29.05. 15 द्वारा 411, 420, 467, 468, 471, 120 बी0, 34 भा0द0वि0 के अन्तर्गत दर्ज है। जिसमें 20 अभियुक्त जमानत पर मुक्त हैं, 45 गाड़ियों को जप्त किये गये हैं। डेहरी थाना कांड सं0-306/15, दिनांक 03.07.15 द्वारा धारा 467, 468, 471, 419, 420, 120 बी0 भा0द0वि0 के अन्तर्गत दर्ज है। जिसमें 2 की गिरफ्तारी एवं अन्य 7 नामजद अभी भी फरार हैं।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो बताया कि केस किया गया, कुछ ओवरलोडिंग का केस किया गया- इतना बड़ा यह मामला है और बिना सरकारी पदाधिकारियों की मिलीभगत के नहीं हो सकता। उसमें जो हो रहा है कर्मनाशा बार्डर पर हुजूर, वह पूरा बिहार जान रहा है। जिस तरह वहां कर्मनाशा बार्डर पर हो रहा है इसमें मेरा कहना है कि वाणिज्य-कर पदाधिकारी और परिवहन पदाधिकारी और खान विभाग के पदाधिकारी जो इसमें लिप्त हैं उनपर सरकार ने अभी तक क्या कार्रवाई की है ? यह जरा माननीय मंत्री जी बतायें।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, जिन लोगों पर एफ0आइ0आर0 दर्ज है इन्वेस्टीगेशन के बाद सैप के जवान भी जमानत पर हैं उनपर भी कार्रवाई की गयी है और ऐसा नहीं है कि कोई बचाये जा रहे हैं, जो लोग आ रहे हैं, लेकिन मुकदमे में जो इन्वेस्टीगेशन होगा वह तो पुलिस करेगी, उसमें कोर्ट भी कोई इन्टरफेयर नहीं कर सकता है, हमलोग तो कार्रवाई करने के लिए सक्षम हैं। केवल हमारे कह देने से कोई अपराधी थोड़े हो जायेगा, उसके खिलाफ एविडेंस आयेगा तो उसपर कार्रवाई होगी और कोई बचाये नहीं जायेंगे, किसी को मुक्त नहीं किया जायेगा, कानून अपना काम करेगा।

टर्न–2/अशोक/21.03.2016

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न है, गंभीर विषय है, मेरा अध्यक्ष महोदय, सरासर सरकार बचा रही है (व्यवधान)16 मार्च को उसी बोर्डर पर निगरानी ने छापा दिया और जिला परिवहन पदाधिकारी रंगे हाथ पकड़े गये, उसे पटना लाया गया और उसको यहां छोड़ दिया गया दो दिन के बाद– सरासर महोदय सरकार बचा रही है इसलिए सरकार क्या कार्रवाई कर रही है सरकारी पदिाधिकारियों पर यह बताना चाहिए, चाहे परिवहन विभाग के पदाधिकरी हो, इतनी बड़ा मामला है, इसका जवाब पहले करा दिया जाय ।.. ..

अध्यक्ष : आपके नेता पूछना चाह रहे हैं ।

श्री संजय सरावगी : इसका जवाब करा दिया जाय ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : न सरकार किसी को बचाती है और न सरकार किसी को फंसाती है, कानून अपना काम करता है । माननीय सदस्य के पास यादि किसी के खिलाफ प्रोपर एभिडेंस हो तो उसे पेश करें, सरकार सख्त कार्रवाई करेगी ।

अध्यक्ष : अब अंतिम प्रश्न ।

श्री प्रेम कुमार : सरकार ने स्वीकार किया कि रेभन्यू की चोरी हो रही है जैसा कि माननीय मंत्री ने विस्तार से बताया, सारी घटनाओं की जानकारी दी है, विभिन्न विभागों के द्वारा एफ.आई.आर. किये गये और पैसे की वसूली की गई । सरकार स्वीकार कर रही है कि राजस्व की चोरी हो रही है । हमलोंगों का मात्र इतना ही प्रश्न है कि जिनके संरक्षण में, चाहे परिवहन के हो या माइन्स के हों, जिन पदाधिकारियों की उपस्थिति में लम्बे समय से इस तरह से महोदय बड़े पैमाने पर करों की चोरी हो रही है तो क्या सरकार उन पदाधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहती है ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : मैं आग्रह करूंगा नेता, विरोधी दल से और श्री संजय सरावगी से भी, कर चोरी में ये सभी लोग हमलोग को सहयोग करे, अगर न सम्भव हो तो बिना नाम का भी भेजे, सख्त कार्रवाई होगी ।

श्री नंद किशोर यादव : महोदय, मेरा प्वायंट औफ ऑर्डर है । मंत्री महोदय को ऐसी बात ..... (व्यवधान) वे कह रहे हैं कर चोरी में । महोदय, कर चोरी रोकने के लिए कि कर चोरी करने के लिए ?

अध्यक्ष : माननीय नंद किशोर बाबू, माननीय मंत्री महोदय की बात भी सुनिये और आाशय भी समझिये ।

श्री नेद किशोर यादव : ऐसे कैसे समझ लें महोदय । रेकर्ड में तो कर चोरी है महोदय ।

अध्यक्ष : तारांकित प्रश्न संख्या-1879(श्री नारायण प्रसाद)

श्री प्रेम कुमार : महोदय...

अध्यक्ष : अब क्या पूछते हैं, अब नहीं । नहीं ।

श्री प्रेम कुमार : महोदय मेरा आग्रह है । महोदय, आग्रह है, एक ओर महोदय राज्य की जनता पर सरकार कपड़ा, साड़ी एवं खाने के साामार पर टैक्स लगा रही है- राज्य सरकार के द्वारा हाल के दिनों में कपड़ा, साड़ी, खाने की वस्तु, डिजल, पैट्रोल पर वैट बढ़ाया गया महोदय, हम आग्रह करना चाहेंगे सरकार से महोदय, एक ओर हम टैक्स बढ़ा रहे हैं, क्यों नहीं टैक्स चोरी को रोके ताकि टैक्स बढ़ाने की जरूरत न पड़े । मेरा आग्रह है कि क्या सरकार बड़े टैक्स को वापस लेना चाहती है ? करों की चोरी को सरकार रोकेगी?

अध्यक्ष : आपके सुझाव पर सरकार विचार करेगी ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, टैक्स बढ़ाने का काम भारत सरकार ने किया है, टैक्स बढ़ाना तो सरकार का काम ही है क्योंकि जब आम लोगों की हित की बात करेगी तो पैसा कहीं न कहीं से आयेगा लेकिन कम से कम सात हजार करोड़ रूपया लेकर बिहार से भागने वाला कोई मुजरिम नहीं मिला है, अगर कोई भागने वाला मिलेगा तो कार्रवाई की जायेगी ।

अध्यक्ष : तारांकित प्रश्न संख्या-1879(श्री नारायण प्रसाद)

श्री अशोक कुमार सिंह : महोदय, हमारे जिला से जुड़ा मामला है और मेरे विधान सभा का मामला है जो श्री संजय सरावगी जी ने उठाया है । जो चेकपोस्ट है हमारा, जहां कर की वसूली होती है महोदय, उससे आठ कि.मी. आगे कुलहड़िया जी.टी. रोड से एक रोड जाती है रामगढ़ को महोदय, हमलोगों ने एक बार नहीं अनके बार प्रयास किया कि उस रोड को बंद किया जाय, जितने वाहन दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश से आते हैं महोदय, उसी रोड के माध्मय से रामगढ़ के रास्ता प्रदेश में प्रवेश कर जाते हैं और सभी वाहन टैक्स दिये बिना राज्य का राजस्व का चोरी कर रहे हैं । महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा कि क्या उस रास्ता को बंद किया जायेगा राज्य हित में ?

अध्यक्ष : आप उस रास्ते की सूचना सरकार को दे दीजियेगा, कार्रवाई होगी ।

तारांकित प्रश्न संख्या–1879(श्री नारायण प्रसाद)

अध्यक्ष : मा. सदस्य श्री नारायण प्रसाद ने माननीय सदस्य श्री ललन जी को प्राधिकृत किया है ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : (1) एवं (2)– अस्वीकारात्मक ।

3– वस्तुस्थिति यह है कि अपराध नियंत्रण एवं कुख्यात अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु सघन गस्ती छापामारी तथा अन्य निरोधात्मक एवं सत्तामूलक कार्रवाई की जाती है ।

श्री ललन पासवान : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि, इसमें स्पष्ट है कि अपराधी बेखौफ होकर के घूम रहे हैं और शिकायत भी दर्ज की गई, पुलिस को डॉट–भटकार करके भगा दिया गया– क्या जिन लोगों पर शिकायत की गई उन लोगों को सरकार गिरफतार करके उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : निश्चित रूप से अपराधियों को कोई संरक्षण नहीं देगा, कानून के मुताबिक कार्रवाई की जायेगी, जो सूचना उलब्ध होगी ।

तारांकित प्रश्न संख्या–1880(मो0 तौसीफ आलम)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : वस्तुस्थित यह है कि किशनगंज जिला अंतर्गत नगर पंचायत के बहादुरगंज प्रखण्ड के सटे गुणा चौड़ासी एक कब्रिस्तान है, जिसका रकबा 2.8 एकड़ 77 डिसमल है । पूर्व में निर्मित प्राथमिकता सूची में उक्त कब्रिस्तान की घेराबन्दी सूचीबद्ध नहीं है । कब्रिस्तानों की घेराबन्दी के लिए जिलाधिकारी एवं पुलिस अघीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से संवेदनशीलता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित की जाती है और उसी क्रमबद्ध से घेराबन्दी कराये जाने की नीति है ।

मो0 तौसीफ आलम : अध्यक्ष महोदय, जवाब गलत आया है वहां से, चूंकि हम समझते हैं कि पूरे बिहार में सबसे बड़ा कब्रिस्तान नगर पंचायत बहादुरगंज का ही होगा, हजारों एकड़ में वह कब्रिस्तान है, और अगर उसकी घेराबन्दी नहीं होगी तो, नगर पंचायत में है, हरएक जाति के लोग नगर में रहते हैं, जिसके कारण पशु पर अत्याचार उस कब्रिस्तान में हो रहा है, और भी किसी तरह की व्यवस्था नहीं है, अगर घेराबन्दी नहीं हुई तो हम समझते हैं कि कल चलकर कोई भी घटना हो सकती है । इसलिए हम सरकार से आग्रह करेंगे कि उस कब्रिस्तान की घेराबन्दी तुरत किया जाय ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव: माननीय सदस्य की जो चिन्ता है, उन्होंने जो तथ्य रखा है, जिला पदाधिकारी को निदेश दिये जायेंगे कि इस काम को, माननीय सदस्य भी जिला

पदाधिकारी को लिख कर दे देंगे, निदेश दिया जायेगा कि इस काम को प्राथमिकता के आधार पर किया जाय ।

श्री शकील अहमद खां : महोदय, पिछले पन्द्रह साल से घेराबन्दी का कार्य चल रहा है, अगर बजेट्री प्रोभिजन डिस्ट्रीक्ट के पास अच्छा रहेगा तो ये तायदाद बढ़ सकती है, अदरवाईज हर जिला में हर साल 3 या 4 या 5 किब्रिस्तान की घेराबन्दी की तायदाद अगर रहेगी तो इसकी तायदाद जो साढ़े चार हजार की है, जो मुझे यहां से इनफॉरमेशन मिली है साढ़े चार हजार जो ऑलरेडी चिन्हित हैं, इसलिए जिले में पैसे का आवंटन जिलों में ज्यादा बेहतर तरीके से हो जाय ताकि नम्बर ऑफ कब्रिस्तान की तायदाद बढ़ती जाय ।

अध्यक्ष : ठीक है, शकील जी ।

श्री नीतीश कुमर : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी माननीय सदस्य ने कहा कि कब्रिस्तान की घेराबन्दी की योजना 15 साल पुरानी है, मैं उन्हें सूचित करना चाहता हूँ कि राज्य सरकार की कब्रिस्तान की घेराबन्दी की योजना 15 साल पुरानी नहीं है, 9 साल पुरानी है और उस समय पूरे बिहार के कब्रिस्तानों का सर्वेक्षण कराया गया, 8 हजार 64 कब्रिस्तान चिन्हित किये गये और उन चिन्हित कब्रिस्तानों की घेराबन्दी की जिम्मेवारी सम्बद्ध जिलों के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को संयुक्त रूप से दी गई और उनको तय करना है कि जिले में कौन सा कब्रिस्तान ज्यादा संवेदनशील है, जिसकी घेराबन्दी आवश्यक है और यह प्राथमिकता का निर्धारण उन्हीं को करना है और उनके द्वारा निर्धारित प्राथमिकता के आधार पर, न सिर्फ उनको प्राथमिकता का निर्धारण करना है, कब्रिस्तान की घेराबन्दी किस प्रकार की हो, यह भी उन्हें निर्णय लेना है, उनको पूरी छूट दी गई है और उसी स्कीम का क्रियान्वयन, यह पूर्णत: राज्य योजना है और उसके अन्तर्गत कब्रिस्तान की घेराबन्दी का कार्य चल रहा है । 8064 में से, मैं अपने स्मरण के आधार पर कह रहा हूँ, लगभग पांच हजार से थोड़े कम कब्रिस्तानों की घेराबन्दी हो चुकी है और शेष कब्रिस्तान की घेराबन्दी के लिए हर वर्ष निधि का आवंटन किया जाता है । निधि का आवंटन कोई समस्या नहीं है ।

क्रमश:

टर्न-3-21-03-2016-ज्योति

श्री नीतीश कुमार : ...क्रमश:... जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को उसकी संवेदनशीलता को देखते हुए तय करना है । अभी कुछ देर पहले एक माननीय सदस्य

कह रहे थे कि हजारों एकड़ में कब्रिस्तान फैला हुआ है तो यह सचमुच आश्चर्यजनक बात है कि हजारों एकड़ में कोई कब्रिस्तान फैला हुआ है । अगर हजारों एकड़ में कब्रिस्तान फैला हुआ है तो माननीय सदस्य को यह भी सोचना चाहिए कि उसकी घेराबंदी की योजना बनेगी तो मैं तो समझता हूँ, यूं ही एक अंदाज पर कह सकता हूँ कि वह स्कीम 50 करोड़ से भी ज्यादा की होगी । चूँकि हजारों किसी भूमि की घेराबंदी कोई साधारण बात तो नहीं है । गांधी मैदान को देख रहे हैं वह 65 एकड़ का है । तो हजारो एकड़ की घेराबंदी की योजना बनाना, मैं समझता हूँ कि पूरे बिहार के कब्रिस्तान की घेराबंदी जितनी हो जाय, अकेले अगर हजारों एकड़ कह रहे हैं, उस हिसाब से तो हजारों एकड़ में पूरा का पूरा नगर बस जाता है। बडा़ बडा़ नगर बस जाता है इसलिए इस बात को जैसा कि प्रभारी मंत्री जी ने कहा उत्तर देते वक्त कि इसकी हमलोग जाँच करवा लेंगें, देख लेंगे कि सचमुच कितना है लेकिन कब्रिस्तान की घेराबंदी की प्राथमिकता संवेदनशीलता के आधार पर है यानी जहाँ मिकस्ड पौपुलेशन है वहाँ की घेराबंदी को प्राथमिकता दी जाती है और जहाँ पौपुलेशन मिकस्ड नहीं है वहाँ की कब्रिस्तान की घेराबंदी को नीचे की प्रायरिटी मिलती है । इस हिसाब से वह किया जा रहा है ।

डा0 शकील अहमद खाँ : आई डु नौट वांट टू काउन्टर ।

श्री प्रेम कुमार : महोदय, हम जानना चाहते हैं कि चालू वित्तीय वर्ष में राज्य योजना से सरकार ने जो फैसला लिया है महोदय, 9 साल पहले योजना शुरु की गयी । माननीय मुख्यमंत्री ने बताया है । पर महोदय, अब यह कहना है कि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य सरकार के राज्य योजना में कितना आवंटन था और कितना व्यय किया गया ?

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव : माननीय प्रेम बाबू, मंत्री भी रहे हैं बजट में जो आता है फिर सप्लीमेंट्री में भी आता है, बी0सी0एफ0 से भी पैसे लेते हैं । पैसे की कमी माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चिन्ता मत करिये, केवल नीतिगत मामलों का जिक्र माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, जहाँ सेन्सीटीवनेस ज्यादा है वहाँ प्राथमिकता मिलेगी, जहाँ एक ही कौम्यूनिटी के लोग हैं वहाँ झंझट नहीं है तो उसको बाद में भी किया जायेगा । यह कलक्टर और एस0पी0 तय करते हैं ।

श्री नीतीश कुमार: यह बड़ी खुशी की बात है कि अलग होने के बाद भी उनका कमीटमेंट कब्रिस्तान की घेराबंदी पर है । यह मामूली खुशी की बात नहीं है ।

तारांकित प्रश्न संख्या 1881 (डा0 शकील अहमद खॉं)

श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी : 1- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

2- आंशिक रुप से स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि कुम गांव की आबादी 2001 की जन-गणना के अनुसार 1578 है । वर्तमान में डी0सी0ए0 के माध्यम से ग्रामवासियों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है । आर0बी0आई0 के पत्रांक 482 दिनॉक 08-01-2016 के द्वारा 5 हजार से अधिक जनसंख्या वाले गांव में बैंक-कैब्रिक और मोरार शाखा खोलने हेतु एस0एल0पी0सी0 के माध्यम से दिनॉक 31-03-2017 तक शाखा खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डा0 शकील अहमद खॉं : मैं इसके साथ , असल में सर , 2001 की जन-गणना मानेंगे या 2011 की ? पिछले 10 सालों में ये जनसंख्या बढ़ी होगी नंबर वन, नंबर - टू जो कुम हाट है उस हाट के चारों तरफ की जो आबादी है, कुम हाट के अंदर ही लगभग 3 सौ से 4 सौ दुकानें हैं और य आप जहॉं बैंक कह रहे हैं उसकी दूरी 10 कि0मी0 है । जन-गणना का आधार 2001 मानकर अगर चलेंगे तो वह तो संख्या हो सकती है लेकिन जन-गणना का आधार 2011 होगा कि नहीं और अगर 2011 होगा तो हमको लगता है कि 5 हजार की तादाद पूरा हो सकती है लेकिन अदरवाईज भी तरक्की के लिए और तिजारत के लिए भी बैंक की जरुरत अगर वहॉं पर है 400 दुकानें परमानेंट हैं और उसके चारों तरफ 10 हजार की आबादी है जिसका आप पता करवा लेंगे तो मुझे लगता है कि बैंक के खोलने की आवश्यकता जरुर पड़ेगी ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

डा0 शकील अहमद खॉं : बस इतना ही कहना है । शुक्रिया ।

तारांकित प्रश्न संख्या 1082 (श्री विनोद कुमार सिंह)

श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी : 1- वेतन समिति त्रि-सदस्यीय समिति के अनुशंसा के आलोक में सचिवालय में पदस्थापित विशेष, अपर सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव को पुनरीक्षित दर पर विशेष वेतन वित्त विभागीय संकल्प संख्या 55 दिनॉक 05-01-2010 द्वारा स्वीकृत किया गया है ।

2- उत्तर अस्वीकारात्मक है । राज्यर्मियों एवं राज्य सरकार के बीच यह समझौता हुआ था कि राज्यकर्मियों को केन्द्र के समान वेतन भत्ते आदि दिए जा सकेंगे । उक्त समझौते को दृष्टिपथ रखते हुए दिनॉक 01-01-1996 से केन्द्र के

अनुरुप वेतन भत्तों के पुनरीक्षण हेतु राज्य सरकार द्वारा फिटमेंट कमिटी का गठन किया गया । फिटमेंट कमिटी द्वारा केन्द्रीय सचिवालय के सहायक सम्वर्ग से प्रोन्नत प्रशाखा पदाधिकारी, अवर सचिव, उप सचिव को विशेष वेतन अनुमान्य नहीं होने के आधार पर राज्य सचिवालय के सहायक सम्वर्ग से प्रोन्नत अवर सचिव, उप सचिव के लिए विशेष वेतन की अनुशंसा फिटमेंट कमिटी ने नहीं की । फिटमेंट कमिटी की अनुशंसा के अनुरुप वित्त विभागीय पत्र संख्या 17 दिनॉक 04-01-2000 के द्वारा इन पदाधिकारियों को विशेष वेतन अनुमान्य नहीं होने का निर्णय लिया गया जो अद्यतन प्रभावी है ।

3- वेतन भत्तों की स्वीकृति का आधार विशेषज्ञ वेतन पुनरीक्षण समिति की अनुशंसा की होती है । चूँकि इन विशेषज्ञ समितियों द्वारा सचिवालय सहायक सम्वर्ग से प्रोन्नत पदाधिकारियों को विशेष वेतन दिए जाने की कोई अनुशंसा नहीं की गयी है अतः सरकार ऐसी स्वीकृति का विचार नहीं रखती है और न ही ऐसा कोई विषय विचाराधीन है ।

श्री विनोद कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, जवाब तो पहले हमने पढ़ लिया था । आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से हम जानना यह चाह रहे हैं कि पहले तो पाँच सौ रुपया सचिवालय सेवा सम्वर्ग के पदाधिकारियों को दिया जाता था और बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिाकारियों का भी मिलता रहा है इसप्रकार का है अध्यक्ष महोदय, कान ऐसे पकड़े या घुमा कर पकड़े तो पद तो वही है दोनों बराबर पद है, बिहार प्रशासनिक सेवा और सचिवालय सहायक सम्वर्ग सेवा ।

अध्यक्ष : विनोद जी हाथ घुम जायेगा न ?

श्री विनोद कुमार सिंह : ठीक है, लेकिन चेयर वही है अध्यक्ष महोदय । कोई मोटी रकम भी नहीं है केवल पाँच सौ रुपया करके है । तो फिर से हम चाहते हैं कि माननीय मंत्री जी इसपर विचार करके , सरकार का जवाब यह होना चाहिए कि वेतन दोनों का बराबर है इसलिए अध्यक्ष महोदय, इसपर एक बार जवाब तो आ जाय और भेदभाव भी नहीं रहे ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ने तो स्पष्ट कहा कि अभी कोई इसतरह का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

श्री विनोद कुमार सिंह : वह तो पदाधिकारियों का कहना है माननीय मंत्री जी तो कम से कम कहें कि इसपर विचार करेंगे ।

अध्यक्ष : उन्होंने कहा है कि जो समझौते के तहत ही सरकार कार्रवाई कर रही है।

प्रश्न संख्या 1883 (श्री मनोहर प्रसाद सिंह)---- मा0 सदस्य अनुपस्थित

श्री विनोद कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का सवाल है । आज आसन से होली की छुट्टी मिलने वाली है । दो दिन हमलोग होली मनायेंगे 23 और 24 मार्च को । पूरे बिहार और देश भर में सर-रर-सर-रर की गूंज उठेगी । हम सदन में, अपने सदन के आदरणीय नेता माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रतिपक्ष के नेता प्रेम कुमार जी , नंद किशोर जी, सदानंद बाबू हैं- एक बार कम से कम यहाँ के माध्यम से पूरे देश में जनता को सर-रर-सर-रर हो जाय और शुभकामना मिल जाय यह हम कहना चाहते हैं।

अध्यक्ष : हमलोग सदन की तरफ सें यह संदेश पहुंचाने के लिए आपको अधिकृत करते हैं।

तारांकित प्रश्न संख्या 1884 (श्री जिवेश कुमार)

अध्यक्ष : संजय सरावगी जी अधिकृत हैं ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव : 1- अस्वीकारात्मक है ।

2- एवं 3 - वस्तुस्थिति यह है कि दरभंगा जिलान्तर्गत जाले बाजार होते हुए जाने वाले एकमात्र मुख्य सड़क होने के कारण हल्के एवं भारी सभी प्रकार के वाहनों का परिवचालन इसी मार्ग से होता है । कभी कभी वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसे स्थानीय पुलिस द्वारा तत्परतापूर्वक दूर कर दिया जाता है ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, जाले बाजार में जब भी जाईये और उधर से बहुत सारी गाड़ियाँ जाती रहती हैं , पूरा बाजार जो है जब जाईये इतना जाम लगा रहता है, एकदम पूरा बाजार ही जाम लगा रहता है । माननीय मंत्री जी से हम पूछना चाहते हैं कि या तो व्यवस्था करें जिससे कि जाम नहीं लगे और वहाँ परमानेंट कोई पदाधिकारी वगैरह की पोस्टिंग करें जो जाम लगा रहता है वह दूर करायें इसलिए हम माननीय मंत्री जी से पूछना चाहते हैं कि वहाँ स्थायी रुप से क्या वहाँ पदाधिकारियों का पदस्थापन जाम दूर कराने हेतु करना चाहते हैं ?

टर्न-4/विजय/21.03.16

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव: महोदय, मैने कहा कि यथा संभव प्रयास किया जाता फिर भी माननीय सदस्य अगर कह रहे हैं तो दिखलाते हैं और क्या किया जा सकता है ।

तारांकित प्रश्न संख्या–1885 (मो0 आफाक आलम)

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव: वस्तुस्थिति यह है कि पूर्णिया जिलान्तर्गत श्रीनगर प्रखंड के थाना का चहानदीवारी नहीं है परंतु थाना के जमीन पर किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं है । बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम को चहारदीवारी का प्राक्कलन बनाने का निदेश दिया गया है ।

तारांकित प्रश्न संख्या–1886 (श्री अचमित ऋषिदेव)

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव: वस्तुस्थिति यह है कि अररिया जिलान्तर्गत रानीगंज प्रखंड के बसैठी, गांव में स्थित कब्रिस्तान की घेराबंदी वित्तीय वर्ष 2014–15 में की जा चुकी है । उक्त गांव में अब कोई कब्रिस्तान घेराबंदी हेतु नहीं है । गुणवंती गांव में कोई कब्रिस्तान अवस्थित नहीं है।

तारांकित प्रश्न संख्या–1887 (डॉ0 रामानुज प्रसाद)

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव: महोदय, 1. अवैध नन बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं चिट फंड कंपिनियों के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित थानों में कांड दर्ज किये जाते है । जिनका अनुश्रवण आर्धिक अपराध ईकाई द्वारा करते हुए कांडों का गुणवत्तापूर्वक अनुसंधान कराया जाता है । पटना जिले में इससे संबंधित कांड हुए 1. गांधी मैदान थाना कांड संख्या–443/14 दिनांक 01.12.14 धारा 384,406,420,467,468,471;14 भा0द0वि0 गुलशन ग्रुप कंपनी के चेयरमैन मो0 सलीम एवं अन्य साक्ष्य के विरूद्ध प्रतिवेदित किया हुआ है ।

2. स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि कांड के भागी बृज बिहारी सिंह, विकास परवेज, शिवशरण सिंह ग्राम शेखपुरा पो0 परसा, थाना बरियारपुर जिला सारण छपरा द्वारा दिनांक 14.11.14 को पटना सी0जी0एम0 कोर्ट में मो0 सलीम एवं अन्य 7 कर्मियों पर कंपलेन केस किया गया है जिसका केस नं0– 280490/2014 एवं गांधी मैदान कांड संख्या–427/14 दिनांक 01.12.14 धारा 384, 406,420,467,468,471–14भा0द0वि0 अंतर्गत कांड दर्ज कराया गया है ।

3. वस्तुस्थिाति यह है कि अनुसंधानकर्त्ता द्वारा अनुसंधान के क्रम में प्राथमिक अभियुक्त मो0 सलीम, सैयद अख्तर, नुरूल इस्लाम, आइशा बेगम, कोतवल राय, श्रीनिवास घोष पश्चिम बंगाल के उच्च माननीय न्यायालय ने निर्गत गिरफ्तारी वारंट को तामिल पर्चा माननीय न्यायालय ने वापस करते हुए 02.03.16 को इश्तेहार

निर्गत करने का अधियाचना पत्र दिया गया है । इश्तेहार अब तक प्राप्त नहीं हुआ है । अनुसंधानकर्त्ता द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की गयी है परंतु सभी अभियुक्त घर से गिरफ्तारी के डर से फरार हैं । नामजद अभियुक्त मो0 अताउलाह एवं दुसरे डाक का पता का सत्यापन अबतक नहीं हो पाया है । अनुसंधानकर्त्ता द्वारा नाम का पता का सत्यापन करने का प्रयास किया जा रहा है । कांड अनुसंधान अंतर्गत है ।

4. वस्तुस्थिति यह है कि कांड में दोषी अभियुक्तों के विरूद्ध अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

डॉ0 रामानुज प्रसाद: मैं माननीय मंत्री जी और सरकार से यह जानना चाहता हूं कि राज्य में जो चिट फंड कंपनियों का जाल फैला हुआ है क्या सरकार इसका सरकार कोई रेगुलेशन कोई फौर्म करेगी कोई रेगुलरिटी कमिटी बनायेगी जो इसका मोनीटर करें, जो इसका देखरेख करे कि राज्य की जनता की जो गाढ़ी कमाई संपत्ति का लूट हो रहा है सरकार इसके लिए कोई नियम लायेगी ? अन्यथा इसी तरह से कर्मचारियों और पदाधिकारियों के मिलीभगत से लोगों के पैसे ऐठे जा रहे हैं हमारे राज्य की जनता ठगी जा रही है । और सरकार यह कहकर के कि हां साहब कार्रवाई होगी । इसलिए कि मैं खुद मिला सिटी एस0पी0 से मिला,एस0एस0पी0 से मिला और कहा कि साहब नागरिक का पैसा गया है । और मैं अध्यक्ष महोदय, लाया हूं कितने लोगों का पैसा गया है पूरे जो है जिनलोगों ने पैसा जमा किया था और कंपनी लेकर भाग गयी है सबकी सूची है मेरे पास अध्यक्ष महोदय । मैंने थाना अध्यक्ष से कई बार हमने संपर्क किया वह टालमटोल करते रहे । मैं यही कहना चाहता हूं सरकार से मेरा आग्रह होगा माननीय मंत्री जी से कि क्या वैसे पदाधिकारी जिनके मिलीभगत से यह हो रहा है सरकार उन पर कार्रवाई करना चाहती है ? ताकि आगे के लिए एक मेसेज कन्वे हो कि कोई पदाधिकारी इस तरह का जुर्रत न करे कि राज्य की जनता के पैसे को लूटे जा रहे हों और वह बचाने में लगा हो ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव: महोदय, ये जो चिट फंड कंपनियां जो हैं इन्होंने खुद प्रश्न किया है कि अवैध कंपनियां हैं । तो एफ0आइ0आर0 जब होता है, जब लोग ठगे जाते हैं एफ0आइ0आर0 होता है तो सरकार कार्रवाई करेगी । और माननीय सदस्य के पास कोई अतिरिक्त तथ्य हो तो दे दें वह दिखवा लेंगे ।

अध्यक्ष: वह दे दीजिये माननीय सदस्य ।

डा0 रामानुज प्रसादः महोदय, मै कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी को इत्तला करना चाहता हूं कि यह मामला दर्ज होता है 2014 में हमलोग अभी 2016 में हैं क्या यह लापरवारी नहीं है क्या ?

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादवः कार्रवाई हो रही है । अब बंगाल में है, लोग भागे हुए हैं, कोर्ट में इश्तेहार के लिए गया है । वारंट किया जा रहा है लिखा जा रहा है कंपनियां तो बाहर की हैं बिहार की हैं नहीं ।

श्री प्रेम कुमारः प्रतिवर्ष महोदय सैकड़ों कंपनियां ऐसी हैं सरकार पहले भी कार्रवाई का वादा कर चुकी है और चर्चा जो हो रही है गुलशन ग्रुप कं0 कोलकाता के संबंध में और रोज रैली के लोग भी आये थे महोदय ये तमाम लोग जो हैं सरकार के रहते खुले आम पैसे की वसूली कर रहे हैं गरीब आदमी का पैसा ले रहे हैं । क्या सरकार ऐसे कंपनियों पर क्या कार्रवाई कर चुकी है हम सरकार से जानना चाहते हैं ?

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादवः महोदय, माननीय नेता विरोधी दल से कहना चाहते हैं कि विदेश में भी लोग पैसा जमा करते हैं देश का पैसा जाता है । कई तरह के धंधेबाज लोग हैं कानून तो है, कंपलेन होने पर कार्रवाई होती है।

डॉ0 रामानुज प्रसादः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूं ।

अध्यक्षः आपका तो हो गया । आपको माननीय मंत्री जी ने कहा है कि जो आपके पास सूचना हो वह दे दीजिये सरकार कार्रवाई करेगी ।

श्री नंदकिशोर यादवः महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि बहुत सारी चिट फंड कंपनियां काम करती हैं, अवैध रूप से काम करती है और जब शिकायत हो जाता है तब पुलिस कार्रवाई करती है ।

(व्यवधान)

महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं और जानना भी चाहता हूं महोदय विधान सभा इस बात का गवाह है कोई न कोई माननीय सदस्य अपने इलाके के बारे में यहां चिट फंड कंपनियां लोगों को लूटती हैं और ये जो लुटाने वाले लोग हैं वे गरीब लोग हैं उनसे सबंधित प्रश्न करते हैं। महोदय, गरीब लोगों के पैसे लूटकर ले जाती हैं ये कंपनियां और सरकार जान भी रही है कि अवैध कंपनियां हैं। महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं जब सरकार के संज्ञान में है कि ऐसी कंपनियां राज्य में कार्यरत है ऐसी कंपनियां गरीबों का पैसा लूट रही है, ऐसी कंपनियां गरीबों का पैसा लेकर भाग जाती है । महोदय मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि वह समाचार पत्रों के माध्यम से समय समय पर जो उनके यहां रजिस्टर्ड कंपनियां

इस काम के लिए हैं उनकी सूची प्रकाशित करके लोगों को आगाह करना चाहते हैं क्या कि बाकी लोग अन्य कंपनियों में चिट फंड में पैसा न लगायें । यह राज्य के गरीब लोगों के पैसे का बचाव का क्वेश्चन है । जो लूटे जा रहे हैं गरीब लोग उनको कैसे बचाया जाय । केवल एक प्रश्न हो गया उसका जवाब दे दिया उससे समाप्त नहीं होगा । मैं जानना चाहता हूं कि सरकार जो गरीब लोग ऐसे चिट फंड कंपनियों के जाल में न फंसे इसके लिए सरकार क्या क्या कार्रवाई करना चाहती है, ये जानना चाहता हूं ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादवः महोदय, यह स्पेसिफिक एक कंपनी का है माननीय सदस्य ने जो कहा उसको दिखवा देंगे और व्यापक समीक्षा के क्रम में दिखवा लेंगे ।

अध्यक्षः माननीय सदस्य ने यही कहा है कि जो सही कंपनियां है उसकी सूची बनायी जाय ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादवः यह ठीक है। इनके सुझाव बहुत उपयुक्त हैं समीक्षा के क्रम में इसको दिखवा लेंगे ।

टर्न–5/राजेश/21.3.16

<u>तारांकित प्रश्न संख्याः–1888 (श्री भोला यादव)</u>

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः– महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि दरभंगा जिला के बहादुरपुर अंचल के मौजा मेकना बैदा कब्रिस्तान घेराबंदी हेतु पूर्व की प्राथमिक सूची में शामिल नहीं है। कब्रिस्तान की घेराबंदी जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रुप से संवेदनशीलता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित की जाती है और क्रमबद्ध ढंग से घेराबंदी किये जाने की नीति है।

श्री भोला यादवः– महोदय, उक्त कब्रिस्तान की घेराबंदी चारों ओर से हिन्दुओं से घिरा हुआ है और आये दिन वहॉ विवाद होते रहता है। मैं चाहूंगा माननीय मंत्री महोदय से की इसे प्राथमिकता के आधार पर घेराबंदी कराने की कृपा करें।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः– ठीक है महोदय, इसे दिखवा लेंगे।

<u>तारांकित प्रश्न संख्याः– 1889 (श्री सुदामा प्रसाद)</u>

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः– महोदय, 1– उत्तर स्वीकारात्मक है।

2- वस्तुस्थिति यह है कि थाना कांड संख्या-286/16 के प्राथमिक अभियुक्त मंटू राय के फरार रहने की स्थिति में गिरफ़्तारी वारंट माननीय न्यायालय में वापस कर इश्तिहार प्राप्त करने हेतु अनुरोध पत्र समर्पित किया गया है, सोनू कुमार को जान से मारने की धमकी देने की बात प्रकाश में नहीं आयी है।

3. वस्तुस्थिति यह है कि अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।

श्री सुदामा प्रसादः- महोदय, यह व्यवसायी परिवार बिल्कुल ही आंतक की जिन्दगी जी रहा है और यह बात जो मंत्री महोदय कह रहे हैं कि धमकी नहीं दी जा रही है, तो मैं बताना चाहता हूँ कि उनके पिता जी ने एस0पी0 के यहाँ जनता दरबार में दिया है, दो-दो बार दिया है और अपराधी खुलेआम अपने घर में रह रहा है,वह फरार नहीं है, अपने घर में रह रहा है और इनलोगों को प्रताड़ित कर रहा है, तो हमारी मांग है सरकार से कि इनको जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाय ।

अध्यक्षः- ठीक है।

तारांकित प्रश्न संख्याः-1890 (श्री मेवा लाल चौधरी)

माननीय सदस्य अनुपस्थित ।

तारांकित प्रश्न संख्याः- 1891(डा0 विनोद प्रसाद यादव)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः- महोदय, 1- उत्तर स्वीकारात्मक है।

2- उत्तर स्वीकारात्मक है।

3. वस्तुस्थिति यह है कि सगाही बाजार थाना गुरुआ के 8 किलोमीटर की दूरी पर है, पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है, स्थानीय थाना से सघन गश्ती कर अपराध एवं विधि-व्यवस्था को नियंत्रण में रखा जाता है। वर्तमान में सगाही में पुलिस पिकेट या थाना भवन खोलने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

डा0 विनोद प्रसाद यादवः- अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने खण्ड 1 एवं 2 को स्वीकारात्मक बोले है और जहाँ तक पक्की सड़क की बात कही गयी है तो पक्की सड़क जो है वह गया चेरकी मार्ग शेरघाटी पर अवस्थित है सगाही, तो गुरुआ थाना को यहाँ आने के लिए मोरहर नदी को पार करना पड़ता है, बरसात के दिनों में गुरुआ थाना को आने में करीब-करीब 20 किलोमीटर इधर जी0टी0 रोड हो करके कर्मान शेरघाटी हो करके सगाही की ओर पहुंचता है और वैसी स्थिति में जो अपराधी हैं और पुलिस के पहुंचने में जो देर होती है,उसका लाभ उठा करके चले जाते हैं,पहले भी विभाग के

पदाधिकारियों ने थाना बनाने के लिए संज्ञान में दिया था, तो मैं माननीय मंत्री जी को जो भौगोलिक वहॉ की बनावट है गुरुआ के चार, पॉच पंचायतें और एक दो शेरघाटी के पंचायत को मिला करके यानि 7, 8 पंचायत को मिला करके थाना बनाने का वहॉ विचार रखते हैं।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः- महोदय, सगाही बाजार थाना 8 किलोमीटर की दूरी पर है और पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है लेकिन माननीय सदस्य जो बात कह रहे हैं, सरकार इसको दिखवा लेगी।

श्री राजेन्द्र कुमारः- महोदय, हरसिद्वि विधान सभान्तर्गत हरसिद्वि थाना है और उसके क्षेत्रफल के मुताबिक किनारे वह थाना है और वहॉ से दूरी तकरीबन 11 किलोमीटर अलग जो है गायघाट, जब वहॉ से थना चलती है तब तक अपराधी अपराध करके भागने में सफल हो जाते हैं, तो आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहेंगे कि क्या वहॉ ओ0पी0 खोलना चाहेंगे, वहॉ पर ओ0पी0 बनना बहुत जरुरी है।

अध्यक्षः- आप अपना सुझाव तो दे दीजिये, खोलना चाहते है,नहीं चाहते हैं,उसका उत्तर तो दे दिये, आप यह कहिये कि वहॉ खुलना चाहिए।

श्री राजेन्द्र कुमारः- महोदय, वहॉ खुलना बहुत ही जरुरी है।

अध्यक्षः- ठीक है।

तारांकित प्रश्न संख्याः- 1892(श्री विनय बिहारी)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः- महोदय, उत्तर आंशिक रुप से स्वीकारात्मक है। वास्तविक स्थिति यह है कि लौरिया प्रखंड मुख्यालय में बाजार की जमीन, बस स्टैंड एवं टॉगा स्टैंड की जमीन कुछ लोगों द्वारा आंशिक रुप से अतिक्रमित की गयी है। इस संग में बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के अन्तर्गत अतिक्रमणवाद 2/2016 द्वारा अतिक्रमित जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करने की कार्रवाई की जा रही है।

श्री विनय बिहारीः- अध्यक्ष महोदय, कोई कार्रवाई अभी तक नहीं हुई है। अभी माननीय मंत्री जी ने कहा कि आंशिक रुप से स्वीकारात्मक है और उन्होंने यह भी कहा कि लोगों से अतिक्रमित है, तो आंशिक रुप से स्वीकारात्मक कैसे, तब तो पूर्ण रुप से स्वीकारात्मक है, मंत्री जी कह भी रहे हैं कि सभी लोगों द्वारा अवैध रुप से कब्जा है। महोदय, वहॉ पर चील, कौए, कुत्ते का बसेरा बना हुआ है और मछली, मीट की दूकानें हैं और उसमें गाय,भैंस सब रहते हैं, गोबर वगैरह सब रहता है, कोई बस स्टैंण्ड में बस लगाता नहीं, टॉगा स्टैंड में टॉगा लगाता नहीं, जिससे लौरिया जो है, एक ऐसा जगह ह ै कि यह बुद्व सर्किट से जुड़ा हुआ है,वहॉ से बगहा जाने के लिए वही सड़क है,नरकटियागंज

जाने के लिए वही सड़क है,रामनगर जाने के लिए वही सड़क है,मतलब कि आप किसी जगह जाए तो आपको लौरिया होकर ही जाना पड़ेगा, ऐसी स्थिति में पूरा जाम लगा रहता है, क्योंकि बस स्टैंड के अंदर बसें लगती नहीं है,टॉगा स्टैंड के अंदर टॉगा लगता नहीं है, तो ऐसी स्थिति में यह माहौल बहुत दिनों से है,यह प्रश्न एक बार और मेरे द्वारा उठाया गया था लेकिन उसके बाद भी मैंने जिला पदाधिकारी को कहा, स्थानीय अंचलाधिकारी को भी कहा लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ है और वहाँ जाम का अंबार लगा हुआ है.....

अध्यक्षः- आप शीघ्र से शीघ्र कार्रवाई चाहते है ?

श्री विनय बिहारीः- जी।

अध्यक्षः- सरकार ने तो आपको बताया कि अब अतिक्रमणवाद प्रारंभ कर दिया गया है,उन्होंने 2/16 अतिक्रमणवाद संख्या भी बताया है।

श्री विनय बिहारीः- महोदय, मैं एक पूरक पूछ रहा हूँ कि मुझे एक समय सीमा बता दिया जाय कि उसे अतिक्रमणमुक्त कब तक करा दिया जायेगा।

अध्यक्षः- अब वाद की तो कोई समय-सीमा हो नहीं सकती।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः- जल्दी ही महोदय इसको एक्सपेडाईट कराया जायेगा।

अध्यक्षः- ठीक है।

तारांकित प्रश्न संख्याः-1893 (श्री विजय कुमार मंडल)

माननीय सदस्य अनुपस्थित ।

तारांकित प्रश्न संख्याः-1894 (श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः- महोदय, 1:- उत्तर स्वीकारात्मक है।

2:- घेराबंदी नहीं होने के कारण स्थनीय लोगों द्वारा माल मवेशी बॉधने की सूचना प्राप्त है।

3:- प्रश्नगत कब्रिस्तान घेराबंदी हेतु नवीनगर प्रखंड स्तर की प्राथमिक सूची के क्रमांक-3 पर सूचीबद्व है,घेराबंदी के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। अगले वित्तीय वर्ष में घेराबंदी पूर्ण करा देने हेतु जिला पदाधिकारी को निदेश दिया गया है।

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंहः- धन्यवाद।

श्री राजेश कुमारः- महोदय, नवीनगर में 10 पंचायत हमारा भी है जो कब्रिस्तान के घेराबंदी का है.. ....(व्यवधान)

अध्यक्षः- माननीय सदस्य राजेश जी अभी तो वीरेन्द्र बाबू के प्रश्न में जो कब्रिस्तान है,उसकी चर्चा होगी न, आपके जो इलाके में है, उसकी चर्चा अभी कैसे होगी।

श्री राजेश कुमारः- इससे जुड़ा हुआ मामला है महोदय।

तारांकित प्रश्न संख्याः-1895 (श्री अशोक कुमार सिंह,क्षे0सं0(224)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः- महोदय, 1 एवं 2:- उत्तर स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि थाना कांड संख्या-16/16 का पर्यवेक्षण पुलिस निरीक्षक, सदर घटना स्थल पर जा करके किया गया तथा वादी एवं अभियोजन साक्षी का बयान लिया गया। घटनास्थल का निरीक्षण साक्ष्यों का बयान अनुसंधान एवं पर्यवेक्षण से इस कांड को धारा-447, 341, 323, 324, 354, 504, 34 भ0दं0वि0 के अन्तर्गत प्राथमिक अभियुक्त मनोज प्रसाद, गजेन्द्र प्रसाद, अनिल कुमार के विरुद्व सत्य पाया गया है। पर्यवेक्षण में सोने का सिकरी लेने की बात गलत पाया गया। प्राथमिक अभियुक्त गुड्डू कुमार उर्फ रंजन कुमार की संलिप्ता नहीं पायी गयी है, गुड्डू कुमार उर्फ रंजन कुमार इस घटना से संबंधित दोनों पक्षों के विवाद में पंचायती किया गया था, पंचायती में वादिनी के पक्ष में निर्णय नहीं होने से क्षुब्ध हो कर गुड्डू कुमार उर्फ रंजन कुमार को फॅसाने की नियत से अभियुक्त बनाया गया है। ...क्रमशः...

टर्न-06/कृष्ण/21.03.2016

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : ...क्रमशः... खंड 3 : वस्तुस्थिति यह है कि अनुसंधान एवं पर्यवेक्षण से आये तथ्यों के आलोक में प्राथमिक अभियुक्त मनोज कुमार, गजेन्द्र प्रसाद एवं अनिल कुमार के विरूद्ध दं0प्र0सं0 की धारा 44 (ए) के अन्तर्गत कार्रवाई करने हेतु अनुसंधानकर्त्ता को निदेश दिया गया है ।

श्री अशोक कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, महिला उत्पीड़न का मामला है और हमारे नेता और बिहार के आदणीय नेता श्री नतीश कुमार महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सजग और संवेदनशील रहते हैं । महोदय, मुझे कहना है कि गोपालगंज पुलिस इन्सपेक्टर ने घटनास्थल पर जा कर घटना की जांच की और सत्य पाया और वही गोपालगंज पुलिस इन्सपेक्टर ने गुड्डू कुमार,जो प्राथमिकी का प्रथम अभियुक्त है, घटना को सत्य पाने के बावजूद गुड्डू गुप्ता उर्फ रंजन कुमार गुप्ता को बरी करने का काम किया तो मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि जो पुलिस इन्सपेक्टर पहले घटना को सत्य पाती है अैर प्राथमिकी के प्रथम अभियुक्त गुड्डू गुप्ता हैं, उनको फिर बरी कर देती है।

तो जो पुलिस इन्सपेक्टर गलत काम किये हैं, जिन्होंने घटना की अनदेखी करके उनको बरी करने का काम किये हैं और दूसरा आई0जी0, मुजफ्फरपुर से घटना की जांच कराकर क्या उक्त पुलिस पदाधिकारी पर कार्रवाई सरकार करना चाहती है और महिला को न्याय दिलाना चाहती है कि नहीं ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : मुझे कोई आपत्ति नहीं है । आइ0जी0,मुजफ्फरपुर से इसकी जांच करा दी जायेगी ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 1896 (श्री रमेश ऋषिदेव)

श्री विजेन्द्र प्र0 यादव : अध्यक्ष महोदय, स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि मधेपूरा जिलान्तर्गत श्री नगर थाना वर्तमान में सामुदायिक भवन में संचालित है । इसमें 3 कमरे हैं। श्रीनगर थाना के भवन हेतु अपर समाहर्त्ता,राजस्व शाखा,मधेपूरा के यहां भूमि चयन प्रक्रियाधीन है । भूमि उपलब्ध होते ही अग्रेत्तर कार्रवाई की जायेगी ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 1897 (श्री मो0तौसीफ आलम)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, 1 एवं 2 : स्वीकारात्मक है । प्रखंड स्तर पर अतिथि गृह बनाये जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

श्री मो0तौसीफ आालम : अध्यक्ष महोदय, जिला मुख्यालय से 90 कि0मी0 नेपाल बोर्डर पर वह प्रखंड है और कोई भी पदाधिकारी जाते हैं, कोई गणमान्य व्यक्ति जाते हैं तो रहने में बहुत दिक्कत होती है । इसलिए हम सरकार से आग्रहपूर्वक कहना चाहेंगे कि वहां एक सर्किट हाउस हो जाय ।

श्री राघव शरण पाण्डेय : महोदय, सरकार की क्या नीति है सर्किट हाउस बनाने की, जिला स्तर पर ,सबडिवीजन स्तर पर या प्रखंड स्तर पर ?

श्री विजेन्द्र प्र0 यादव : महोदय, सर्किट हाउस बनाने की कोई योजना नहीं है । जिला में अतिथि गृह बनाये जाते हैं ।

श्री राघव शरण पाण्डेय : केवल जिला स्तर पर बनाये जाते हैं या सबडिवीजन स्तर पर भी बनाये जाते हैं ?

श्री विजेन्द्रप्र0यादव : केवल जिले में ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 1898 (श्री विजय कुमार सिन्हा)

श्री विजेन्द्र प्र0 यादव : अध्यक्ष महोदय, 1 एवं 2 : वस्तुस्थिति यह है कि मंडल कारा, लखीसराय में जलापूर्त्ति बंदियों हेतु 9 चापाकल एवं 5 समरसेबुल पम्प तथा आरक्षियों के लिये 4 चापाकल एवं 2 समरसेबुल पम्प कार्यरत है । कैदियों एवं आरक्षियों को पानी पीने में कोई कठिनाई नहीं है । फिलहाल अभी जल मीनार निर्माण का कोई योजना नहीं है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, विधान सभा की कमिटी गयी थी उसमें मैं स्वयं गया था, कारा का निरीक्षण किया था । महोदय, कारा सुधार गृह के बजाय यातना गृह बन गया है। शौचालय जिसका रिपोर्ट विभाग के द्वारा माननीय मंत्री को दिया गया है, वह उपयोग के लायक नहीं है । जिस समरसेबुल पम्प की बात कर रहे हैं, महोदय, वह तो सिर्फ गड़ा हुआ है और वह ढका हुआ है । चार-चार चापाकल बंद पड़े हैं । महोदय, कारा गृह में इतना यातना दिया जा रहा है कि कैदी वहां से किसी तरह से भागना चाहते हैं । सुधार गृह को सुधारने की व्यवस्था होनी चाहिए । लेकिन सुधार के बजाय कैदियों को न तो मूलभूत सुविधायें दी जा रही है, न वहां पेयजल की व्यवस्था है,न शौचालय की व्यवस्था है, न जिम है, न पुस्तकालय है । प्राथमिक स्वास्थ्य की जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह भी नहीं है । सारी कमियां हैं । तो कारा मैनुअल के तहत जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह वहां उपलब्ध नहीं है तो हम आपके माध्यम से चाहेंगे कि इसकी जांच करवा ली जाय । इस तरह से कागजी खानापूर्त्ति करके रिपोर्ट पूरा कर देना और सदन को गुमराह करना यह सरासर गलत है । हम आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहते हैं कि कारा गृह के अंदर जल मीनार की व्यवस्था प्रस्तावित है या नहीं ?

श्री विजेन्द्र प्र0 यादव : मैंने कहा कि अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा : लेकिन जो रिपोर्ट गलत आया है, इसकी तो जांच करा लें ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्य कह रहे हैं कि चापाकल नहीं चल रहे हैं, उसको आप दिखवा लीजिये ।

श्री विजेन्द्रप्र0यादव : दिखवा लेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 1899 (श्री संजय सरावगी)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय,1 : स्वीकारात्मक है ।

2. आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

प्रश्नगत 49 विकलांग अभ्यर्थियों की नियुक्ति बिहार कर्मचारी चयन आयोग की अनुशंसा पर पत्रांक 2698 दिनांक 10.10.2013 के आधार पर सरकार के अधीन विभिन्न विज्ञापित पदों पर की गयी थी । बाद में बलवंत सिंह एवं अन्य बनाम बिहार राज्य एवं अन्य के मामले में माननीय पटना उच्च न्यायालय पारित न्यायादेश के आलोक में बिहार कर्मचारी चयन आयोग के पत्रांक 2089 दिनांक 25.08.2014 से प्रेषित अनुशंसा में इन 49 अभ्यर्थियों का स्थान प्राप्त नहीं हुआ । इस संबंध में पटना उच्च न्यायालय द्वारा सी0डब्लू0जे0सी0 - 18076/2014 0189 ऋषिकेष कुमार बिहार बनाम बिहार राज्य एवं अन्य के मामले में दिनांक 25.03.2015 को पारित न्यायादेश के अनुपालन में राज्य मंत्री परिषद् ने 49 विकलांग को समायोजित करते हुये नियुक्त करने का निर्णय लिया । सरकार के निर्णय के आलोक में बिहार कर्मचारी चयन आयोग विशिष्ट रूप से इन 49 विकलांग अभ्यर्थियों के लिये अनुशंसा पत्रांक 3237 दिनांक 28.09.2015 प्रेषित किया गया । इस बीच एल0पी0ए070/216/2016 दिनेश प्रसाद यादव एवं अन्य बनाम बिहार राज्य अन्य में माननीय पटना उच्च न्यायालय द्वारा यथास्थिति आदेश पारित किया गया है । माननीय न्यायालय के यथास्थिति आदेश पर विधि विभाग का परामर्श प्राप्त किया गया है । इसके अनुसार एल0पी0संख्या -70 में दिनांक 05.02.2016 को पारित यथास्थिति आदेश से कर्मचारी चयन आयोग की अनुशंसा पत्रांक 3237 दिनांक 28.09.2015 की अनुशंसित अभ्यर्थी प्रभावित हैं । इस प्रकार आयोग की अनुशंसा पत्रांक 3237 दिनांक 28.09.2015 से अनुशंसित 49 अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर संप्रति न्यायालय द्वारा यथास्थिति आदेश पारित है ।

3. उपर्युक्त कंडिका 2 में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, इतनी बड़ी संख्या में सहायकों की ..

अध्यक्ष : आप पूरक प्रश्न पूछिये । सारी स्थिति माननीय मंत्री ने बतायी है ।

श्री संजय सरावगी : प्रश्न ही पूछ रहे हैं । इतनी बड़ी संख्या में सचिवालय सहायकों की बहाली हु ई और 49 जो दिव्यांग हैं,उसमें अंधे भी हैं ।

अध्यक्ष : सरकार ने तो बताया है कि सरकार चाह रही है ।

श्री संजय सरावगी : महोदय, सरकार इस पर गंभीरता से प्रयास करके उच्च न्यायालय में जाय इस सपर पक्ष रखे क्योंकि 49 जो दिव्यांग हैं, उसमें 7, 8 सौ प्रतिशत अंधे हैं ।

अध्यक्ष : संजय जी, सरकार बताया है कि सरकार ने इनलोगों के पक्ष में कैबिनेट में भी फैसला किया उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप और स्टेटस-को के कारण अभी मामला अभी रूका हुआ है । सरकार प्रयास कर रही है। आपकी संतुष्ट होना चाहिए ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 1900 (श्री फैसल रहमान)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय,वस्तुस्थिति यह है कि केन्द्रीय कारा, मोतिहारी में बंदी क्षमता 1885 है, जिसके विरूद्ध वर्तमान में 1450 बंदी संसीमित हैं । केन्द्रीय कारा, मोतिहारी से सिकरहना अनुमंडल मुख्यालय की दूरी लगभग 30 कि.मी0 है । केन्द्रीय कारा, मोतिहारी से कैदियों को आने-जाने में लगभग 30 मिनट का समय लगता है । फिलहाल सिकरहना अनुमंडल मुख्यालय में कारा निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

टर्न-7/सत्येन्द्र/21-3-16 .

तारांकित प्रश्न संख्या- 1901 (श्री बशिष्ठ सिंह)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव: 1-वस्तुस्थिति यह है कि रोहतास जिलान्तर्गत करगहर प्रखंड के इटवा ग्राम में खाता संख्या- 62, प्लौट संख्या 244 एवं रकवा 1.32 एकड़ भूमि खतियान में रास्ता अनवास सर्वे दर्ज है इसके अंश भाग पर वर्त्तमान में कब्रिस्तान है।

2-अस्वीकारात्मक है। इस पर किसी प्रकार का पक्का या कच्चा मकान नहीं है।

3-उक्त कब्रिस्तान के घेराबंदी हेतु प्राथमिकता सूची में दर्ज नहीं है। कब्रिस्तानों की घेराबंदी हेतु प्राधिकृत जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से संवेदनशीलता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित की जाती है। उसी क्रमबद्ध ढंग से घेराबंदी कराये जाने की नीति है।

श्री वशिष्ठ सिंह: महोदय,वहां अक्सर विवाद होते रहता है और दबंगों द्वारा लोगों को परेशान किया जाता है। हम चुनाव में गये तो भी लोग बतलाया और चुनाव के वाद गये तो भी लोगों ने बतलाया इसलिए हम सरकार से मांग करते हैं कि प्राथमिकता के आधार पर उसको कराया जाय।

तारांकित प्रश्न संख्या- 1902 (श्री ललन पासवान)

श्री विजेन्द्र प्रसाद सिंह: इसमें समय चाहिए।

अध्यक्ष: स्थगित हुआ।

प्रश्नोत्तर काल समाप्त हुआ। जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हैं उन्हें सदन पटल पर रख दिया जाये।

कार्यस्थगन

अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण,आज दिनांक 21 मार्च,2016 के लिए निम्न माननीय सदस्यों से कुल पांच कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं:-

माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह,श्री विजय कुमार सिन्हा, श्री तारकिशोर प्रसाद, श्रीमती भागीरथी देवी एवं श्री राणा रणधीर । आज दिनांक 21 मार्च,2016 को सदन में वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में सम्मिलित अनुदानों की मांग में से कला,संस्कृति एवं युवा विभाग की मांग पर वाद-विवाद तथा मतदान होने का कार्यक्रम है। अतएव बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 1 के (2) एवं (3) के तहत उपर्युक्त सभी प्रस्ताव नियमानुकूल नहीं रहने के कारण अमान्य किया जाता है।

शून्यकाल

श्री प्रेम कुमार: महोदय, बड़े पैमाने पर छात्रवृत्ति घोटाला हो रहा है। इस राज्य में दवा घोटला हुआ था। महोदय, हम कहना चाहते हैं कि महादलित और पिछड़ा वर्ग, सामान्य जाति के लोग जो है उनको राज्य सरकार के राज्य योजना से छात्रवृत्ति की राशि दी जाती है। हमलोगों को जो जानकारी मिल रही है अखबारों के माध्यम से,उसका प्रमाण भी है कि बड़ी संख्या में छात्रों को निकाला गया था हाल के दिनों में भूवनेश्वर में महोदय,बेतिया और मोतिहारी के विद्यार्थी थे और बड़ी संख्या में पटना के 22 स्कूलों के नाम सामने आये हैं महोदय। सरकार ने जांच का आदेश दिया है लेकिन हमें कहना है कि सरकार निगरानी के वजाय इस मामले की जांच सी0बी0आई0 से कराये यह मामला पूरे बिहार का है और बड़ी राशि का महोदय घोटाला इसमें हुआ है और पूरे राज्य में जो वाजिब सही जो विद्यार्थी हैं महोदय, उनको छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है और फर्जी संस्थाओं के द्वारा पैसे का घोटाला किया जा रहा है। सरकार के स्तर पर तो आदेश दिया गया है लेकिन उससे काम चलने वाला नहीं है। हमारा आपके माध्यम से महोदय सरकार से आग्रह है कि छात्रवृत्ति घोटाले की सरकार सी0बी0आई0 से जांच कराये।

(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह: अध्यक्ष महोदय,औरंगाबाद जिलान्तर्गत नवीनगर प्रखंड मगध प्रमंडल का सबसे बड़ा प्रखंड है। नवीनगर में रेलवे का तथा बिहार सरकार की दो बड़ी ताप विद्युत परियोजना है। क्षेत्र उग्रवाद प्रभावित है।

अत: सरकार से प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन हेतु एवं उग्रवाद के खात्मा हेतु नवीनगर को अनुमंडल बनाने की मांग करता हूँ।

(व्यवधान)

श्री राणा रणधीर: अध्यक्ष महोदय,पूर्वी चम्पारण जिले के फेनहारा प्रखंड को पकड़ी दयाल अनुमंडल से जोड़ने वाली सड़क देवकुलिया चौक से मड़या कोठी तक 10 वर्षों से जर्जर हालत में है। अत: जनहित में उक्त सड़क का निर्माण कार्य यथाशीघ्र प्रारम्भ कराने की कार्रवाई की जाय।

श्री समीर कुमार महासेठ: अध्यक्ष महोदय,छोटे छोटे शहरों को विकसित करने से राजधानी पटना पर दवाब कम होगा। इसी कड़ी में मधुबनी शहर भी है जिसे ग्रेटर मधुबनी बनाया जा सकता है।

अतः मधुबनी शहर नगर परिषद एवं इसके आसपास के गांवों को जोड़ते हुए ग्रेटर मधुबनी के रूप में अधिसूचित किया जाय।

श्री विजय कुमार सिन्हाः महोदय,लखीसराय जिला सहित पूरे बिहार में कल्याण विभाग के द्वारा छात्रवृत्ति और सभी तरह के पेंशन में घोर अनियमितता और घोटाला किया जा रहा है। स्थानीय गरीब छात्रों के बजाय बाहरी दूसरे राज्य के सम्पन्न छात्रों को लाभ मिल रहा है। अतः छात्रवृत्ति और पेंशन की जांच कर कार्रवाई करें।

(व्यवधान)

डॉ0 विनोद प्रसाद यादवः महोदय,गया जिलान्तर्गत शेरघाटी के गोपालपुर बुढ़ी नदी पुल के पास सड़क दुर्घटना में 11-3-16 को मो0 यासीन अंसारी पिता रेयाज अंसारी, ग्राम बहेरा पोस्ट हरदवन, थाना डोभी की मृत्यु हो गई । एक अन्य व्यक्ति कासीम अंसारी घायल हो गया है। अतः पीडित परिवार को मुआवजा देने की मांग करता हूँ।

श्री ललन पासवानः महोदय,रोहतास जिलान्तर्गत चेनारी प्रखंड के उगहनी पंचायत के ग्राम उगहनी से मुसहर टोली तक जाने की ग्रामीण कार्य विभाग की सड़क लगभग 1.5 कि0मी0 जर्जर है।

हम सरकार से मांग करते हैं कि उक्त सड़क का निर्माण शीघ्र कराया जाय।

श्री अमित कुमारः महोदय,सीतामढ़ी बैरगनियां अंचलाधिकारी द्वारा परमेश्वर पासवान को 4 लाख रू0 का दिया गया भूकम्प सहायता राशि चेक संख्या 039151 दिनांक 26-5-15 बाउंस हो गया । रीगा निर्वाचन क्षेत्र में प्रभावितों को दिये गये अन्य चेक बाउंस हो रहे हैं। दोषी पर कार्रवाई एवं प्रभावित को शीघ्र भुगतान कराया जाय।

(व्यवधान)

श्री तारकिशोर प्रसादः महोदय,कटिहार स्थित के0बी0 झा कॉलेज परिसर में निर्मित अतिपिछड़ा छात्रावास एवं सन तुलसी टंडन कॉलेज परिसर में जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास में छात्र को रहने हेतु आवंटित नहीं किया जा रहा है। अति पिछड़ा छात्रावास की स्थिति जर्जर भी हो रही है।

सरकार छात्रावास चालू करने हेतु आवश्यक कदम उठावे।

श्री प्रह्लाद यादवः महोदय,लखीसराय जिला के 274 गांवों का राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत वर्ष 2014सितम्बर में आन्ध्र प्रदेश की दो कम्पनी क्रमशः सी0डी0 साईन एवं चडवाला एजेंसी ने गांवों का विद्युतीकरण करने का काम लिया था जिसे वर्ष 2016 तक पूर्ण करना था परन्तु अभी तक 10 प्रतिशत काम पूरा नहीं हुआ है।

अत: मैं सदन के माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि जनहित में काम शीघ्र कराया जाय।

(व्यवधान)

श्रीमती भागीरथी देवी: महोदय,बेतिया जिला के प्रखंड रामनगर के ग्राम धोकराहा से नौगांवा होतु हुए ग्राम डूमरिया के तरफ जाने वाली पथ का जीर्णोद्धार कराने की मांग करती हूँ।

श्री विनोद कुमार सिंह:महोदय,कटिहार जिला सहित पूरे राज्य में दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना अन्तर्गत बिजली का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है साथ ही बी0पी0एल0 धारी परिवार से बिजली कनेक्शन लगाने के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है,उचित कार्रवाई हेतु सरकार से मांग करता हॅं।

टर्न-8/मधुप/21.3.16

(व्यवधान)

श्री मुन्द्रिका सिंह यादव : महोदय, जहानाबाद जिला के रतनी फरीदपुर प्रखण्ड के ग्राम नोआमा के ग्राम-मीरगंज, मुरहारा पंचायत के ग्राम-मुरहारा, कानीभठ, बांके बिगहा, उत्तरापट्टी टोला-चिरैयाटांड़ में विद्युत नहीं रहने के कारण ग्रामीणों को अपार कष्ट का सामना करना पड़ रहा है ।

अत: इस गंभीर विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए प्रश्नाधीन गांवों के विद्युतीकरण की मॉंग करता हूँ ।

श्री बिरेन्द्र कुमार सिन्हा : महोदय, बिहार सरकार द्वारा संस्कृत विषय के पास टी0ई0टी0 प्रशिक्षित शिक्षकों का बहाली कब तक किया जायेगा क्योंकि बिहार के सभी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों की काफी कमी खल रही है ।

अत: इस गंभीर विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए प्रश्नाधीन शिक्षकों को तत्काल बहाल कराने की मांग करता हूँ ।

(व्यवधान)

श्री प्रमोद कुमार : महोदय, पूर्वी चम्पारण जिला के मोतिहारी नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी को डेढ़ माह से वित्तीय अधिकार प्राप्त नहीं होने से सफाई कर्मी हड़ताल पर चले जायेंगे ।

सरकार से माँग करता हूँ कि वित्तीय अधिकार प्रदान कर होली के अवसर पर वेतन भुगतान कर हड़ताल रोकें ।

श्री अरूण कुमार सिन्हा : महोदय, राज्य की गरीब जनता की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रूपये लेकर राज्य से भागने वाली चिट फंड कम्पनियों पर कार्रवाई करते हुए राज्य के प्रभावित लोगों के रूपये वापस करने हेतु राज्य सरकार कार्रवाई करे ।

अध्यक्ष : ध्यानाकर्षण सूचना । श्री नन्द किशोर यादव ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण अपनी-अपनी जगह पर बैठ गये ।)

श्री सत्यदेव राम : महोदय, मेरा भी शून्यकाल था...

अध्यक्ष : चूँकि आपका विषय केन्द्र सरकार से संबंधित है, इसलिए यहाँ पर नहीं लिया जा सकता है ।

श्री सत्यदेव राम : महोदय, मैंने जो सरकार से आग्रह किया है, प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को भेजने के लिये...

अध्यक्ष : जो विषय केन्द्र सरकार के अधीन होता है, उसके संबंध में यहाँ पर कोई प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होता है । इसलिये आपका शून्यकाल नहीं लिया गया है ।

श्री नन्द किशोर यादव ।

ध्यानाकर्षण सूचनाएँ तथा उसपर सरकारी वक्तव्य

श्री नन्द किशोर यादव, स0वि0स0 से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उसपर सरकार (समाज कल्याण विभाग) की ओर से वक्तव्य ।

श्री नन्द किशोर यादव : अध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण विभाग के पत्रांक-440, दिनांक- 16.02.2012 द्वारा मुख्य सचिव, बिहार के स्तर से सचिव, समाज कल्याण विभाग का पत्रांक-2509, दिनांक-30.05.2013 एवं दिनांक 13.05.2015 द्वारा राज्य के सभी जिला पदाधिकारियों को यह निदेशित किया गया है कि लक्ष्मीबाई विधवा पेंशन योजना के लिए कोई प्रमाण-पत्र नहीं मांगना है किन्तु आर0टी0पी0एस0 काउंटर पर (क) पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र (ख) मतदाता पहचान पत्र एवं (ग) आय प्रमाण-पत्र, जो 59,000/- रूपये का हो, की अवैध रूप से मांग की जाती है । आर0टी0पी0एस0 सेवा होने के कारण 45 दिनों में आवेदन का निस्तारण करना है किन्तु आवेदन के निस्तारण में दो-दो

साल लग जाता है तथा मृत्यु प्रमाण–पत्र वर्ष 2002/2003/2006/2007/2012 अर्थात् पुराना है, की अभियुक्ति के साथ राज्य के अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा विधवा बहनों का आवेदन रद्द कर दिया जाता है ।

अत: लक्ष्मीबाई विधवा पेंशन योजना में राज्य के अनुमंडल पदाधिकारियों के द्वारा की जा रही मनमानी पर रोक लगाने तथा सरकार के अनुदेश के आलोक में विधवा पेंशन की स्वीकृति हेतु मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ ।

श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि मुख्य सचिव, बिहार के पत्रांक 440 दिनांक 16.02.2012 के द्वारा सेवा का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत पेंशन योजनाओं में प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों के निस्तारण के संबंध में निदेश दिया गया था । सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार के पत्रांक 740 दिनांक– 13.05.2015 एवं निदेशक, सामाजिक सुरक्षा निदेशालय, बिहार के पत्रांक 860 दिनांक– 26.07.2013 द्वारा सभी जिला पदाधिकारी एवं सभी सहायक निदेशक, प्रभारी सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग को निदेशित किया गया है कि लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना सहित अन्य पेंशन योजनाओं में आवेदक से आर0टी0पी0एस0 में आवेदन के साथ बी0पी0एल0, आय प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र आदि कागजात का माँगा जाना नियमानुकूल नहीं है । आर0टी0पी0एस0 में आवेदन के साथ कोई प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक नहीं है। आवेदन प्राप्त होने पर बी0पी0एल0, आयु, आय, विकलांगता, पति की मृत्यु से संबंधित जाँच पंचायत सचिव या पंचायत स्तरीय सक्षम कर्मी द्वारा किया जायेगा । जाँच के उपरांत पंचायत सचिव/पंचायत स्तरीय सक्षम कर्मी स्वीकृति या अस्वीकृति के संबंध में अनुशंसा प्रखंड विकास पदाधिकारी को करेंगे । यह कार्य 21 दिनों के अन्दर प्रखंड कार्यालय द्वारा पूर्ण कर लिया जायेगा । अस्वीकृति की स्थिति में आवेदक को सूचना दी जायेगी । प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा अनुशंसा के उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी 21 दिनों के अन्दर पेंशन स्वीकृति की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे । अगर इस मामले में कोई विशिष्ट शिकायत प्राप्त होती है तो राज्य सरकार आवश्यक कार्रवाई करेगी ।

श्री नन्द किशोर यादव : महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहता हूँ कि क्या यह बात सही है कि कोई विधवा तीन साल पहले विधवा हो गई और 2012 का, 2013 का मृत्यु प्रमाण पत्र अगर संलग्न कर रही है तो क्या उसका आवेदन रद्द कर दिया जायेगा?

श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा : महोदय, विधवा जो है, वह तो विधवा है, चाहे पहले की विधवा हो या तुरंत की विधवा हो । उसका अस्वीकृत करना निहायत ही अपराध है । माननीय सदस्य की चिन्ता जाहिर है और माननीय सदस्य तो पुराने राजनीतिज्ञ हैं, सब बात को समझते हैं कि अगर सरकार के संज्ञान में कोई बात आती है तो निश्चित रूप से विभाग संज्ञान में लेता है और संबंधित सभी जिलों को आदेशित करता है ।

अगर माननीय सदस्य को लगता है कि कहीं भी पदाधिकारी सचिव के आदेश का उल्लंघन किये हैं तो माननीय सदस्य हमें सूचना दें, मैं आवश्यक कार्रवाई कराऊंगी ।

श्री नन्द किशोर यादव : महोदय, माननीय मंत्री महोदया ने सरकार के निर्णय की जानकारी दी है लेकिन मैं माननीय मंत्री महोदया को बताना चाहता हूँ कि राजधानी में, इस पटना शहर में पटना सिटी अनुमंडल में, जो लक्ष्मीबाई विधवा पेंशन योजना है, उसके अन्तर्गत आर0टी0पी0एस0 के तहत जो आवेदन दिये गये, उन आवेदनों को अनुमंडलाधिकारी ने केवल इसलिये रद्द कर दिया है कि मृत्यु प्रमाण पत्र 2007 का है, मैंने इसका जिक्र किया है लेकिन आपने उसका जवाब नहीं दिया । मैंने जिक्र किया इस बात का जिसमें लिखा है मृत्यु प्रमाण पत्र रद्द होने का कारण - मृत्यु प्रमाण पत्र 2007 का है, मृत्यु प्रमाण पत्र 2013 का है, मृत्यु प्रमाण पत्र 2010 का है, मृत्यु प्रमाण पत्र 2006 का है ।

महोदय, जब राजधानी में सरकार के आदेश के बावजूद एक अनुमंडल के अनुमंडलाधिकारी विधवा बहनों का आवेदन केवल इसलिये रद्द कर देते हैं कि उसके पति की मृत्यु 2012 में हुई है, मृत्यु प्रमाण पत्र 2012 का लगा है । महोदय, अगर यह राजधानी में हो रहा है तो बिहार के अन्य जगहों में क्या हो रहा होगा, मुझे मालूम नहीं है । मैं जानना चाहता हूँ कि इस प्रकार ये जो आवेदन रद्द किये गये हैं, क्या सरकार इन रद्द आवेदनों का फिर से जॉच करायेगी और जिन लोगों ने यह काम किया है, उनपर कार्रवाई करेगी ?

श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा : अगर यह आवेदन रद्द हुआ है तो विभाग इसकी जॉच करायेगा ।

श्री नन्द किशोर यादव : महोदय, अगर-मगर की बात नहीं है । मैं प्रमाण के साथ कह रहा हूँ। मैंने आपको प्रमाण भी दिया है, मैंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में इस बात का जिक्र किया है, मैंने साल का जिक्र किया है । अध्यक्ष महोदय, मैंने आपको एक कागज भी उपलब्ध कराया है, वहॉ के अनुमंडलाधिकारी का दस्तखत है, यह पत्रांक है 2706...

अध्यक्ष : माननीया मंत्री, यह बात सही है कि माननीय सदस्य ने वह कागज हमें भी दिखाया है और उस कागज में जिस तरह से जिक्र है, वह मुनासिब नहीं है क्योंकि उसमें किसी

का आवेदन यह कहकर अस्वीकृत किया गया है कि इनका मृत्यु प्रमाण पत्र 2002 का है, 2007 का है, 2012 का है । अगर मृत्यु 2002 में हो गई तो फिर आदमी 2007 में जिन्दा होता नहीं है । प्रमाण पत्र कभी का है तो वह वैलिड होना चाहिये । आपने भी कहा है कि अगर पदाधिकारी द्वारा इस तरह का गैर जिम्मेवारीपूर्ण रवैया दिखाया गया है तो यह मुनासिब नहीं है ।

माननीय सदस्य कागज दे रहे हैं, इसकी तो विशेष रूप से आप जॉच करा लीजिये । साथ-ही, इस तरीके का एक निदेश सारे जिला पदाधिकारियों के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी तक चला जाय, क्योंकि सरकार ने अपनी मंशा बताई है विधवाओं को पेंशन देने के लिए । यह अधिकारी केवल किसको क्यों नहीं दें, यह कारण नहीं खोजना चाहिये । अगर सरकार की मंशा है विधवाओं को पेंशन देने के लिए तो पेंशन किस रूप में मिले, उसकी पहल होनी चाहिये ।

टर्न-9/आजाद/21.03.2016

श्री सदानन्द सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर यह है कि माननीय मंत्री जी स्वयं बोली कि मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है । माननीय मंत्री जी बोली कि सिर्फ आवेदन देना है, वह जॉच ग्राम सेवक और उनके प्रखंड के पदाधिकारी करेंगे और 21 दिनों के अन्दर उसको आवंटित कर देना है । यदि किसी कारण से वह रद्द होगा तो उसकी सूचना भी उसको दी जायेगी तो उस परिस्थिति में कहां सार्टिफिकेट की आवश्यकता है ? इसलिए वैसे पदाधिकारी को दंडित किया जाना चाहिए जो इस तरह का आदेश निकाले हैं ।

अध्यक्ष : सरकार ने कहा है कि इसकी जॉच करायेंगे ।

श्री नन्दकिशोर यादव : महोदय, मेरा आग्रह है, एक मामूली एस0डी0ओ0 केवल विधवाओं का आवेदन रद्द कर दे कि उसका 2012 में मृत्यु हो गई, यह कोई मामूली बात है क्या ? मुझे पूछने दीजिए न । महोदय, मैं कहना चाहता हूँ, जो कागज मैंने आपको दिया, लगता है कि उसके बारे में माननीय मंत्री महोदय अवगत नहीं है । उनको जानकारी विभाग ने नहीं दिया होगा । महोदय, मेरा आग्रह होगा कि इस कागज को मैं मंत्री महोदय को भी दे देता हूँ, आज इसको स्थगित कर दिया जाय । इस ध्यानाकर्षण का

मूल कारण क्या है, मूल कारण यह है कि एक आवेदन विधवा का इसलिए रद्द कर दिया कि उसकी पति की मृत्यु 2002 में हो गई, 2012 में हो गई, 2013 में हो गई । मेरा महोदय आग्रह है, मैं इस कागज को मंत्री महोदय को दे देता हूँ और मेरा आग्रह होगा कि इस पूरे मामले की जॉच करके मंत्री महोदय सदन में अगली बार वक्तव्य दें तो पूरी बात का खुलासा हो सकेगा, तब महोदय ज्यादा बेहतर होगा ।

अध्यक्ष : सरकार इसकी जॉच करा ले ।

श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा : जी, मैं जॉच करवा लूँगी, वैसे समाज कल्याण सचिव के द्वारा आदेश चला गया है सभी जिला पदाधिकारी को । लेकिन आप कागज दीजिए, मैं इसकी जॉच करवा लूँगी ।

श्री नन्दकिशोर यादव : महोदय, जवाब नहीं मिला, यह तो अन्याय है न । अगर विधवा कोई 2002 में हो गई, 2012 में हो गई, 2013 में हो गई, यह सरकार पेंशन नहीं देगी महोदय, राजधानी में एक एस0डी0ओ0 रिजेक्ट कर देता है और सरकार कान में तेल डालकर सोयी है । राजधानी में सब कोई रहता है महोदय, चीफ सेक्रेटरी भी यही रहते हैं.....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अन्याय नहीं हो, यह सरकार सुनिश्चित करेगी, ऐसा निदेश दिया गया है ।

श्री नन्दकिशोर यादव : इसपर जॉच करके कार्रवाई करने की बात कर रहे हैं न, महोदय जॉच करके सरकार बताये ।

अध्यक्ष : जॉच करके सरकार कार्रवाई करेगी और सदन को सूचित करेगी ।

श्री नन्दकिशोर यादव : सरकार जॉच करके बताये कि यह सही है या गलत है ?

अध्यक्ष : यह स्थगित नहीं होगा ।

श्री नन्दकिशोर यादव : यह तो कोई बात नहीं हुआ है महोदय । यह तो सरकार गरीबों के साथ अन्याय कर रही है, विधवाओं के साथ अन्याय कर रही है । महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार दावा करती है और विधवा महिलाओं का आवेदन केवल इसलिए रद्द कर दिया जाता है कि उसका मृत्यु प्रमाण पत्र 2012 का है, 2013 का है, 2002 का है, महोदय, यह कैसी सरकार है ?

श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा : विधवाओं के साथ कोई अन्याय नहीं होगा और उनका आवेदन लिया जायेगा ।

अध्यक्ष : सरकार कार्रवाई करेगी ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण अपनी-अपनी जगह पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा ।

श्री अजीत शर्मा एवं श्री सदानंद सिंह,स०वि०स० से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उसपर सरकार (गृह विभाग) की ओर से वक्तव्य ।

श्री अजीत शर्मा : अध्यक्ष महोदय, भागलपुर जिला के विहपुर प्रखंड के मड़वा गांव के श्री प्रमोद राय, वरीय अधिवक्ता की दिनांक 15.03.2016 को शाम 5.30 बजे अप0 में नवगछिया न्यायालय से अपने घर मड़वा ग्राम में लौटते वक्त एन0एच0-31 पर दयालपुर चौक के समीप जायलो गाड़ी पर सवार पॉच अपराधियों के द्वारा उनकी कार को ओवरटेक करते हुए दो गोली मार कर हत्या कर दी गयी । उक्त अपराधियों की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है ।

अतः प्रमोद राय, वरीय अधिवक्ता की हत्या एवं संलिप्तता की जॉच निगरानी विभाग से कराते हुए हत्यारों एवं साजिश में शामिल अपराधियों पर कार्रवाई करने हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं ।

(व्यवधान)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, यह कांड वादी पवन कुमार राय, पिता-स्व0 राकेश प्रसाद राय, सा0-मड़वा, थाना-विहपुर(झंडापुर) जिला-भागलपुर के फर्दव्यान के आधार पर अपने भाई प्रमोद कुमार राय दिनांक 15.03.2016 को मड़वा चौक के समीप एन0एच0-3 पर जाईलो कार (बी0आरे0-10डब्लू-1555) पर सवार चार अपराधकर्मी द्वारा गोली मार कर हत्या कर देने के आरोप में विहपुर झंडापुर थाना कांड सं0-73/16 दिनांक 15.03.2016 धारा 302/120बी/34 भा0द0वि0 एवं 27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है ।

घटना में इस्तेमाल किये गये जायलो गाड़ी को दिनांक 15.03.16 को संध्या 17.11 बजे से 17.16 बजे तक एन0एच0-31 पर अवस्थित रिमझिम पेट्रोल पम्प में अधिष्ठापित सी0सी0टी0वी0 कैमरा के फुटेज में देखा गया है । कांड में प्रयुक्त जाईलो कार को बरामद कर लिया गया है । सत्यापन के क्रम में पता चला है कि झारखंड राज्य के धनबाद जिला से उक्त कार दिनांक 11.03.2016 को चुरायी गयी है । इस संबंध में झरिया थाना कांड सं0-53/16, दिनांक 14.03.2016 धारा 406/379/120बी भा0द0वि0 विरूद्ध राजा एवं चार अज्ञात अपराधकर्मियों के विरूद्ध दर्ज है । अनुसंधान के क्रम में उक्त बरामद जाईलो गाड़ी के अन्दर से आधार कार्ड,

एक मोबाईल क्रय संबंधित बिल, शिक्षण संस्थान का कागजात, बैंक में पैसा जमा करने से संबंधित कागजात की बरामदगी हुई है, जो झारखंड राज्य के धनबाद एवं रॉची जिला से संबंधित है ।

घटना के उद्‌भेदन हेतु विधि-विज्ञान प्रयोगशाला, श्वान दस्ता एवं अंगुलांक विशेषज्ञों की टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया एवं अनुसधान एवं उद्‌भेदन हेतु विशेष अनुसंधान टीम (एस0आई0टी0) का गठन किया गया है । संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्‌तारी हेतु झारखंड राज्य एवं बिहार में छापामारी की जा रही है ।

कांड में मृतक एवं अन्य संदिग्धों का मोबाईल नं0 का सी0डी0आर0 तथा कांड के घटना स्थल एवं कांड के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का डंप डाटा प्राप्त कर उसका विश्लेषण किया जा रहा है । काण्ड के अग्रतर अनुसंधान के क्रम में दो अभियुक्तों को गिरफ्‌तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, शेष अभियुक्तों को गिरफ्‌तार करने का प्रयास जारी है ।

(व्यवधान)

श्री अजीत शर्मा : महोदय, सबसे पहली बात कि ये लोग इतना महत्वपूर्ण क्वेश्चन पर हल्ला करते हैं, किसी की हत्या हो गई और उसका जवाब सुनने तक नहीं दिये, जब नन्दकिशोर बाबू बोल रहे थे तो हमलोग एक शब्द नहीं बोल रहे थे । जब हमलोगों का होता है तो आपलोग इस तरह का हल्ला करते हैं ।

सर, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ, सुन तो नहीं पाया लेकिन हम आपके माध्यम से चाहेंगे कि आप स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम गठित कर उसकी जॉच कराईए । पुलिस तो हर घटना में जॉच करती है लेकिन हम चाहेंगे कि स्पेशल टीम(एस0आई0टी0) गठित करिए.....

अध्यक्ष : वे बना दिये हैं ।

श्री अजित शर्मा : और आई0जी0 के मोनेटेरिंग में इसकी जॉच कराईए ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री अजित शर्मा : धन्यवाद ।

अध्यक्ष : अब सभा की कार्यवाही 2.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-10/अंजनी/दि0 21.03.2016

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

वित्तीय-कार्य

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अनुदान की मांग पर वाद-विवाद तथा सरकार का उत्तर एवं मतदान होगा । इसके लिए तीन घंटे का समय उपलब्ध है । विभिन्न दलों को उनकी सदस्य संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है और इसी समय में से सरकार को उत्तर के लिए भी समय दिया जायेगा।

राष्ट्रीय जनता दल	-	59 मिनट
जनता दल युनाइटेड	-	52 मिनट
भारतीय जनता पार्टी	-	39 मिनट
इंडियन नेशनल कांग्रेस	-	20 मिनट
सी0पी0आई(एम0एल0)	-	02 मिनट
लोक जनशक्ति पार्टी	-	02 मिनट
हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा	-	01 मिनट
राष्ट्रीय लोक समता पार्टी	-	02 मिनट
निर्दलीय	-	03 मिनट

		कुल - 180 मिनट

प्रभारी मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग अपनी मांग प्रस्तुत करें ।

श्री शिवचन्द्र राम : अध्यक्ष महोदय, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के संबंध में 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा, उसकी पूर्त्ति के लिए 1,25,94,48,000/- (एक अरब पचीस करोड़ चौरानवे लाख अड़तालीस हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।

यह प्रस्ताव राज्यपाल की सिफारिश पर किया गया है ।

अध्यक्ष : इस मांग पर माननीय सदस्य श्री मिथिलेश तिवारी, श्री अरूण कुमार सिन्हा, श्री विजय कुमार सिन्हा, श्री विनोद कुमार सिंह, डॉ0 सुनील कुमार, श्री संजय सरावगी, श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह एवं श्री नीरज कुमार सिंह से कटौती प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो व्यापक हैं और जिन पर सभी माननीय सदस्य विचार विमर्श कर सकते हैं । माननीय

सदस्य श्री मिथिलेश तिवारी का प्रस्ताव प्रथम है । अतएव माननीय सदस्य श्री मिथिलेश तिवारी अपना कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करें ।

श्री मिथिलेश तिवारी : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि-

'' इस शीर्षक की मांग 10/-से घटायी जाय ।
राज्य सरकार की कला, संस्कृति एवं युवा नीति पर विचार-विमर्श करने के लिये ।''

महोदय, आज कला, संस्कृति एवं युवा विभाग पर कटौती प्रस्ताव पर विमर्श हो रहा है । महोदय, मैंने प्रतिपक्ष की ओर से कटौती-प्रस्ताव पेश किया है, चूंकि यह जो विभाग है, इसमें खेल भी जुड़ा हुआ है । जब खेल जुड़ा हुआ है, सदन में थोड़ी संख्या कम है, मैं चाहता हूँ कि यह जो विभाग है, इसपर चर्चा हो और यह चर्चा अत्यन्त ही विनोदपूर्ण वातावरण में हो । यह युवाओं से जुड़ा हुआ है, संस्कृति से जुड़ा है, हमारी धरोहर से जुड़ा है और यह हमारी पहचान से भी जुड़ा है । इसलिए यह आवश्यक है कि इस चर्चा को व्यापक बनाया जाय लेकिन मैं जो बजट का प्रावधान देख रहा हूँ 2015-16 में 128.94 करोड़ रूपया का बजट था और 2016-17 में लगभग 3000, तीन हजार करोड़ रूपये की राशि घटा दी गयी । महंगाई बढ़ रही है, लोगों की अपेक्षायें बढ़ रही हैं, जनसंख्या बढ़ रही हैं और बजट घट रहा है । तो यह चिन्ता स्वभाविक है कि हम बिहार का विकास कैसे करेंगे ? साथ-ही जब वर्त्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में आगामी वित्तीय वर्ष की योजना बजट को देखते हैं तो उसमें 15.7 करोड़ रूपये कम कर दिया गया है । महोदय, मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि जो हमलोगों ने कई वर्षों से सरकार की तरफ से बिहार के नौजवानों को जो सब्ज बाग दिखाये हैं, जो हमलोगों ने बिहार के नौजवानों को कहा है कि प्रत्येक प्रखंड में हम स्टेडियम बनायेंगे, हम प्रत्येक गांव को कल्चरयुक्त बनायेंगे । हम बिहार के अस्मिता को वापस लौटायेंगे लेकिन जब हमारा बजट ही कम हो जायेगा, तो हम उस काम को कैसे करेंगे । सबसे आश्चर्यजनक विषय है कि इस वर्ष भी बजट कम है । इस विभाग के बारे में लोग यही कहते हैं कि एक जमाना था तो लोग कहते थे कि पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब और खेलोगे, कूदोगे तो होगे खराब । यह प्रक्रिया पहले से थी लेकिन आज बदल गयी है । आज जो खेलता है, वह राज्य ही नहीं, देश का नाम रोशन करता है । आज जब बड़े-बड़े खेलों का आयोजन होता है तो लोग टेलिविजन पर टक-टकी लगाकर देखते हैं । आप दो-तीन दिन पहले ही भारत और पाकिस्तान क्रिकेट मैच का नजारा देखा होगा और कोई एक अच्छा खिलाड़ी निकल

जाता है तो वह हमारा ब्रांड एक्बेस्डर हो जाता है और उस परिस्थिति में भी हमलोगों ने वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में मात्र पचास-पचपन परसेंट ही खर्च कर पाये हैं और अब यह वित्तीय समाप्त होने जा रहा है तो जो हमारे पास धन राशि है, वह भी खर्च नहीं कर पा रहे हैं । तो महोदय, यह एक चिन्ता का विषय है । साथ-ही-साथ लगातार सरकार की तरफ से यह घोषणायें होती रही है कि बिहार के तमाम प्रखंड मुख्यालय में एक स्टेडियम का निर्माण करेंगे लेकिन जब आंकड़े आंख के सामने आते हैं तो चौंकाने वाले हैं । अबतक हमलोगों ने मात्र 239 योजनायें को ही स्वीकृति दी है और 239 योजनाओं की स्वीकृति में मात्र अभीतक 80 स्टेडियम के बारे में सरकार की ओर से कहा जाता है कि हमने उसको पूर्ण कर लिया है लेकिन अगर उसका भौतिक सत्यापन किया जाय तो मुझे भी वहां भी हमारे हाथों में निराशा लगेगी । महोदय, 80 स्टेडियम का निर्माण सरकार के लिए बहुत छोटा लक्ष्य है । जब हम बात करते हैं कि हम प्रखंडों में स्टेडियम बनायेंगे तो हमारा स्टेडियम साल-दो साल के अन्दर ही बनकर तैयार हो जाना चाहिए लेकिन इतने समय बीतने के बाद भी स्टेडियम का निर्माण नहीं कर पाये । महोदय, शेष 295 प्रखंडों में स्टेडियम कब बनेगा, कब उसके बारे में सरकार विचार करेगी, यह धन राशि कहां से आयेगी, वहां के लोग भी, वहां के नौजवान भी इस बात का इन्तजार कर रहे हैं कि सरकार कोई ऐसी योजना लायेगी क्या कि आनेवाले पांच साल के अन्दर, आनेवाले दो साल के अन्दर हम तमाम प्रखंडों में एक खेल का मैदान देख पायेंगे । महोदय, यह कोई राजनीतिक विषय नहीं है, यह विषय ऐसा है कि आजकल शाम के समय, सुबह के समय नौजवानों को खेल का मैदान चाहिए, अब उनको खेल का मैदान नहीं मिलता है तो चौक-चौराहे पर खड़ा होते हैं, नशेपन का शिकार होते हैं, अपराधी बनते हैं, उनके अन्दर कई प्रकार की बीमारियां आती हैं । जब खेल का मैदान नहीं मिलेगा तो खिलाड़ी जायेगा कहां ? यह स्थिति पूरे बिहार की है, इसलिए यह बहुत बड़ी चिन्ता का विषय है । सबसे बड़ी बात यह है कि जितने भी खेल हैं बिहार में उन खेलों में न तो हमारे पास प्रशिक्षण की व्यवस्था है और न हमारे पास प्रशिक्षक की ही व्यवस्था है । हम लगातार योजना बनाते हैं, योजनायें अखबार में आती हैं लेकिन योजनायें धरातल पर कभी नहीं आती । जब हम कोई बड़ी चर्चा करते हैं तो अचानक हम 500 करोड़ रूपये का म्यूजियम बना देते है पटना में और चुनाव सर पर आता है तो बिना म्यूजियम तैयार होते हुए उसका उद्घाटन कर देते हैं और 500 करोड़ रूपया एक ही जगह पर लगा देते हैं बेली रोड पर, इसलिए कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के लोग आयेंगे तो उस म्यूजियम को देखेगें । महोदय, मेरी समझ में

नहीं आता है कि हमारा बिहार जबतक अपने पैर पर खड़ा नहीं होगा, वह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के लोग देखेंगे क्या और उसकी चिन्ता क्या करेंगे? नालन्दा में इंटरनेशल क्रिकेट स्टेडियम, स्पोर्ट एकेडमी खोले जाने की बात बहुत दिनों से सुन रहे हैं लेकिन आजतक सरकार की ओर इसका कोई बयान नहीं आया, वह बनेगा कब, आखिर वह कब बनकर तैयार होगा और उसमें भी एक बड़ी धन राशि खर्च करने की योजना सरकार की बनी है । महोदय, सबसे आश्चर्यजनक विषय है कि किसी जिले में, 38 जिलों में से मात्र पांच-छः जिले में जिला खेल पदाधिकारी हैं । इस विभाग के पास खेल पदाधिकारी नहीं हैं । इस विभाग को ए0डी0एम0 चलाते हैं, इस विभाग को डी0ई0ओ0 चलाते हैं । हमलोग जब जिलों की बैठक मे बैठते है, हमारे कला, संस्कृति विभाग के जो युवा मंत्री हैं, वे हमारे जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं । मैं एक बैठक में बैठा था, इन्होंने जब पूछा अधिकारियों से कि विद्यालय खेल की क्या हालत है तो उन्होंने जो रिपोर्ट दिया, उस रिपोर्ट को मैं हजम नहीं कर पाया हूँ । पता नहीं, सभी माननीय सदस्यों, सभी के क्षेत्रों मे कार्यक्रम होता होगा, कब खेल हो गया, वे वहां के विधायक को नहीं मालूम पड़ता है । खेल कागजों में होता है ।

क्रमशः

टर्न-11/शंभु/21.03.16

श्री मिथिलेश तिवारी : क्रमशः.....खेल का आयोजन होता है, उसकी कोई चिंता करनेवाला, कोई देखनेवाला, कोई मोनेटरिंग करनेवाला नहीं है। जब तक हर जिले में एक जिला खेल पदाधिकारी नहीं होगा तो जो अधिकारी हैं उनके पास तमाम तरह के काम हैं और अधिकारी अपना काम छोड़कर के वे खेल करायेंगे तो फिर उनका काम कौन देखेगा ? इसलिए काफी दिनों से इस विभाग के पास खेल पदाधिकारी नहीं हैं और केवल 3, 4, 5, 6 जिलों तक ही खेल पदाधिकारी हैं, बाकी सभी अधिकारियों के माध्यम से जिनको खेल की ए0बी0सी0डी0 नहीं आती है वे जिला खेल पदाधिकारी के चार्ज में हैं और बिहार में खेल का संचालन कर रहे हैं। महोदय, बिहार में चार निदेशालय हैं सांस्कृतिक निदेशालय, छात्र युवा निदेशालय, पुरातत्व निदेशालय, संगहालय निदेशालय और ये चारों निदेशालय का काम बहुत ही व्यापक है, लेकिन जब आप इसकी पूरी समीक्षा करेंगे तो पता चलेगा कि ये भी निदेशालय कागजों में और फाइलों में सिमटे हुए हैं। यह बड़े चिंता का विषय है।

जब हमलोग बिहार में एन0डी0ए0 की सरकार में थे तो एन0डी0ए0 की सरकार में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की थी कि बिहार में हमलोगों ने अंतर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन कराया था। 20 वर्षों से जो प्रेमचन्द रंगशाला बंद पड़ा था उसको कोई देखनेवाला नहीं था उस प्रेमचन्द रंगशाला को चालू कराने का काम सुसज्जित करके चालू कराने का काम हमलोगों ने किया था और वह पूरा इस्टर्न इंडिया का सबसे बड़ा एक सेंटर के रूप में आज हमलोगों के सामने है। उस समय शताब्दी रामायण महोत्सव का भी आयोजन कराया। उस समय माननीय मुख्यमंत्री जी 2008 में मॉरीशस गये थे। बिहार और मॉरीशस के संबंध प्रगाढ़ हुए। उस समय के बिहार और मॉरीशस के बीच में जिस प्रकार के सांस्कृतिक संवाद का आदान प्रदान हुआ यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि रही। उसके बाद आज जो परिस्थितियां हैं, आज की परिस्थितियां भिन्न है। मैं चाहूंगा कि सरकार इस कार्य को आगे बढ़ाये और बाकी जगह जो हमारी बिहारी कल्चर है, जिसके चलते बिहार जाना जाता है उसको जितना हम आगे बढ़ा सकते हैं, बढ़ाना चाहिए। महोदय, पटना में महत्वपूर्ण पटना आर्ट कॉलेज है। पटना आर्ट कॉलेज ऐसा कॉलेज जहां से कई प्रकार की विभूति पहले निकले हैं और उसके बाद विराम सा लग गया है। पटना आर्ट कॉलेज पर सरकार का जितना ध्यान होना चाहिए उतना नहीं है। मेरा आग्रह होगा कि यह कॉलेज हमलोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण कॉलेज है, इसपर सरकार का ध्यान होना चाहिए। महोदय, दुनिया के देशों में जब जाते हैं हमलोग तो मधुबनी पेंटिंग दिखायी देता है और मधुबनी पेंटिंग यह बिहार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। मधुबनी पेंटिंग का कोई जवाब नहीं है। सरकार ने कहा था कि मधुबनी पेंटिंग इन्सटीच्यूट का स्थापना किया जायेगा। मैं नहीं जानता कि सरकार ने इस दिशा में कितनी प्रगति की है। यह बहुत जरूरी है कि हमारे बिहार का जो ब्रांड है जिस ब्रांड के चलते हमारे बिहार की पहचान है उस पहचान पर सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए और उसमें कहीं कोई विलंब नहीं करना चाहिए।

महोदय, केन्द्र सरकार की बहुत महत्वाकांक्षी योजना है पायका योजना– केन्द्र सरकार ने देश के तमाम पंचायतों में खेल की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए नौजवानों में रक्त का संचार करने के लिए, नौजवानों में राष्ट्रभक्ति बढ़ाने के लिए और उनको जीतने की दिशा में प्रयत्नशील करने के लिए, उनको संकल्पित करने के लिए केन्द्र सरकार ने पायका योजना लागू किया, राज्य के 38 जिलों में, 534 प्रखंडों में और 8000 से ज्यादा ग्राम पंचायतों में इस योजना को धरती पर उतारना

था, लेकिन मैंने पूर्व में कहा कि खेल विभाग के पास आधारभूत संरचना नहीं है और इसके कारण बिहार में पायका योजना पूरी तरह से फेल हो गयी, पैसा रखा का रखा रह गया और यह योजना बिहार में पूरी तरह फेल हो गयी और इसका कोई लाभ हमारे बिहार के नौजवानों को नहीं मिला और इसका सबसे बड़ा कारण है हमारे विभाग के पास तंत्र का अभाव है। मैं चाहूंगा सरकार इसको गंभीरता से ले और केन्द्र से जो पैसे आते हैं पायका के लिए उस पूरे पैसे का इस्तेमाल हो और इसको इस रूप में हम लागू करें जिससे हमारे बिहार का जो बिहारीपन है, जो बिहार का हमारा जो भारतीय चेहरा है वह सामने आये। महोदय, मोईनुल हक स्टेडियम- जहां कभी वर्ल्ड कप के मैच हुआ करते थे। मोइनुल हक स्टेडियम जो हमारे बिहार की एक अलग पहचान थी क्रिकेट के मामले में और उस मोइनुल हक स्टेडियम का क्या हाल है। बहुत दिनों से चूहे उसमें घर बनाकर रहते हैं, बरसात में दिनों में पानी लग जाता है। वहां के पिच की स्थिति खराब है, उसमें जितने स्टाफ थे पहले सब लगभग रिटायर कर गये और वहां महोदय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का मैच छोड़ दीजिए डोमेस्टिक मैच कराना भी मुश्किल है, यह मोइनुल हक स्टेडियम की स्थिति है। महोदय, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण- जो कभी बिहार राज्य खेल प्राधिकरण का अस्तित्व हुआ करता था। अब तो सरकार ने उसको भी विखंडित करके और बिहार राज्य खेल परिषद् के गठन की बात की थी। न आज तक बिहार राज्य खेल प्राधिकरण बना और न बिहार राज्य खेल परिषद् बना और यही एक सबसे बड़ा कारण है कि जो एक यूनिट है खेल विभाग का वही आज तक अगर नहीं पुनर्गठित हुआ तो बिहार में खेलों का आयोजन कौन करेगा और उसको कौन आगे बढ़ायेगा ? महोदय, बिहार में कबड्डी, फुटबौल, खोखो, वालीबॉल, एथलेटिक्स जैसे परंपरागत खेल लुप्त हो रहे हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है कि इसको कराने के लिए जो आवश्यक संसाधन होने चाहिए, जो हमारे पास स्थान होने चाहिए और साथ ही साथ एक वातावरण होना चाहिए उस वातावरण का घोर अभाव है। बिहार में पहले खेलों का जब आयोजन होता था तो सभी समाज के लोग सभी सोच के लोग एक साथ बैठते थे, बैठकर खेल का आयोजन करते थे, समाज के लोग मदद करते थे और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का काम होता था, लेकिन समाज में जो विषाक्त वातावरण, समाज में जो आज बिहार की परिस्थिति है, जो लॉ एंड आर्डर की परिस्थिति है, जो विधि व्यवस्था गड़बड़ायी हुई है इसके चलते कोई हिम्मत नहीं करता है कि बड़ा बड़ा कोई आयोजन करायें, वहां ज्यादा

भीड़ इकट्ठा हो उसको कौन संभालेगा यह भी एक कारण है और सबसे बड़ा कारण है कि हमारे पास ग्राउंड नहीं है, हमारे पास उस प्रकार की इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है और सरकार को इस ओर बहुत ध्यान देने की जरूरत है। महोदय, क्रिकेट की मैं चर्चा कर रहा था, जब से बिहार झारखण्ड अलग हुआ, महोदय, 16 वर्ष हो गये बिहार से एक भी खिलाड़ी अपने बैनर तले रणजी टॉफी नहीं खेला है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि जो बिहार के रहनुमा थे, जिनके नेतृत्व में बिहार समाजिक न्याय को लेकर के आगे बढ़ रहा था वही उसके अध्यक्ष बन गये और जब अध्यक्ष बने तो हमलोगों को लगा कि इतने मजबूत नेता जब इसके अध्यक्ष बन गये तो इस खेल को कौन रोकनेवाला है, लेकिन 16 वर्षों से इस खेल के पहिये के नीचे एक ऐसा ठहराव आ गया कि बिहार के हमारे क्रिकेट खिलाड़ियों का भविष्य ही चौपट हो गया। साथ ही साथ माननीय मंत्रीजी को मैं कहूंगा कि माननीय मंत्री जी जब अपना भाषण देंगे तो इसका भी उल्लेख जरूर करना चाहेंगे। महोदय, 2008 में बी0सी0सी0आइ0 ने बिहार को एशोशियेट मान्यता दिया और एशोशियेट मान्तया का मतलब यह हुआ कि जिस संस्था को मिला और 5 साल अगर वह संस्था अच्छा काम किया रहता तो पूर्ण मान्यता मिलता और 2014 में बिहार को पूर्ण मान्यता मिलता और बिहार रणजी ट्रॉफी खेलता, जो भी हमारा खिलाड़ी खेलता तो उसको फस्ट क्लास नौकरी मिलती और हो सकता है हम बिहार की इस धरती से सचिन तेन्दुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी पैदा करके दिखाते, लेकिन नहीं हुआ। 8 साल तक हमलोग कोर्ट में खेलते रहे, गाउंड पर हमलोगों ने कभी खेलने का काम नहीं किया और हद तो तब हो गयी जब 50 लाख रूपये की राशि बी0सी0सी0आइ0 ने बिहार में क्रिकेट कराने के लिए दिया और उसकी भी लूट हो गयी। जिसकी जॉच बिहार सरकार की निगरानी विभाग भी कर रही है और उसमें यह केस दर्ज है। उस समय के तत्कालीन सचिव और अभी वर्तमान के तत्कालीन सचिव दोनों पर निगरानी में वाद दायर है और उसकी जॉच हो रही है। यह कौन सा खेल है, क्या इस खेल से बिहार का भला होगा ? यह विषय इसलिए मैं सदन में रख रहा हूं कि यह बिहार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और दूसरा विषय मैं रखना चाहूंगा बहुत सारी संस्थाएं होती हैं, जो संस्थाएं राज्य के प्रति समर्पित होती है, जो संस्थाएं राज्य के दुखी लोगों के लिए आगे आती हैं। 2008 की कोशी की व्रासदी हम सबों के ध्यान में होगा- जब बिहार में 2008 में कोशी की व्रासदी आयी तो उस समय सभी संस्थाओं ने अपने अपने हिसाब से

मदद किया और हमलोगों ने भी उस समय व्यक्तिगत रूप से मैं उसका आयोजक था- हमलोगों ने बिहार में टी-20 का आयोजन कराकर बिहार में बड़े बड़े खिलाड़ियों को बुलाकर के 20 लाख रूपये की राशि मुख्यमंत्री के आपदा राहत कोष में देने का काम किया है वह भी वहां रेकार्ड पर दर्ज है इसको देखने की जरूरत है। मैं इसलिए कह रहा हूँ कि एक तरफ हमलोगों ने 20 लाख रूपये की राशि माननीय मुख्यमंत्री जी के आपदा कोष में दिया उन कोशी के पीड़ित भाइयों के लिए और दूसरी तरफ जो 50 लाख रूपये की राशि आई बी0सी0सी0आइ0 के तरफ से बिहार के क्रिकेटरों के लिए उसका गबन हो गया और उसपर निगरानी से जॉच चल रहा है, बिहार सरकार को इसपर भी ध्यान देना होगा। महोदय, आजकल फिल्म सिटी की बड़ी चर्चा हो रही है।

अध्यक्ष : अब आप 1 मिनट में समाप्त करें।

श्री मिथिलेश तिवारी : महोदय, बहुत दिनों से चर्चा है कि बिहार में फिल्म सिटी बनेगी, अगर यह चर्चा होती है तो अच्छा लगता है सुनकर। बिहार में तो इतने बड़े बड़े भोजपुरी के कलाकार हैं, बिहार में भोजपुरी को सुनने वाले भी बहुत हैं और सुनाने वाले भी बहुत हैं, लेकिन भोजपुरी फिल्में बाहर बनती है। भोजपुरी के कलाकार बाहर शूटिंग करते हैं, हमारे यहां के जो नौजवान हैं उनको रोजगार नहीं मिलता है। महोदय, आवश्यक है आवश्यकता इस बात की है कि जितना जल्दी हो बयानबाजी पर नहीं इसको धरती पर उतारने की जरूरत है। महोदय, जो दुर्लभ पांडुलिपियां हैं, जो राज्य में दुर्लभ पांडुलिपियां हैं उसके संरक्षण के लिए सरकार को नीति बनानी चाहिए और नीति बनाकर उसको संरक्षित करना चाहिए। महोदय, अब मैं अपने जिले की दो तीन बातों की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराउंगा। महोदय, हमारा जो कला संस्कृति विभाग है उसमें हमलोगों के पास दुर्लभ-दुर्लभ मूर्तियां हैं जिसको सरकार खोजती है संग्रहालय में रखती है वैसी ही दुर्लभ मूर्ति हमारे विधान सभा क्षेत्र में- मैंने उसकी चर्चा विधान सभा में की थी, क्वेशचन के माध्यम से पूछा था और सरकार का गलत उत्तर आया । मैं आपका संरक्षण चाहूंगा, उसके लिए मैं आपसे अलग से मिलूंगा तथ्य के साथ, अगर सरकार इसी प्रकार इन सब चीजों का गलत उत्तर देगी तो हमलोग कहां उस प्रश्न को लेकर जायेंगे। 2011 में 1000 करोड़ रूपये की भगवान विष्णु की मूर्ति चोरी होती है और बिना बरामदगी के 8 महीने के अंदर उस केस को बंद कर दिया जाता है। मुख्य अभियुक्त को बचाने के लिए पूरा प्रयास होता है और वही जवाब सदन में लाकर दे दिया जाता है तो फिर प्रश्न

पूछने का मतलब क्या हुआ ? महोदय, हमारे जिले में 3-3 स्टेडियम हमलोगों ने स्वीकृत कराया था गोपालगंज में- तीनों अर्धनिर्मित है- मैंने एक स्टेडियम दीन दयाल जी के नाम पर जिसका 2008 में शिलान्यास मुरली मनोहर जोशी जी ने किया था, जनार्दन सिंग्रीवाल जाकर किये थे और उसके बारे में मैंने प्रश्न किया तो माननीय मंत्री जी ने कहा कि मेरे विभाग में इसकी जानकारी नहीं है। आखिर हम किससे जानकारी मांगेंगे महोदय ? उसमें 58 लाख रूपये की राशि खर्च हो गयी वह स्टेडियम पिछले 6-7 सालों से ऐसे ही पड़ा हुआ है, उसको कोई देखने वाला नहीं है। मैं माननीय मंत्री से कहूंगा, आप उस जिले के प्रभारी मंत्री हैं एक बार चलकर उसका स्थल निरीक्षण कीजिए और उस जिले के हेडक्वाटर का स्टेडियम है, उसको बनवा दीजिए कम से कम वहां के लोग तो उसमें खेलें। महोदय, हमारे विधान.....

अध्यक्ष : अब आप समाप्त कीजिए।

श्री मिथिलेश तिवारी : बस 1 मिनट महोदय। हमारे विधान सभा में 2 प्रखंड है सिधवलिया, बैकुण्ठपुर- मैं कितने सालों से इंतजार कर रहा हूँ कि हमारे यहां भी स्टेडियम बन जाय, प्रखंडों में बन रहा है। हमारे यहां स्टेडियम बनने की तो कोई बात ही अभी तक समझ में नहीं आयी है, पता नहीं वह लिस्ट में है कि नहीं, अगर नहीं है तो मंत्री जी से कहूंगा कि उसको भी लिस्ट में लेकर उसको बनवा दें। नागेश्वर नाथ महादेव - हमारे यहां एक बहुत बड़ा मंदिर है और हर दशहरा के दिन नाग बाबा बाहर आकर बैठते हैं, लोग उनका दर्शन करने जाते हैं, मध्ययुगीन काल का मंदिर है, जीर्णशीर्ण अवस्था में है और उसको 5-6 साल पहले पुरातत्व विभाग की टीम जाकर उसका रिपोर्ट विभाग को दिया है उसके रिपोर्ट की कॉपी मेरे पास है। जब उसका मैं प्रश्न पूछता हूँ तो माननीय मंत्री जी के तरफ से, सरकार के तरफ से जवाब आता है कि हम अपने विशेषज्ञों को भेजेंगे, जॉच करायेंगे, आखिर विशेषज्ञ कितनी बार एक जगह जायेंगे.....क्रमशः।

टर्न-12/अशोक/21.0.3.2016

श्री मिथलेश तिवारी : क्रमशः अगर विशेषज्ञ ने रिपोर्ट दी है तो उसका संरक्षण होना चाहिए, दूसरी बात मैं कहकर खत्म करूंगा, मैंने शून्य काल में भी मामला उठाया था, मामला बड़ा गर्माता जा रहा हे, गोपालगंज में 15 और 16 तारीख अप्रैल को थावे महोत्सव का आयोजन होने वाला है, थावे माता से वहां के बहुत से लोगों की भावना जुड़ी

हुई है, लेकिन वहां जो जिला प्रशासन है वह रॉक बैन्ड पार्टी का वहां आयोजन करा रहा है इससे लोग आक्रोशित है, हम सभी जन प्रतिनिधियों लोगों ने यह तय किया है यदि रॉक बैन्ड पाटी का अयोजन वहां हुआ तो उस महोत्सव का वायकॉट करेंगे । पाश्चात्य संस्कृति के लिए वहां कोई स्थान नहीं, वहां हमारे भोजपुरी कलाकार हैं, हिन्दी के कलाकार है जो हमारे सम्यता, संस्कृति से जुड़ा हुआ चीज है, उसका प्रदर्शन वहां होना चाहिए, वहां पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए । महोदय, हमारे यहां बैकुण्ठपुर में एक जगह है,

अध्यक्ष : अब आप का समय समाप्त हुआ । माननीय सदस्य श्री भोला यादव ।

श्री भोला यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार के द्वारा प्रस्तुत कला-संस्कृति एवं युवा विभाग, खनन एवं भूतत्व विभा एवं पंचायती राज विभाग के मांग के समर्थन में और विपक्ष के द्वारा लाये गये कटौती प्रसतव के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूॅ । मैं आपका आभार व्यक्त करता हूॅ कि आपने मुझे बहुमूल्य समय दिया और में सरकार की तरफ से मैं अपना पक्ष रख रहा हूॅ । माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में जो सरकार बनी है वह नई ऊंचाई गढ़ रही है । मैं यह बतलाना चाहता हूॅ कि हमारा बिहार का जो विरासत है, बहुत ही सुदृढ़ है और विरासत को सुरक्षित, संरक्षित और विकसित करने की जरूरत है और उस दिशा में हमारे मुख्यमंत्री जी बहुत तेजी से काम कर रहे हैं । मैं एक बात बतलाना चाहता हूॅ कि हमारे एक साथी, विपक्ष के साथी श्री मिथलेश जी कह रहे थे कि पांच सौ करोड़ का दुरूपयोंग हो रहा है, मिथलेश जी को आपके माध्यम से बतलाना चाहता हूॅ कि हमारा विरासत, हमारी संस्कृति बिहार का जो हैं वह पूरे विश्व में डंका बजाये हुये हैं, इसको संरक्षित करने की जरूरत है । जब तक हम अच्छा म्यूजियम स्थापित नहीं करेंगे और उसमें अपने इतिहास के धरोहर को संरक्षित नहीं करेंगे तो आने वाला जो मेरा पीढ़ी है वह कहीं न कहीं हमें दोषी पायेगा, ये लोग कहेंगे कि हमारे पूर्वजों ने हमारे विरासत को संरक्षित नहीं रखा, इस दिशा में माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो कदम उठाया है, अति सराहनीय है, जितनी भी प्रशंसा की जाय वह कम है । मैं तो कहूंगा कि उन्होंने इस दिशा में बहुत ही ऊंचा सोच का काम किया है । विश्व स्तर पर बिहार के संग्रहालय के, बिहार का जो संग्रहालय बना है, उसको स्थापित करने का काम किये हैं और बिहार के इतिहास को संरक्षित करने का काम किये हैं। एक बात और वे कह रहे थें कि अधूरे का ही उद्घाटन कर दिये, भईया एक

खंड तैयार हो गया था,जिसका उद्घाटन हुआ है और अन्य खंड भी अंतिम चरण में है । वह भी आपलोगों के लिए जल्द ही खोल दिया जायेगा । इसलिए इस बात के लिए माननीय मिथलेश जी से आग्रह करेंगे कि वे माननीय मुख्यमंत्री जी का साधुवाद दें ।

मैं इससे आगे बतलाना चाहता हूँ कि कला के क्षेत्र में हमारा राज्य जो है, वह विकसित है । मैं हाल ही में जो दलित समाज के लोग हैं , उन लोगों को जो पुरानी लोक-गाथा जो है, उस पर आधारित बिनाभद्री, राजासलेख, बहुरागोरी जो लोक गाथा पर आधारित है, महादलित जाति के लोगों का, उसका हमलोगों ने सफल मंचन किया है और उस दिशा में माननीय मुख्यमंत्री ने बहुत ही सराहनीय काम किया है । हमारी जो पुरानी संस्कृति थी, जो धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही थी, उनको संरक्षित करने का काम किये हैं और उस दिशा में पुस्तक भी छपवाने का काम किये हैं, जोकि बहुत ही सराहनीय कदम है । मैं बतलाना चाहता हूँ कि जो छात्र एवं युवा निदेशालय है उसके तहत मुख्यमंत्री खेल विकास योजना की शुरूआत माननीय मुख्यमंत्री ने की है । उस दिशा में प्रखण्ड, जिला और प्रमंडल स्तर पर स्टेडियम बनाने का काम चल रहा है । राज्य में खेल को प्रोत्साहित किया जा सके हमारे पास अच्छे खिलाड़ी बन सकें जिसको आगे देश के लेभल पर जो कम्पीटिशन होता है, जो खेल होता है उसमें शामिल करवा सकें ।

(इस अवसर पर माननीय सभापति,श्री मो. इलियास हुसैन ने आसन ग्रहण किया)

संग्रहालय निदेशालय का भी निर्माण हुआ है, उस दिशा में भी जितने भी संग्रहालय हैं, उन सब संग्रहालय को नये तरीके से संरक्षित करने का काम किया जा रहा है । पूर्व की विरासत को संरक्षित करने की दिशा में काम चल रहा है । हम एक बात बताना चाहते हैं कि हमारे पुराने खिलाड़ी ध्यान चंद जी थे, उनकी स्मृति में खेल सम्मान पुरस्कार का आयोजन किया गया है, जो भी अच्छे खिलाड़ी हैं, अच्छे उसके कोच हैं, उनको सम्मानित करने के लिए खेल सम्मान दिया जा रहा है। इसलिए हरएक दिशा में माननीय मुख्यमंत्री जी ने काम किया है ।

मैं कुछ प्रकाश डालूंगा पंचायती राज पर भी । पंचायती राज व्यवस्था, हमारा संविधान बनने के बाद लागू हुआ है । हमारे गांव में पंचायती राज व्यवस्था पूर्व से ही लागू है, पुरातन काल से लागू है । उस स्वरूप को ही नया रूप दिया गया है, पहले हमारे गांव के लोग गांव का शासन चलाया करते थे, एक प्रधान हुआ करते थे, वे बैठकर गांव के समस्याओं का निराकरण करवाते थे । गांव के विकास के

बारे में सोचते थे । बाद में चलकर संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण करना शुरू किया, तो उस समय पंचायती राज सिस्टम की तरफ इन लोगों का ध्यान गया कि गांव के सुदृढ़ीकरण के लिए पंचायती राज सिस्टम लाया जाय और पंचायती राज सिस्टम को लाया गया । भारत के संविधान के निर्माण के समय नीति निदेशक तत्व के चालीसवें अनुच्छेद में पंचायती राज सिस्टम को लाया गया और उस सिस्टम के तहत सन् 1943 में बिहार पंचायती राज अधिनियम लागू हुआ तब से पंचायती राज व्यवस्था के तहत पंचायतों का चुनाव होना शुरू हुआ है और त्रिस्तरीय जो हमारी व्यवस्था है वह उस समय से शुरू हो गया है ।

महोदय, मैं यह बतलाना चाहता हूँ कि 1961 में, 1962 में, 1967 में पंचायत के बहुत सारे रूल्स रेगुलेशन बने और पंचायत का विस्तारीकरण हुआ और पंचायत में जितने भी सुख-सुविधाओं का शुरूआत हुआ, उसी समय से हुआ । अंतिम बार 1973 में संविधान का संशोधन हुआ और उस संशोधन में पंचायती राज सिस्टम को संविधान के मूल अनुच्छेद में शामिल किया गया और मूल तत्व में शामिल किया गया, जिसके बाद से पंचायती राज सिस्टम में 29 सबजेक्ट को डाला गया, 29 सबजेक्ट को उसमें समाहित किया गया और उसी का नतीजा है कि पंचायत में केन्द्र से, राज्य से, दोनों तरफ से पैसा भेजा जाता है और पंचायत अपना शासन चला रहा है । पंचायत में भी दो तरह का शासन है- एक विकास और दूसरा न्याय । एक विकास और दूसरा न्याय । विकास के काम को मुखिया जी देखते हैं और न्याय का काम को सरपंच जी देखते हैं । इस तरह गांव का शासन गांव से चले, मजबूत बने, गांव मजबूत बने, ग्रामीण मजबूत बनें, पंचायती राज सिस्टम मजबूत बने, पंचायत की व्यवस्था सुदृढ़ हो, इस दिशा में काम चल रहा है मुख्यमंत्री जी के दिशा-निर्देश में । बहुत तेजी से पंचायत का विकास हो रहा है ।

मैं बतलाना चाहता हूँ कि महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा का कार्यक्रम शुरू किया गया, उस मनरेगाा कार्यक्रम के साथ -साथ इन्दिरा आवास की योजना गरीबों के लिए चालू की गई, बहुत ही तेजी से यू.पी.ए. वन का जो गर्वनमेंट था, उस समय बहुत ही तेजी से काम हुआ । ...क्रमशः

टर्न-13-21-03-2016-ज्योति

क्रमशः

श्री भोला यादव : यू0पी0ए0 फर्स्ट गवर्नमेंट थी उस समय बहुत तेजी से काम हुआ और बहुत से इन्दिरा आवास का निर्माण हुआ । यू0पी0ए0-2 में भी बहुत सा इन्दिरा आवास का निर्माण हुआ, मनरेगा कार्यक्रम चला लेकिन आये दिन अभी जो केन्द्र की सरकार है, केन्द्र के जो मुखिया जी हैं वह पैसे की कटौती कर रहे हैं । पहले 90 परसेंट केन्द्र द्वारा दिया जाता था लेकिन बाद में उसको घटाकर अब 60 परसेंट कर दिया है । 40 परसेंट राज्य को लगाना पड़ेगा, उस समय में 10 परसेंट राज्य को लगाना पड़ता था । अब 40 परसेंट राज्य को लगाना पड़ रहा है । बिहार जैसे कम आय वाले राज्य के लिए बहुत ही कठिनाई का समय गुजर रहा है । केन्द्र के पैसे का कैसे उपयोग किया जाय , कहाँ से उतना संसाधन उपलब्ध कराया जाय जिसके द्वारा केन्द्र के पैसे का उपयोग हो । महोदय, मैं यह बताना चाहता हूँ कि इनके जो मुखिया जी है, जो केन्द्र में बैठे हुए है, उन्होंने किसी को नहीं छोड़ा । देश की जनता को चुनाव के पहले कहे कि जो 15-20 लाख रुपया हरेक के खाता में डाल देंगे । लेकिन आया कुछ भी नहीं। 120 करोड़ जनता को ठगने का काम किये । महोदय, यह एक बहुत बड़ा धोखा है । महोदय, दूसरा धोखा युवाओं को दिये जो हरेक वर्ष दो करोड़ युवाओं को रोजगार देंगें, युवाओं को भी ठगे बुरी तरह से और कोई रोजगार नहीं दिये । महोदय, किसी भी तरह का लोगों को रोजगार नहीं मिला । महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि बिहार में विधान सभा चुनाव के दरम्यान में आए और बहुत ही मासूमियत से कह गए कि बिहार को 125 लाख करोड़ का पैकेज देंगें । शायद, लगता है कि वह पैकेज, वह भी जुमला के रुप में भूल गए और वह भी एक धाोखा हुआ । महोदय, चौथा बहुत बड़ा धोखा- गंगा मईया के साथ हुआ । गंगा मईया को कहा कि हम सफाई करेंगें । सफाई के नाम पर गंगा मईया को छलने का काम किये । गंगा मईया मैली हो गयी है, कहीं पर भी गंगा मईया की सफाई नहीं हुई । महोदय, इन्होंने कहा मंदिर वहीं बनायेंग । कौन बनाने से आपको रोक रहा है, बनाईये । भगवान रामचन्द्र जी, को भी नहीं बख्सियेगा तो आपको कोई नहीं बख्सेगा । महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि ये मंदिर के नाम पर जब जब समाज में समरसता आती है, भेदभाव फैलाने का काम करते हैं और पूरे देश को बांटने की कोशिश करते हैं । महोदय, यहाँ जब जब चुनाव आता है , चुनाव के पहले इनको भगवान रामचन्द्र जी याद आते हैं और भगवान रामचन्द्र जी को स्मरण करके

फिर कहते हैं कि मंदिर वहीं बनायेंगें । अरे भईया, बनाईये न, आपको रोकने के लिए कौन जा रहा है लेकिन डेट तो बताईये, कहॉ गया आपका डेट ?

(व्यवधान)

सभापति : माननीय सदस्य मिथिलेश तिवारी कृपया शान्ति ।

श्री भोला यादव : माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भाई मिथिलेश जी को बताना चाहता हूॅ कि इसमें आप जो भाषण दे रहे थे उसी में बोल देते कि फलां तारीख को बना रहे है । हम क्यों आपसे यह मांगते ? जी, मैं यह कहना चाहता हूॅ कि भगवान रामचन्द्र जी को भी नहीं बख्श रहे हैं तो इसतरह से पूरे देश की जनता को धोखा दिये, युवाओं को धोखा दिये और बिहार के लोगों को पैकेज के नाम पर धोखा दिये और उसके बाद गंगा मईया को धोखा दिये । अब भगवान रामचन्द्र जी को भी धोखा दे रहे हैं और अब किन किन को धोखा देंगे, कबतक धोखा देते रहेंगें पता नहीं। भइया सुधरिये और धोखा का काम बंद कीजिये , धोखा बहुत दिन नहीं चलता । हाल ही में 12 मार्च को माननीय प्रधानमंत्री जी आए थे और उन्होंने कहा था कि जो हम यहं पुल बनायेंगें, यह पुलिया बनायेंगे , हम वह रोड बनायेंगें , हम वह सड़क बनायेंगे लेकिन पता नहीं पता नहीं जो घोषणा करके गए हैं उसमें कहॉ तक सच्चाई है और कहॉ तक कर पायेंगें चूॅकि सब दिन तो लोगों को ठगते ही रहे हैं । भाई मिथिलेश जी, सभापति महोदय, इन्होंने एक बात और उठायी कि संग्रहालय अधूरा था और माननीय मुख्यमंत्री जी ने उद्घाटन कर दिया । जबकि मैं आपको बताना चाहता हूॅ कि एक खण्ड का उद्घाटन हुआ था, वह खण्ड आज भी चालू है । लेकिन एलीवेटेड कौरीडोर जो हमारा दीघा से फुलवारी तक, जो गया है वह तो पुल अभी बना भी नहीं है और आप तो फीता काटकर चले गए, वह पुल बना भी नहीं है , पुल मुंह बाये खड़ा है लेकिन आप उसका उद्घाटन करके चले गए और फीता काट कर चले गए । महोदय, राघोपुर के छौकियागांव में उस पुल का भी फीता काटकर चले गए, सीलापट लगा कर चले गए । महोदय, मैं बताना चाहता हूॅ कि असत्य की खेती लम्बी नहीं चलती ।

(व्यवधान)

कहीं कोई गलत उत्तर नहीं दे रहे हैं , बोर्ड लगा हुआ है ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्य गलत हैं कि सही हम न तय करेंगें कि आप तय कीजियेगा ?

श्री भोला यादव : महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूॅ अपने दोस्तों से, माननीय नेता प्रतिपक्ष भाई प्रेम कुमार जी को कि अपने माननीय नेता से कहिये बिहार

भी आप ही का राज्य है, यह भारत का एक पार्ट है इसके साथ सौतेला व्यवहार नहीं करें इसे भी अपने में समाहित करें और इसे भी विकास के लिए पूरा सहयोग दें । हमारे माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, और माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में और भाई प्रेम कुमार जी के सहयोग से बिहार का अच्छे से विकास होगा और आप सहयोग कीजिये । आपये यही अपेक्षा है, अप सहयोग कीजिये। चूँकि पिछले दिन मेरे समय में गड़बड़ हुआ था आसन और हम में कहीं न कहीं समय में यह अंतर हुआ और आज मैं ससमय अपने क्षेत्र से जुड़े हुए कुछ मांग को रख देना चाहता हुँ । माननीय हमारे मंत्री भाई शिवचंद्र राम जी मौजूद हैं, हमारे खान मंत्री , भाई मुनेश्वर चौधरी जी मौजूद हैं, और पंचाती राज मंत्री महोदय भी मौजूद है, मैं कहना चाहता हूँ कि हमारा क्षेत्र बहादुरपुर विधान सभा क्षेत्र में, हनुमाननगर प्रखंड के नियमछटौना पंचायत है, जिसमें 5 एकड़ का भू-भाग है, सरकारी जमीन है, उसमें एक स्टेडियम की आवश्यकता है । स्टेडेयिम के लिए जगह देखवा लीजिये और दूसरा बहादुरपुर प्रखण्ड में कोपट में 7 एकड़ का बड़ा भू-भाग है उसमें भी एक स्टेडियम का प्रावधान कर दीजिये । आपसे मेरा आग्रह है । एक बात और बताना चहाता हूँ कि टीकापट्टी- देवकुली पंचायत है हमारें बहादुर प्रखण्ड में, वहाँ एक पीपल का पेड़ है, वह बहुत ही दर्शनीय स्थल है, वहाँ जाईयेगा ता देखेंगे नीचे जमीन से महादेव अपने आप निकल रहे हैं और एक नहीं कई शिव लिंग निकले हुए हैं । मैं चाहूँगा सभापति महोदय, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगें कि उस स्थल का निरीक्षण करें और उसे पुरातत्व विभाग के लोगों से दिखवा लें और उसके प्रौपर सौन्दर्यीकरण करने की दिशा में काम करें । चूँकि वहा छोटे बड़े मिलाकरं, हमने अपने गिना -21 महादेव अपने आप बहुत जगहों पर नीचे से निकले हैं। इसलिए आग्रह है कि उस दिशा में काम करें । हमार मित्र यदुवंश बाबू का है - सुपौल जिला में उच्च विद्यालय, किशनपुर में एक स्टेडियम का निर्माण आवश्यक है, इसको भी अंगीकार करने की कृपा करेंगे । बहुत बहुत धन्यवाद । महोदय, आपने बोलने का मुझे अवसर दिया, मैं अपने नेता माननीय नीतीश कुमार जी, माननीय नेता तेजस्वी प्रसाद यादव जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ । साथ ही साथ आसन के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने अवसर दिया । बहुत बहुत धन्यवाद । जयहिंद ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : धन्यवाद । जनता दल यूनाईटेड, श्रीमती कविता कुमारी, 10 मिनट ।

टर्न14/विजय/ 21.03.16

श्रीमती कविता कुमारी:माननीय सभापति महोदय, मैं कला संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा प्रस्तुत मांग के पक्ष में और कटौती प्रस्ताव के विपक्ष में बोलने के लिए खड़ी हुई हूं ।

महोदय, कला संस्कृति और युवा विभाग के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है । इसके लिए अनेकानेक कदम उठाये जा रहे हैं । महोदय, युवा युवतियों के अंदर राष्ट्रवाद और समाजवाद की सेवा भावना पैदा करने के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं । महोदय, युवाओं में राष्ट्रीय एकता, रक्तदान, वृक्षारोपण, साक्षरता, स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि की जागरूकता पैदा करने के लिए हमारी सरकार द्वारा स्वयंसेवकों को नियुक्त किया गया है ताकि वे सभी को शिविर के माध्यम से प्रशिक्षित कर सकें । महोदय, कला का अंतिम और सर्वोच्च लक्ष्य सौन्दर्य है। कला कला के लिए होती है । सौन्दर्य का मतलब कला की निपुणता कलात्मक होती है । महोदय जहां तक यह जाती है वहां तक सूर्य की रौशनी भी नहीं पहुंच पाती है । महोदय, कला का सौन्दर्य भला किसको नहीं मोहित कर लेता है । सभापति महोदय, कला सब रूपों में समाहित है । चाहे वह गायन कला हो, नृत्य कला हो, संगीत कला हो, शिल्प कला हो, वास्तुकला हो, काव्य कला हो या संगीत कला हो, खेल कला हो या भाषण कला हो ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन): कृपया शांति बनाये रखें, महिला सदस्य बोल रही हैं आपको रेसपेक्ट करना चाहिए ।

श्रीमती कविता कुमारी:जी बहुत बहुत धन्यवाद कि आपलोगों ने थोड़ा शोरगुल को शांत रखिये और मेरी बातों को उस दिन नहीं सुन पाये थे आज कम से कम सुनिये ।

महोदय, सभी कलाओं का कोई अंतिम छोर नहीं होता है । महोदय मैं कुछ कहना चाहती हूं । मेरे शिक्षक इतिहास पढ़ाते समय जब मैं 7वीं कक्षा में थी तो चेतन राम जी, जो शिक्षक थे उन्होंने अपने स्वर शब्दों में जो वर्णन किया था, भारत की कल्पना की थी, उसको मैं अपने शब्दों में कहना चाहती हूं –

सुन्दर सुभूमि भइया, भारत के देसवा, कि मोरो प्राण बसे हीमा तोहरे बटोहिया,
कि मोरो प्राण बसे हीमा तोहरे बटोहिया,
जाऊ जाऊ भइया रे बटोही हिंद देखी आव, जहंवा कुहुकि कोयली बोले रे बटोहिया।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : कृपया शांति ।

श्रीमती कविता कुमारी : महोदय, बिहार में अनेक रीति रिवाजों का चलन है । हमारे पूर्वजों द्वारा किया गया है जो बीच में रूक गया था । महोदय, उन रीति रिवाजों को हमारी कला संस्कृति आगे बढ़ा रही है । जैसे मुंगेर के चकचंदा, जहानाबाद के अल्लाह गायन, धंडीहा मधुबनी के भगैत गायन, वैशाली का भद्रिका गायन, सारण के गौरांव गायन, और लालपुर दरभंगा के रामनंदी गायन आदि संगीत स्वरूपों के प्रोत्साहन और संस्था द्वारा सरकार द्वारा कदम उठाये जा रहे हैं । महोदय हमारे यहां लोक नृत्य की भी प्रथा है । चाहे वह बख्तियारपुर का कठघोड़वा नृत्य हो, मधुबनी के पंवड़िया गीत हो, दरभंगा के झिगिया, बेगुसराय का धनकटनी और पूरे बिहार में प्रसिद्ध डोमकच अभी भी सभी विवाहों में नृत्य किया जाता है । बेतिया पश्चिम चंपारण के आदिवासी नृत्य और थारू लोक नृत्य को बढ़ाना हमारे सरकार का काम है महोदय । महोदय, हमारी सरकार दिन रात बिहार की तस्वीर बदलने के लिए आज युवाओं को तकदीर बनाने के लिए प्रयासरत है । महोदय, मुझे श्री जयशंकर प्रसाद जी की रचना का जिक्र करते हुए कहना चाहूंगी माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी बिहार के विकास के लिए जो काम कर रहे हैं और उनको रोकने के लिए कई प्रकार के अड़गे डाले जा रहे हैं । उनके विषय में मैं कहना चाहूंगी–

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती,
अमर्त्य वीर पुत्र हो दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो, प्रशस्त पुण्य पथ है,
बढ़े चलो, बढ़े चलो ।

महोदय, मुख्यमंत्री जी खेल विकास योजना अंतर्गत राज्य के सभी 534 प्रखंडों में आउटडोर स्टेडियम की योजना है आज तक 239 स्टेडियमों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है एवं 80 स्टेडियमों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है । परंतु महोदय, बड़े ही दुखः के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे क्षेत्र में एक भी स्टेडियम का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है । बड़हिया विधान सभा अंतर्गत स्टेडियम का कार्य हो ही रहा था वह भी बंद पड़ा हुआ है । इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करूंगी आपके माध्यम से कि दौरंगा प्रखंड स्थित वहां कुछ जमीन है वहां स्टेडियम बनाने का आपलोग कष्ट करें ताकि वहां के नौजवान युवा जो इधर उधर भटक रहे हैं जिनमें प्रतिभा है उनमें प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन संसाधन मौजूद नहीं रहने के कारण वे अपनी प्रतिभा को नहीं निखार पा रहे हैं । इसलिए आपलोग इसे

अपने संज्ञान में लीजियेगा । महोदय, सरकार द्वारा सात्विक एवं प्रदर्शन कला से संबंधित प्रदर्शन का कार्य किये जा रहे हैं । इसके लिए प्रतिमाह पटना से प्रकाशित किया जा रहा है । महोदय, बिहार की स्वरचित मिथिला चित्रकला, मधुबनी चित्र पेंटिंग, जिला भारती, मंजूषा चित्रकला आदि का इम्पलीमेंटेशन और प्रकाशन कराया जा रहा है । महोदय, आज के युवा युवतियों के लिए कुछ कहना चाहती हूं । जो कठिन परिश्रम करते हैं लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाती है, वे हतोत्साहित हो जाते हैं उनके लिए कहना चाहूंगी–

कड़ी आंच में तप कर ही कुंदन बनता है सोना,
अलंकार में निहित होता है सुंदर सहज सलोना ।

यानि परिश्रम कभी किसी का बेकार नही जाता है । आप परिश्रम कीजियेगा तो जरूर एक दिन सफलता आपकी कदम चूंमेगी । महोदय, कला संस्कृति जो विभाग है कला को एक नया आयाम देने का काम कर रहा है । महोदय, हमारे बिहर की बेटी बिहार के मान सम्मान को बढ़ाने के लिए चाहे वह स्व0 विन्ध्यवासिनी देवी हों, शादरा सिन्हा जी हों और भी अनकों गायक हैं जो संगीत से जुड़े हुए हैं । हमारे बिहार की बेटी सारण जिले के मान सम्मान देवी जी जिनकी गायन देशों और विदेशों में भी सुनी जाती है जो अपनी लोक संस्कृति को बढ़ावा दे रही है अपने पूर्वजों द्वारा गाये हुए गीतों के माध्यम से उनको सरकार बिहार का ब्रांड एम्बेसडर बनाये ताकि वे बिहार का नाम आगे भी रौशन कर सकें । महोदय, हमारे बिहार में युवा अपने आप को कमजोर महसूस करते हैं । हालांकि उनमें प्रतिभा है अगर उनकी प्रतिभा को बिहार सरकार निखारने का प्रयास करेगी तो यह बिहार दिन दुना चार गुणा तरक्की करेगा ।

महोदय, पर्यटन मंत्रालाय जो है और कला संस्कृति विभाग दोनों का संगम हो जाय तो जहां जो महोत्सव आदि कार्यक्रम होते हैं वहां से अपनी बिहार की कलाओं को वहां से प्रदर्शित किया जाय सरकार आर्थिक रूप से मजबूत होगी और बिहार के बारे में जानने के लिए जो आज की युवा पीढ़ी है उनको समझने के लिए वहां पर एक नया दृष्टिकोण प्राप्त होगा । इसी के साथ मैं कहूंगी कि बहुत ही शांतिपूर्वक हमारी बातों को सुनी इसके लिए तहेदिल से मैं धन्यवाद देती हूं और अपनी वाणी को विराम देती हूं । जय हिंद, जय भारत, भारत माता की जय । और इसी के साथ आप सभी को, पूरे बिहार की जनता को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं । ये होली का पर्व आपके भाई चारे और प्रेम को एकता बनाये रखे । इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूं।

श्रीमती भावना झा: आदरणीय सभापति महोदय, आज सदन में मैं पहली बार बोलने को खड़ी हुई हूं । आपने और हमारी कांग्रेंस पार्टी ने जो मुझे बोलने का मौका और समय दिया उसके लिए मैं आप सबका आभार व्यक्त करती हूं एवं पूरे सदन को प्रणाम करती हूं । ओर चाहती हूं कि पहली बार बोलते वक्त अगर मुझे कोई त्रुटि हो जाय तो उसे माफ कर थोड़ी हौसला अफजाई करेंगे । और आसन से अपने लिए समय से कुछ ज्यादा समय की मांग करती हूं ।

आज सदन में मैं पहली बार बोल रही हूं और भाव विह्वल होकर अपने स्व0 पिता प्रो0 युगेश्वर झा जी को याद कर रही हूं ।

क्रमश:

टर्न–15/राजेश/21.3.16

श्रीमती भावना झा, क्रमश:- आज सदन में एक श्रद्धांजलि मैं उन्हें अर्पित करती हूँ, मेरे पिता स्वर्गीय युगेश्वर झा जी जो सदन में कॉग्रेस पार्टी से बेनीपट्टी से चार बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं एवं बिहार सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री भी थे, उन्हें आज ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं निडरता के लिए आज भी याद किया जाता है और आप सबके आर्शीवाद से मैं भी उनकी तरह ही ईमानदारी, कर्तवयनिष्ठा एवं निडरता के साथ राजनीति में एक अलग पहचान बनाना चाहती हूँ और अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन भी करना चाहती हूँ। मेरा सौभाग्य है कि यहाँ बहुत सारे वरीय सदस्य जो उनके साथ काम कर चुके हैं,आज आप सब का पूरा आर्शीवाद मेरे साथ है। महोदय, मैं कला,संस्कृति एवं युवा विभाग की मांग पर सरकार के पक्ष में बोलने को खड़ी हुई हूँ। भारतीय कला एवं संस्कृति विश्व में सर्वोपरि धरोहर के रुप में जानी जाती है। भारतीय संस्कृति एवं कला मूल रुप से कई चीजों से मिलकर बनी है, जिनमें भारत का लंबा इतिहास विलक्षण भौगोलिक बनावट, सिन्धु घाटी की सम्यता एवं वैदिक युग में विकसित वेद,उपनिषद एवं दुनिया में विभिन्न ग्रंथ–पुराण, गीता रामायण, कुरान साथ ही भारतीय संस्कृति एवं कला को प्रभावित करने वाले भारतवर्ष में उत्तम विधि धर्म अर्थात् हिन्दू,मुस्लिम, जैन, बौद्व, सिख, ईसाई एवं पारसी धर्म का बहुत प्रभाव रहा है। संस्कृति एवं कला मानव की समस्त क्रियाओं एवं व्यवहारों का पर्याय है। संस्कृति एवं कला किसी राष्ट्र की स्थायित्व उसकी अन्तरात्मा और विकास की अनंत काल तक प्रभावित होने वाली कोष है। भारत की कला एवं संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति है।

भारत की कला एवं संस्कृति में अन्य देशों में आये बदलाव एवं आधुनिकता में भी अंगीकार किया है,इसके कारण विश्व में इसका नाम बड़ी ही श्रद्धा के साथ लिया जाता है। संस्कृति एवं कला किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में एवं रोजगार सृजन करने में भी सहायक होती है। हमारे वेद पुराण, एतिहासिक ग्रंथ सत्य के साक्षी है कि भारत देश की परम्पराएँ कितनी महान हैं, अन्य संस्कृति एवं सभ्यता अपने आंशिक द्वन्दता में कुछ भी नहीं बचा सकी, जबकि भारतीय संस्कृति सभ्यता एवं कला इन थपेरों को खाकर भी अमर है। हम मुख्य रुप से स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद से ही भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस की कला एवं संस्कृति के प्रति जो श्रद्वा एवं चिंतन था, उसका मूर्त रुप आदरणीय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गॉधाी जी, श्री राजीव गॉधी एवं मनमोहन सिंह जी के कार्यकाल में स्पष्ट रुप से देखते हैं और महोदय सबसे अविश्मर्णिय उदाहरण हमें नेहरु जी द्वारा लिखित पुस्तक डिस्कभरी ऑफ इंडिया में मिलता है। भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस की संस्कृति एवं कला के लिए प्रारंभ से ही एक स्पष्ट नीति रही है,जिसके तहत समय-समय पर विभिन्न तरह की संस्था एवं मंच की गठन एवं उसके पोषण की व्यवस्था भी की गयी है, जिससे की भारतीय संस्कृति एवं कला का समकालीन विकास हो सके एवं अक्षुण बना रहे। उदाहरणस्वरुप माननीय प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरु के कार्यकाल में संस्कृति एवं कला के एक विभाग के रुप में विभिन्न प्रशासकीय कार्यालय एवं संस्था का गठन किया गया, जैसे आर्कोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, नेशनल आकाई सर्वे ऑफ इंडिया उपरोक्त मुख्य कार्यालय के अन्तर्गत सहायक कार्यालय एवं 34 स्वायत संस्था को प्रादुर्भाव में इस क्रम में लाया गया है। ऑर्कोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, नेशनल म्युजियम, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न ऑर्ट ,लाईब्रेरी, दिल्ली पब्लिक लाईब्रेरी, गॉधी समिति एण्ड दर्शन समिति, इंदिरा गॉधी नेशनल सेंटर ऑफ आर्ट, ललित कला एकेडमी, नेहरु युवा केन्द्र, इंडियन म्युजियम, खुदाबक्स ओरिऐंटल पब्लिक लाईब्रेरी, मौलाना अब्दुल कलाम इन्सटिच्यूट, नेशनल कल्चर फंड इत्यादि। हमारे प्रधानमंत्री श्री राजीव गॉधी जी भी भारतीय कला एवं संस्कृति को विश्व के कोने-कोने में फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उनके प्रधानमंत्रित्व काल में भारत कला संस्कृति और युवा के विभिन्न क्षेत्रों मे काम कर रहे कलाकारों को विश्व में पहचान दिलाने के लिए फेस्टिवल ऑफ इंडिया का आयोजन दुनिया के विभिन्न देशों में किया गया,जिससे भारत के कलाकार,लेखक,चित्रकार और भी अन्य कलाकारों और दुनिया में अनेक देशों में भेजकर यहॉ के कला एवं संस्कृति से दूसरे मुल्कों के लोगों को परिचित कराया। महोदय, मुझे खुशी इस बात की है कि

मैं मधुबनी से आती हूँ और इस फेस्टिवल ऑफ इंडिया में विश्वविख्यात मधुबनी पेंटिंग के चित्रकारों को विदेशों में भेजा गया था, जहाँ तक हमारे बिहार राज्य की संस्कृति और कला की बात है, इसे स्वतंत्रता के बाद जो संरक्षण विभिन्न दल या शासन व्यवस्था से प्राप्त होना चाहिए, वह इसे शायद नहीं मिल सका। मैं वर्तमान प्रधानमंत्री का झुकाव भारतीय संस्कृति एवं कला के प्रति उदासीन दिखता है, वर्तमान प्रधानमंत्री ने इसे बढ़ाने का जो वादा किया था लेकिन प्रधानमंत्री जी के खास शासन व्यवस्था का खासकर बिहार राज्य की विकास एवं कला संस्कृति के अनेक संभावना के बाद भी उनका झुकाव नहीं दिखता है, जबकि बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने अपने पूर्व शासन काल से ही बिहार राज्य की संस्कृति एवं कला के प्रति सजग दिखते है,जिसका उदाहरण राजगीर महोत्सव और बिहार दिवस पर जो कार्यक्रम अपने बिहार की कला एवं संस्कृति को लोगों के सामने प्रदर्शित करना दिखाई पड़ता है.....

(व्यवधान)

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा नवनिर्मित पटना के बेलीरोड पर बनाया गया विश्वस्तरीय संग्रहालय प्रत्यक्ष प्रमाण है। महोदय, चूंकि मैं बिहार विधान सभा के मिथिलांचल के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र बेनीपट्टी का प्रतिनिधित्व करती हूँ, अतः मैं आपका ध्यान मिथिलांचल एवं बुद्धजीवियों एवं कला संस्कृतियों से असीम संभावनाओं से भरा है, वहाँ आकृष्ट करना चाहती हूँ। बालिमिकी रचित रामायण से मिथिला संपूर्ण विश्व में कला एवं संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है,चाहे मिथिलांचल की लोक कला हो,चित्रकारी कला हो अर्थात् विश्वविख्यात मधुबनी पेंटिंग, मिट्टी कला, मउनी सिकुली कला, आर्ट कला..... (व्यवधान)

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन):- माननीय सदस्या आपका समय समाप्त हुआ।

श्रीमती भावना झा:- महोदय, थोड़ा और समय चाहती हूँ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन):- अच्छा।

श्रीमती भावना झा:- इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के लोकगीत कोकिल विद्यापति द्वारा रचित एवं अन्य रचनाकारों के स्वसम्मान का विभिन्न अवसरों पर गायन किया जाता है,जिससे भावनात्मक रुप से लोगों को छू जाती है। महोदय, मैं आपके माध्यम से मिथिलांचल का प्रसिद्ध पैदावार मखान की ओर आकृष्ट करना चाहती हूँ,जो खाने में स्वादिष्ट तो होता ही है और स्वास्थ्यवर्द्धक भी होता है, साथ ही साथ वहाँ के कला एवं संस्कृति में भी समाहित हो चुका है, वहाँ के कलाकार कला क्षेत्र में भी बखूबी करते हैं। महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करती हूँ कि मधुबनी गरीब जिला है,वहाँ खेती

छोड़कर कोई जीविका का साधन नहीं है, न तो कोई फैक्ट्री है, न ही तकनीकि शिक्षा केन्द्र है, नौजवान बेरोजगार हैं और रोज अपने परिवार को छोड़कर अपने और अपने परिवार के लिए अर्थ उपार्जन के लिए विभिन्न राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं और वहॉ वे उपेक्षा का शिकार होते हैं, वर्तमान प्रधानमंत्री जी ने दोनों चुनावों के वक्त नौजवानों से भरपूर वादे किये थे, नौकरी के क्षेत्र में भरपूर संभावनाएँ दिखाई थी लेकिन महोदय नौजवानों के लिए तो यह मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसे ही साबित हुए। अत: मैं आग्रह करती हूँ नौजवानों के परमप्रिय मुख्यमंत्री से कि मिथिलांचल के इन तमाम कला में तमाम संभावनाएँ हैं,उसे विकसित कर वहॉ के लोगों को रोजगार उपलब्ध करा कर उन्हें आजीविका का साधन एवं सम्मान देने की कृपा करें। इसी प्रकार पर्यटन कला की दिशा में भी संपूर्ण मिथिला में बहुत संभावनाओं का स्थल दिखता है। मधुबनी जिला उचैट स्थान, कलुआही में मॉ राजेश्वरी स्थान .....(व्यवधान)

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन):- अब शांत हो जाइये कृपया।

श्रीमती भावना झा:- मधुबनी में आहिल्या स्थान, कल्ला स्थान, कपिलेश्वर स्थान, पुलेश्वर स्थान एवं दरभंगा महाराज द्वारा बनाये गये अनेकों महल एवं मंदिर जो अपनी बनावट के नागरशैली, द्रविड़ शैली एवं इंडियन दोनों शैली को मिला करके बनाये गये हैं,वैसे शैली में बने भवन एवं मंदिर आज भी अनुपम है। अत: सरकार से उम्मीद करती हूँ कि इन सभी संभावनाओं के विकास के प्रतु अत्यधिक लगाव दिखाकर मिथिला क्षेत्र में पर्यटन एवं लोक संगीत एवं कला को संरक्षण देकर उद्योग के रुप में परिवर्तित करें, जिससे मिथिला एवं मिथिलावासी को अपनी संस्कृति एवं कला को बचाने तथा रोजगार की उपलब्ध हो सके।

क्रमश:

टर्न: 16/कृष्ण/21.03.2016

श्रीमती भावना झा : (क्रमश:) इस प्रकार मिथिलांचल क्षेत्र, जो आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है, उसे भी आर्थिक उन्नति मिल सके, साथ-साथ इसमें मिथिलांचल के जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग चाहूंगी। आज पूरे सदन ने मुझे सुनकर मेरा मनोबल बढ़ाया है, उसके लिये मैं आप सबों को धन्यवाद और शुक्रिया अदा करती हूं एवं होली की बधाई एवं शुभकामनायें देती हूं । जय भारत । जय प्रदेश।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : राष्ट्रीय लोक समता पार्टी,विशेष परिवर्त्तन । लोक जनशक्ति पार्टी की तरफ से मा0स0श्री राजू तिवारी ने अपना 2

मिनट का समय आपको डोनेट किया है । मसलन 2 प्लस 2 = 4 मिनट । आप बोलिये ।

श्री ललन पासवान : सभापति महोदय, पहले तो मैं माननीय मंत्री,कला,संस्कृति एवं युवा विभाग को बधाई देता हूं । पहली बार भोजपुरी सिनेमा सेंसर बोर्ड गठन करने का साहस किये हैं । इसलिए माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं । भोजपुरिया के जनक भिखारी ठाकुर, बिहार के इस मिट्टी का लाल, जिसने भोजपुरिया को सम्मानित और गौरवान्वित किया पूरी दुनियां में । भोजपुरिया के कई कलाओं को उत्कृष्ट ऊचाईयों पर पहुंचनेवाले कलाकर ।

सभापति (श्री मो0इलियास हुसैन) : भोजपुरी के प्रकांड विद्वान श्री विनय बिहारी जी बैठे हुये हैं ।

श्री ललन पासवान : मा0स0श्री विजय बिहारी जी का भी नंबर आ जायेगा । मैं माननीय विनय बिहारी जी से शुरू करता हूं । माननीय विनय बिहारी जी हों या मनोज तिवारी जी हों, ऐसे कई बड़े-बड़े कलाकार हैं ।

सभापति (श्री मो0इलियास हुसैन) : शांति । शांति । माननीय सदस्य आप अपने स्थान पर आ जाईये।

श्री ललन पासवान : महोदय, बिहार की संस्कृति को भारत की संस्कृति और सभ्यता का जननी कह सकते हैं, जहां से एक-से-एक कलाकार, एक-से-एक झंकार निकले हैं, उसकी उत्कृष्ट भूमिका चाहे वह शुत्रुघ्न सिन्हा हों, देश ने उन्हें सैल्यूट किया है, देश ने सम्मान दिया है। इसलिए भोजपुरी भाषा को भारत के संविधान की 8वीं अनुसूचि में शामिल किया जाय, यह मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं और आग्रह करूंगा कि कला,सस्कृति एवं युवा मंत्री जी से कि वे भारत सरकार को अनुशंसा करें ताकि यह भारत के संविधान की आठवीं अनुसूचि में शामिल हो, इसके लिए दबाव बनाया जाय ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) माननीय सदस्य श्री ललन पासवान जी, आप अपनी आवाज का भौल्यूम बढ़ायें।

श्री ललन पासवान : सभापति महोदय, मेरे यहां अरेराज में लोजपा के विधायक हैं, उनका सवाल है, अरेराज में स्टेडियम, पहाड़पुर, नोनिया, मखनिया हाई स्कूल के प्रांगण में स्टेडियम निर्माण की हम मांग करते हैं । वहां राष्ट्रीय और राज्य स्तर का फूटबौल का मैच होता है । माननीय राजू तिवारी जी का डिमांड है और

मेरा भी एक डिमांड है कि शिवसागर प्रखंड के मोहम्मदपुर पंचायत में, माननीय मंत्री जी, मैंने आप से समय मांगा था । मंत्री जी, आपने समय नहीं दिया । मेरे साथ आपने अन्याय किया है । इसलिए इस बार चलियेगा, वहां राष्ट्रीय स्तर का पहलवान अखाड़ा में आते है । आप वहां स्टेडियम बनवा दीजिये । वैसे दो स्टेडियम हम शिवसागर में बनवाये हैं । लेकिन आप से एक अतिरिक्त डिमांड करते हैं कि वहां राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनवा दीजिये । वह इलाका अति पिछड़े और गरीबों का है और यादव समाज के राष्ट्रीय स्तर के पहलवान वहां आते हैं । दूसरी मांग हम करते हैं कि चेनारी प्रखंड में एक भी स्टेडियम नहीं है। वहां चेनारी के बगल में हमलोगों का स्कूल है, अजरिया हाई स्कूल, उसको काफी जमीन है, 10 एकड़ में वहां स्टेडियम बनवा दीजिये । यह मैं आप से आग्रह करता हूं क्योंकि चेनारी प्रखंड में एक भी स्टेडियम नहीं है । नियम के हिसाब से आपको सभी 534 प्रखंडों में स्टेडियम बनाना है । मेरे यहां चेनारी में नहीं है, वहां आप स्टेडियम बनवा दीजिये ।

महोदय, दूसरा आग्रह माननीय खनन मंत्री जी से करता हूं कि बंजारी कल्याण सिमेंट फैक्ट्री है, उसका लीज एक साल से खत्म है, एक साल से वहां गरीबों का वेतन नहीं मिला है, लोग आत्महत्या करने को मजबूर हैं । हम सरकार से मांग करते हैं कि बंजारी कल्याण सिमेंट फैक्ट्री गलत तरीके से चला भी रहा है, मजदूरों का शोषण भी कर रहा है । मजदूरों का पी0एफ0 का 5 करोड़ रूपया रखे हुये है । एक साल से लेबर लोगों को वेतन नहीं दे रहा है । सारे लोग मर रहे हैं । सारे लोग आत्महत्या करेंगे। माननीय मंत्री, कला,सस्कृति एवं युवा विभाग को मैंने वहां भी निमंत्रण दिया था । उसमें भी ना कह दिये, पता नहीं क्या मामला है ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) माननीय सदस्य आप अपना वक्तव्य जारी रखें ।

श्री ललन पासवान : सभापति महोदय, जिस तरह से देव महोत्सव और राजगीर महोत्सव मनाया जाता है, उसी तरह से गुप्ताधाम महोत्सव भी सरकार मनावे और गुप्ताधाम को राष्ट्रीय पर्यटक स्थल सरकार घोषित करें । यह हम सरकार से मांग करते हैं । वहां जाने का रास्ता नहीं है । वह प्राचीनतम मंदिर है । वह राष्ट्रीय पर्यटक स्थल घोषित हो और राजकीय स्तर पर समारोह मनाया जाय । सरकार उसको अधिग्रहण करें ।

सभापति महोदय, सासाराम मुख्यालय में स्टेडियम,आप भी सलाह कर रहे थे, आप भूल जाते हैं, बड़ा गड़बड़ हो जाता है, स्टेडियम में हमलोग बालू भरवायें, हमलोग सभा करवायें, सासाराम स्टेडियम लगता है कि खानाबदोश है, उसमें आदमी खड़ा नहीं हो सकता है । सभापति महोदय, आप भी मंत्री रहे हैं, उस इलाके के कई मंत्री रहे हैं । सभा करने के लिए हेलिकोप्टर उतारने के लिये सासाराम मुख्यालय में जगह नहीं है। इसके लिए वहां से 10 कि0मी0 दूर दक्षिण में जाना पड़ता है । सासाराम का स्टेडियम ऐसा है कि इंसान को अगर लेटा दिया जाय तो वह छटपटा कर मर जायेगा । उसका भी तो निर्माण हो ।

सासाराम में शेरशाह सूरी का मकबरा है । अगर किसी आदमी या जानवर को उसमें फेंक दिया जाय तो वह कार्बन डाई ऑक्साईड से मर जायेगा । शेरशाह द्वारा किये गये विकास कार्यों को पूरी दुनियां में सराहा गया । शेरशाह के जैसा दुनियां में कोई बादशाह पैदा नहीं हुआ । उन्होंने 4 काम किये थे - जमीन का पैमाईस किया था, जी0टी0रोड बनाया था,

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : माननीय सदस्य उन सारी खूबियों का मैं वर्णन कर चुका हूं । अब आप प्वाइंट पर आ जाईये । अब आपका 10 सकेंड बचा हुआ है।

श्री ललन पासवान : ठीक है । महोदय, मकबरा को विकसित किया जाय । उसकी उड़ाही की जाय । रोहतासगढ़ किला के लिए माननीय मुख्यमंत्री ने रोप-वे की घोषणा की थी । केवल राजगीर का विकास हो जायेगा, इससे काम नहीं चलेगा । रोहतासगढ़ किले का विकास हो, वहां रोप-वे का घोषणा किया,वहां रोप-वे का बनाया जाय ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : सरकार चिन्तित है । आपका समय समाप्त हुआ। सी0पी0आई0एम0एल0 के मा0स0श्री सुदामा प्रसाद जी, आपका समय 2 मिनट है।

टर्न-17/सत्येन्द्र/21-3-16

श्री सुदामा प्रसाद: सभापति महोदय,पहली बात तो यह कि पिछले दिनों कला संस्कृति विभाग की ओर से बिहार में बसंत महोत्सव का आयोजन हुआ। कला संस्कृति विभाग ने बसंत महोत्सव का आयोजन किया जिसके उद्घाटन समारोह में सूबे के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार गये और समापन समारोह में माननीय अवस्थी को बुलाया गया। उन्होंने सरकारी मंच से यह बयान दिया कि जे0एन0यू0 में जो छात्रों के अभिव्यक्ति की

स्वतंत्रता के लिए आन्दोलन चल रहा है उसके खिलाफ में बयान दिया तो मैं आसन के माध्यम से सरकार से मांग करता हूॅ कि सरकार अपना रूख स्पष्ट करे। लम्बे समय तक कला और संस्कृति विभाग भारतीय जनता पार्टी के पास रहा है तो क्या आज भी उनका वह प्रभाव विभाग पर कायम है? ये सरकार से मैं मांग करता हूॅ कि अपना रूख सरकार इस मामले में स्पष्ट करे। दूसरी बात कि लोक संस्कृति के नाम पर आज हमलोग देख रहे हैं, खासकर भोजपुर जिले में कि होली का माहौल है, महिलाओं का घर से निकलना दुश्वार हो गया है। इतने अश्लील गीत बज रहे हैं होली के कि पुरूष भी शर्म से माथा झुका ले। मैं सरकार से मांग करता हूॅ कि ऐसी अश्लीलता के माहौल पर रोक लगे और तमाम बसों में, मैक्सी में,जीप में जहां कहीं भी अश्लील गीत बज रहे हों सरकार उस पर कार्रवाई करे। तीसरी बात है, हमलोग देख रहे हैं कि आज देहाती इलाकों में मेहतनकश जनता के पास मनोरंजन का कोई साधन नहीं है। जब भी कोई पर्व त्योहार का माहौल आता है तो उस समय अपने साधनों से वो मनोरंजन करते हैं तो हमारी सरकार से मांग है कि हर पंचायत में कम से कम एक सांस्कृतिक भवन का निर्माण हो और जो लोक गायक हैं, हमारे गांव में जो कलाकार हैं उनको सरकार की ओर से आर्थिक मदद दी जाय, उनको भत्ता दिया जाय इसके लिए सरकार इसका भी एक सर्वे करावे। धन्यवाद।

श्री श्याम बाबू प्रसादः सभापति महोदय,आपने मुझे बोलने का समय दिया इसलिए मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहूंगा। मैं पहली बार सदन में आया हूॅ और मैं कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हूॅ। मैं आभार व्यक्त करना चाहूंगा अपने नेता का जिन्होंने एक कार्यकर्त्ता को इस सदन तक पहुंचाने का काम किया है। मैं आभार व्यक्त करना चाहूंगा पीपरा के उस देवदूत कार्यकर्त्ता और मतदाता मालिकों ने जिन्होंने अपनी बात यहां रखने के लिए सदन में भिजवाने का काम किया है। महोदय,मैं चम्पारण से आता हूॅ जो चम्पारण महात्मा गांधी की कर्मभूमि रही है। मैं आज पहली बार बोलने जा रहा हूॅ इसलिए मैं चम्पारण से ही अपनी बात शुरू करना चाहूंगा। महोदय हमारा चम्पारण सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध है। चम्पारण में केसरिया का बौद्ध स्तुप,पीपरा के सीताकुंड धाम, लौरिया का अशोक स्तम्भ मेहषी का मजार हमारी संस्कृति को प्रदर्शित करती है। दूसरी तरफ हमारी लोक कलाएं भी हमारी संस्कृति को बयां करती है। चम्पारण की लोक कलाओं में यहां पौराणिक सांस्कृतिक गाथाएं हैं। चम्पारण ही वह जगह है जहां के लोगों ने आजादी के लड़ाई में गांधी जी का सहयोग कर आजादी की लड़ाई की नींव रखी। चम्पारण सत्य और अहिंसा की प्रयोगस्थली है, जहां की भाषा

भोजपुरी है। यह एक ऐसी भाषा है जो पूरी दुनिया में डंका बजा रही है।भोजपुरी के लोक गीत एवं लोक कलाओं के विकास के लिए सरकार को योजना बनाकर काम करनी चाहिए। सरकार के सहयोग के बिना हमारी कई लोक कलाएं बिलुप्त होती जा रही है। हमारे यहां कई सांस्कृतिक महोत्सव होते हैं और कई महोत्सवों को सरकारी सहयोग भी प्राप्त है और कई जनसहयोग से भी होते हैं परन्तु कई महोत्सवों को सरकारी सहयोग अप्राप्त है। गांधी जी की चम्पारण यात्रा का 100वां वर्ष पूरा होने जा रहा है। हम सरकार से मांग करते हैं कि गांधी जी की चम्पारण आगमन के 100 वर्ष पूरा होने पर कला संस्कृति विभाग, बिहार सरकार को निश्चित रूप से योजना बनानी चाहिए ताकि चम्पारण के लोक कलाकार अपनी कलाओं के माध्यम से चम्पारण सत्याग्रह में अपने पूर्वजों की कीर्ति से आमजन को अवगत करा सकें। महोदय, दूसरी तरफ असंस्कृति भी समाज पर हावी हो रही है। आज अश्लील गानों ने समाज का चेहरा बिगाड़ दिया है। होली आ रही है, सरकार को इस तरह के गाने पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठानी चाहिए। महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि हमारे घर की महिलाएं, बच्चे जब बाजार जाती है तो वह माथा नीचा कर के जाती है। जब चाय के दुकान, पान के दुकान के सामने जाती है तो वह अश्लील गाने सुनती है और उन्हें माथा झुका कर जाना पड़ता है। वह गाना मुखिया जी के परिवार पर,विधायक जी के परिवार पर और मंत्री जी के परिवार पर गाना बनाया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि इस प्रकार के गाने पर रोक लगाया जाय। महोदय,जहां तक युवा की बात करते हैं हमारे युवा काफी कर्मठ और तेजस्वी हैं परन्तु अवसर के अभाव में या तो गांव में ही उनकी प्रतिभाएं दम तोड़ देती है या उन्हें पलायन को मजबूर होना पड़ता है। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि हमारे गांव भी सचिव तेन्दुलकर और सानिया मिर्जा जैसी प्रतिभाएं हैं परन्तु वो अवसर के अभाव में उचित लक्ष्य को नहीं प्राप्त कर पाती है। गांव में न तो खेलने का साधन है न ही खेल का मैदान। रोजी रोटी के लिए अच्छे अच्छे खिलाड़ियों को दूसरे रोजगार के लिए मजबूर होना पड़ता है। बिना सरकारी प्रोत्साहन के उनका समुचित विकास असंभव है। महोदय,इसके अलावा हमारे प्रतिभाशाली युवा अच्छी पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर हैं। हमारे यहां अभी भी अन्य राज्यों के तुलना में तकनीकी संस्थानों की बहुत कमी है। हमारे प्रांत के लोगों का भी गाढ़ी कमाई का पैसा बच्चों को पढ़ाने के नाम पर दूसरे प्रांतों में चला जाता है और उन्हें वहां कई प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। आजादी के इतने दिन के बाद भी दूसरे प्रांत को

लोग बिहार में न के बराबर पढ़ने आते हैं जबकि बड़ी संख्या में बिहार के लोग को इसके लिए दूसरा प्रांत में जाना पड़ता है। महोदय, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि बिहार में भी वैसी व्यवस्था कला संस्कृति युवा विभाग के माध्यम से करानी चाहिए। महोदय, हम पीपरा विधान-सभा से आते हैं। वहां एक स्थल है जो मोतिहारी- मुजफ्फरपुर -नरकटिया रेलखंड के पीपरा स्टेशन व एन0एच0-28 के 2 किलोमीटर उत्तर तथा जिला मुख्यालय से लगभग 22 कि0मी0 पूरब एक ऐतिहासिक सीता कुंड धाम स्थित है। वह धाम लगभग 14 फीट ऊंचे टीलानुमा आकार में लगभग 20 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। यहां पर प्राकृतिक सौन्दर्य की अनुपम छटा है। इसके चारों तरफ सैंकड़ों औषधीय पेड़-पौधे उगे हैं। इनके बीच लगभग 2 एकड़ में कुंड है। यहां पर माँ जानकी का मंदिर है। जनश्रुति के अनुसार त्रेतायुग में भगवान राम की बारात जब जनकपुर से अयोध्या के लिए लौटी थी तो उक्त स्थल पर ही बारात रूकी थी। माँ जानकी व राम का कंगन खोलने का रस्म भी यहीं हुआ था। महोदय, कंगन के पत्ते के सामान आम का पेड़ था वह पेड़ 1934 के भूकंप में दब गया । माँ जानकी जहां स्नान की थी वह पोखर गंगा सागर पोखर के नाम से जाना जाता है,जहां प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में लोग स्नान करते है।। उक्त पोखर के समीप 5 और बड़ा पोखर है। यहां भी माँ जानकी ने भगवान राम के साथ भगवान शंकर के एक अद्भूत लिंग की स्थापना कर पूरा अर्चना की थी। वह लिंग मंदिर आज गिरिजा नाथ के नाम से प्रसिद्ध है। इसकी विशेषता यह है कि जब भी सुखाड़ की संभावना होती है तो इर्द गिर्द के किसान गिरिजा नाथ के लिंग को पानी में डुबो देते हैं तो निश्चित ही वर्षा होती है। साथ ही यहां अन्य दर्जनों मंदिर तथा अभिलेखयुक्त पत्थर है। इसे देखने पर लगता है कि यह प्राचीन मंदिर के दीवार पर लगे किबाड़ का अवशेष है। यहां चैत्र रामनवी के अवसर पर प्रत्येक वर्ष मेला लगता है। लोग बताते हैं कि अगर टेलीनुमा उक्त स्थल की खुदाई करायी जाये तो बृहत संख्या में पुरातात्विक अवशेष मिलेगा। महोदय,मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा कि वो सीताकुण्ड महोत्सव जो हर वर्ष मनाया जाता है। (क्रमशः)

टर्न-18/मधुप/21.03.16

श्री श्याम बाबू प्रसाद यादव : ...क्रमशः... जो जन सहयोग से होता है । मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहूँगा कि वह महोत्सव सरकारी स्तर पर किया जाय और पर्यटन विभाग से भी मैं आग्रह करूँगा कि उस स्थल को विकसित कराने की

कार्रवाई की जाय । महोदय, पूर्व में जब एन0डी0ए0 की सरकार थी, उस समय में माननीय मंत्री सीग्रीवाल साहब थे, हमारे यहाँ दो स्टेडियम का निर्माण किया गया- एक चकिया के गांधी मैदान में और एक मेहसी के हाईस्कूल में । अभी तक सात-आठ साल बीत गये लेकिन सरकारी कर्मचारी और अधिकारी के उदासीनता के कारण आज वह लम्बित है, वह योजना आज तक पूरा नहीं हुआ है । मैं आपसे आग्रह करूंगा कि उन दोनों स्टेडियम को पूर्ण करवाने की कार्रवाई की जाय । आपके माध्यम से मैं सरकार से माँग करूंगा कि उसको पूर्ण कराया जाय ।

आपने मुझे समय दिया इसलिये मैं आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ, आभार व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी माननीय सदस्यों और बिहार की सभी जनता को होली की मुबारकवाद देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ । जय हिन्द !

सभापति (मो0 इलियास हुसैन) : माननीय सदस्यगण, ये पहले सदस्य हैं जिन्होंने लाल बत्ती नहीं जलवाया । इसके लिए आसन की तरफ से इनको धन्यवाद ।

राष्ट्रीय जनता दल । माननीय सदस्य श्री संजय कुमार सिंह । मेडेन स्पीच है इनका, कृपया सुनेंगे ।

श्री संजय कुमार सिंह : सभापति महोदय, आज मुझे इस सदन में अपनी बात रखने का मौका मिला है । आज मुझे कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के बजट प्रस्ताव के पक्ष में बोलने का मौका मिल रहा है, विपक्ष के कटौती प्रस्ताव के विरोध में बोलने के लिए मैं खड़ा हूँ ।

सभापति महोदय, सर्वप्रथम मैं उनका आभारी हूँ जिन्हें देखकर हमने जीना सीखा, जिन्हें देखकर मैंने अपने समाज को अपने करीब पाया, जिन्हें देखकर मेरे अपने परिवार को जीने की सीख मिली । जिनकी बात मैं कर रहा हूँ, वह महापरूष इस सदन के सदस्य तो नहीं हैं लेकिन इस सदन की गरिमा का, हम जैसे लोगों की प्रेरणा को उन्होंने शक्ति दी है और उसी शक्ति की वजह से आज एक कलाकार, छोटी सामाजिक हैसियत रखने वाला संजईया, आज आपके सदन का सम्मानित सदस्य है । महोदय, मुझे नहीं लगता है कि मैं उनका नाम खुद लूँ क्योंकि उनकी प्रेरणा से अकेला मैं ही नहीं बल्कि हमारे कई सदस्य, हमारे दोस्त इस सदन में बैठे हैं । सभापति महोदय, आभारी हूँ मैं उस गरीबों के मसीहा, गरीबों की आवाज माननीय श्री लालू प्रसाद यादव जी का, जिनकी ताकत आज मुझे इस सदन तक ले आई है । माननीय मुख्यमंत्री जी जिनको मैं दिल से याद करता हूँ, हमारे विकास पुरूष जी, मैं आपको

सादर नमन करता हूँ । सभापति महोदय, मुझे बहुत कम टाईम मिला है बोलने के लिए और इसी कम टाईम में अपनी बातों को रखना भी है ।

सभापति (मो0 इलियास हुसैन) : 10 मिनट है, घबराइये नहीं ।

श्री संजय कुमार सिंह : इसी 10 मिनट में मैं अपनी बात रखने की कोशिश कर रहा हूँ । सभापति महोदय, दुनिया कहती है कि मैं बड़ा हूँ, हिमालय कहता है कि मैं बड़ा हूँ, हमारे दोस्त कहते हैं कि मैं बड़ा हूँ, मैं कहता हूँ कि जिनके सर पर लालू जी और नीतीश जी का हाथ हो, उससे कौन बड़ा है ? महोदय, मैं यह बात खुद के ऊपर नहीं कह रहा हूँ बल्कि पूरे बिहार के ऊपर कह रहा हूँ । मुझे आज कला, संस्कृति एवं युवा विभाग पर बोलने के का मौका मिला है, सच में मैं खुशनसीब हूँ क्योंकि मैं भी एक कला क्षेत्र से आकर ही आज सम्मान के साथ आपके बीच आकर बैठता हूँ और आज आप जैसे वरिष्ठ एवं सम्मानित लोगों के बीच में अपनी राय रख रहा हूँ । मैं आभारी हूँ माननीय उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी का और तेज प्रताप यादव जी का क्योंकि वे बिहार के भविष्य आप ही हैं । मैं आभारी हूँ अपने काराकाट विधान सभा क्षेत्र की जनता का, मैं आभारी हूँ काराकाट विधान सभा क्षेत्र के तमाम महागठबंधन के नेताओं का, अपने साथियों का, अपने दोस्तों का, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से मुझे इस सदन तक भेजने का काम किया है ताकि मैं उनकी बात को सदन में रख सकूँ ।

सभापति महोदय, बजट की कौपी जब मैं पढ़ रहा था तो मैंने पाया कि हमारे महागठबंधन की सरकार ने कितनी संजीदगी से कला, संस्कृति और युवाओं के विकास के लिए बजट बनाया, काफी योजनाओं को लेकर आप चले हैं । मैं इसके विस्तार में नहीं जाऊंगा, इसलिये विस्तार से नहीं जाऊंगा क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम का निर्माण, फिल्म सिटी का निर्माण, कलाकारों और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और सम्मान, कई शहरों में कला केन्द्र का निर्माण, हमारी प्राचीन धरोहर के रख-रखाव के उपाय जैसे इतने काम हमारी सरकार कर रही है, जिसका मैं उल्लेख करूं तो किसी को बोलने का मौका नहीं मिलेगा ।

सभापति महोदय, कला संस्कृति का दायरा बहुत बड़ा है । मुझे खुशी है कि हमारी सरकार कई नाटक गृहों का जीर्णोद्धार कर रही है और कई महोत्सव का आयोजन भी कर रही है । हमारी आज की युवा पीढ़ी को निस्संदेह ही इसका लाभ मिलेगा । आज गॉवों के लोग भी देश-विदेश की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं । माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में निरंतर गॉवों का विकास हो रहा है । पूरा बिहार आज माननीय मुख्ययमंत्री जी, माननीय लालू जी के विकास के कार्यों में अपनी

भागीदारी दे रहा है । महागठबंधन की सरकार को खासकर युवा वर्ग का भरपूर साथ मिल रहा है । कला केन्द्रों के निर्माण के लिए लोगों की अभिरूचि कला के प्रति बढ़ेगी और युवाओं को अपने सपने को साकार करने में मदद मिलेगी ।

सभापति महोदय, कला के क्षेत्र में हमारा बिहार किसी राज्य से पीछे नहीं है। आज सिनेमा और टी0वी0 के दौर में आपको जानकर आश्चर्य होगा कि सिनेमा और टी0वी0 के परदे पर हमारे प्रदेश के कलाकार भले ही कम हों लेकिन परदे के पीछे अन्य प्रदेशों के लोगों के मुकाबले हमारे ज्यादा लोग हैं, लेखक की जगह हो या निर्देशन की जगह हो, सहायक निर्देशन की जगह हो, एडीटर हो, कैमरामैन हो, टेक्निशियन की जगह हो, हमारी संख्या बहुत ज्यादा है । परदों पर दृश्यों को लाने में इनका सबसे बड़ा योगदान होता है । मैं फिल्म जगत से जुड़ा हूँ, इसका कोई अधिकृत आंकड़ा तो नहीं है पर मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि फिल्म और टी0वी0 इंडस्ट्रीज बिहारियों के कंधे पर टिकी हुई है । सभापति महोदय, जिनके पसीने से आज मुम्बई मायानगरी बना है, उनका ही पसीना अब बिहार में कला की गंगा बहायेगी । सभापति महोदय, कला न सिर्फ मनोरंजन बल्कि आय का भी बहुत बड़ा माध्यम है । अगर हम चाहें तो इस माध्यम से सरकारी खजाने को भी बढ़ा सकते हैं । माननीय मंत्री जी, कुछ उपाय और कुछ कड़ाई करने की जरूरत है । थोड़ा–सा मैं आय की तरफ ले जाना चाहूँगा, माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराऊंगा, बिहार के सिनेमाघरों में कंपाउंड टैक्स है, मैं टैक्स की आलोचना नहीं कर रहा हूँ लेकिन आवश्यकता है कि टैक्स की चोरी को रोकने के लिए नियम को कुछ बदला जाय क्योंकि फिल्म के प्रोमोशन में जब हमलोग जाते हैं सिनेमाघरों में तो 500 सीट बैठने की क्षमता होती है लेकिन सरकारी क्षमता मात्र 200–250 ही हो निर्धारित होती है लेकिन हर सीट पर हमारी पब्लिक, हमारी जनता टैक्स देती है । जैसे टिकट का अगर दाम 100 रू0 हो तो 48 रू0 टैक्स का दाम होता है, उसमें 2–4 रू0 मेन्टेनेंस का होता है, बहुत सारी ऐसी चीजें हैं, पब्लिक तो टैक्स देती है लेकिन सरकार को कहाँ टैक्स मिल पाता है । कंपाउंड टैक्स के नाम पर एरियावाइज के नाम पर 5 हजार कंपाउंड टैक्स लिया जाता है ।

सभापति महोदय, आज जमाना रील का नहीं है, डिजिटल का जमाना है....

(व्यवधान)

सिर्फ सिनेमा मालिकों को फायदा होता है, सरकार को नहीं होता है । सभापति महोदय, पहले रील का जमाना था, अब डिजिटल का जमाना हो गया है। सिनेमा हॉल किसी न

किसी डिजिटल कम्पनी से जुड़ गये हैं, यू0एफ0ओ0 हो, यू-ट्यूब हो, ए0एम0ए0डब्लू0 जैसे कई डिजिटल कम्पनियॉं हैं जो फिल्म लगाने के एवज में प्रति शो के हिसाब से पैसा वसूलती है । सभापति महोदय, क्या उस राशि से सरकार को कुछ धन प्राप्त होता है ? अगर नहीं तो क्यों ? बिहार में 250-300 सिनेमाघर हैं । माननीय मंत्री जी को हम बताना चाहेंगे कि कम्पनियों से सर्विस चार्ज वसूल किया जा सकता है, जो कम्पनी हमारे सिनेमाघर के मालिकों से पैसा लेकर निकल जाती हैं ।

सभापति महोदय, आज बिहार की संस्कृति में कोढ़ बनकर, बहुत सारे सदस्यों ने एक मुद्दे को उठाया है - गंदा गाना । कोढ़ बनकर उभकर आया है गंदा गाना । भोजपुरी गाना जिसको सुनकर खुद शर्म लगता है । उनपर भी रोक लगना चाहिये क्योंकि इस सदन में हमारे बड़े भाई विनय बिहारी जी हैं, सुनील जी हैं, जो अपने क्षेत्र के काफी नामचीन हैं । इसपर रोक लगाने के लिए एक कमिटी का गठन होना चाहिये ताकि गंदे गानों को रोका जा सके ।

सभापति महोदय, सबसे बड़ा मुद्दा है कि दो-चार दिन पहले कुछ मुद्दा आया था सामने, मीडिया में काफी मुद्दा चला, समाज का चौथा स्तंभ है हमारा मीडिया, हम उसका सम्मान करते हैं, हमारे लोग भी सम्मान करते हैं, सब लोग सम्मान करता है लेकिन कहीं-कहीं, बड़े भाई मिथिलेश जी अपनी पीठ थपथपा रहे थे केन्द्र का नाम लेकर, मैं बड़े भाई का ध्यान आकर्षित करूंगा, जब किसानों के कर्ज माफ करने की बात होती है.....

सभापति (मो0 इलियास हुसैन) : आप आसन का ध्यान आकृष्ट कीजिये ।

श्री संजय कुमार सिंह : मैं माननीय सभापति महोदय का ध्यान आकृष्ट करूंगा कि केन्द्र सरकार की बात जब आती है, जब 170 करोड़ रूपया मात्र किसानों का कर्ज बाकी है, कर्ज माफ करने की बात होती है लेकिन वह कर्ज माफ तो नहीं होता है, केन्द्र सरकार की नीति इतनी बड़ी है कि उस किसान के दृश्य दिखाने के नाम पर 165 करोड़ रूपया सिर्फ ऐड में खर्च किया जाता है । ....क्रमशः...

टर्न-19/आजाद/21.03.2016

श्री संजय कुमार सिंह : (क्रमशः) इस बात पर कभी हमारे साथी लोग ध्यान नहीं दिये । उसी तरह हमारे देश के राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हमारे सफाईकर्मी जो स्वच्छ दिल्ली और साफ दिल्ली रखते हैं, उस कर्मचारियों को देने के लिए मात्र 45 करोड़ रू0 बाकी है,

वह राशि तो नहीं दिया जाता है लेकिन हमारी केन्द्र सरकार 125 करोड़ रू0 स्वच्छता अभियान चलाने के लिए उसके ऐड पर खर्चा करती है । लेकिन वह दिखाई हमारे समाज को नहीं देता है । सभापति महोदय, जब बात क्रिकेट का आ गया .....

सभापति(श्री मो0इलियास हुसैन) : माननीय सदस्य, थोड़ा सा बैठ जाईए ।

श्री संजय सरावगी : सभापति महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । माननीय सदस्य को पता नहीं है कि बिहार सरकार ऐड पर कितना खर्च कर रही है, इसपर ध्यान नहीं है क्या ?

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : यह व्यवस्था का कोई सवाल नहीं है ।

श्री संजय कुमार सिंह : मैं माननीय सदस्य संजय सरावगी जी से बोलूँगा कि जो मुद्दा टी0वी0 पर चलता है, जब इनके नेता शहनवाज हुसैन बोलते हैं टी0वी0 पर कि यह गलत है, यह परम्परा तो पुरानी चली आ रही है, यह परम्परा महागठबंधन में नहीं आयी है, यह पुरानी चलती आ रही है ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : आगे बढ़िए ।

श्री संजय कुमार सिंह : सभापति महोदय, इस देश में क्रिकेट प्रेमी और क्रिकेट के गलियारों में हमारे सचिन तेन्दुलकर जी हैं, जिनका हम भी सम्मान करते हैं, हम भी दिल से मानते हैं। जब वे क्रिकेट के खेल में क्रिकेटों के लिए भगवान हो सकते हैं तो मैं दावे के साथ कहता हूँ कि सदन को साक्षी मानकर के और कुछ सदस्यों को छोड़कर के राजनीति के गलियारों में अगर कोई धरती का भगवान है तो उसका नाम आदरणीय श्री लालू प्रसाद यादव जी है, दूसरा कोई भगवान नहीं है ।

सभापति महोदय, एक छोटा सा शब्द बोलूँगा ।

'' इस दुनिया में माचिस की जरूरत नहीं पड़ती,
क्योंकि विपक्ष सत्ता से जलता है, यानी आदमी-आदमी से जलता है,
हमारे देश के बड़े-बड़े साईंटिस्ट यह ढूढ़ने में लगे हैं कि
मंगल ग्रह में जीवन है या नहीं,
लेकिन हमारे विपक्ष यह ढूढ़ने में कभी नहीं लगा कि
हमारे जीवन में मंगल है या नहीं । ''

सभापति महोदय, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी से और बिहार के युवा साथी माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी से, बिहार के कला,संस्कृति मंत्री श्री शिवचन्द्र राम जी से मैं पर्सनली व्यक्तिगत रूप से मिलकर के कुछ अपनी बात रखूँगा और उनको ज्ञापन सौंपूँगा । आज समय कम है, इसलिए मैं अपने.....

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : आपका समय समाप्त । मिलकर सारी कार्रवाई माननीय मंत्री जी से करवा लीजियेगा ।

श्री संजय कुमार सिंह : एक शब्द बोलूँगा और फिर मैं समाप्त कर दूँगा । मैं अपने विकास पुरूष नीतीश कुमार जी के नाम पर एक शब्द बोलना चाहूँगा ।

कल बिहार की राजनीति की धरती पर किसी और का नाम लिखा जाता,
यानी किस्तों में हम सबों का कत्ल किया जाता,
आपके स्वागत में हम सब अपने ऑखों के नमी,
कल का आगवा किसी से पढ़ा नहीं जाता,
थोड़ी दूर के लिए धूप से बचना क्या,
दिवारों पर साया भी चला जाता,
सब बन कर शोलों के लकीर,
जब बिहार के धरती पर नीतीश कुमार के सिवाय
किसी और का नाम लिया जाता ।

धन्यवाद ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : बहुत अच्छा बोलें । जनता दल यूनाईटेड, माननीय सदस्य श्री वशिष्ठ सिंह जी, 10 मिनट ।

श्री वशिष्ठ सिंह : सभापति महोदय, आज कला, संस्कृति एवं युवा कल्याण विभाग के सरकार के पक्ष में और कटौती प्रस्ताव के विपक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । मैं सर्वप्रथम अपने माननीय मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी का और कला, संस्कृति मंत्री महोदय का मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ । बिहार में विकास के लिए लगातार सकारात्मक कार्य किये जा रहे हैं । आज छात्र को और युवाओं के कल्याण के लिए खेल के माध्यम से युवाओं का सर्वांगिण विकास किया जा रहा है । राष्ट्रीय तथा अर्न्राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार किया जा रहा है । प्रतिवर्ष हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचन्द जी के जन्म दिन पर 29 अगस्त को जो ख्याति प्राप्त खिलाड़ी हैं, उनको राज्य सरकार पुरूस्कृत कर सम्मानित करने का काम कर रही है । महोदय, राज्य में पूर्व से अवस्थित स्टेडियम को जीर्णोद्धार करने के लिए और पटना अवस्थित मोईनुलहक स्टेडियम के जीर्णोद्धार करने के लिए प्रक्रिया शुरू है और मैं समझता हूँ कि आने वाले दिनों में वह कारगर होगा, अच्छा होगा । महोदय, मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अन्तर्गत हमारे बिहार में जो 534 प्रखंड है, उन सभी प्रखंडों में यह लक्ष्य है कि आऊटडोर स्टेडियम बनाया जाय । उसमें

सरकार ने 239 स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति दे दी है और मैं समझता हूँ कि 80 स्टेडियम का निर्माण हो चुका है, और में काम चल रहा है । कुछ में काम बाकी है, उस काम को पूरा किया जायेगा । राज्य में खेल संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राजगीर में एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है, जिसके लिए जमीन का व्यवस्था कर दी गई है । मैं समझता हूँ कि आने वाले दिनों में बिहार में भी अन्तर्राष्ट्रीय खेल होगा और हमलोग भी अपने आँख से देखने का काम करेंगे । मुझे पूरा भरोसा इस सरकार पर है कि यह काम पूरा होगा । महोदय, बोल रहे थे विपक्ष के श्री मिथिलेश तिवारी जी कि कहीं कुछ कला, संस्कृति एवं युवाओं के लिए नहीं हो रहा है । मेरा मानना है कि आज के डेट में सभी जिला मुख्यालय में स्थापना दिवस मनाकर के जिला के तमाम लोगों को यह बताने का काम किया जा रहा है कि इस तारीख को हमारे जिला का स्थापना हुआ था । इसके बाद महोदय, जिला युवा उत्सव मनाया जा रहा है । इसके बाद कल के ही दिन बिहार में बिहार दिवस के रूप में मनाया जा रहा है । पहले बिहार दिवस के बारे में कोई नहीं जानता था । लेकिन आज व्यापक स्तर पर बिहार दिवस मनाया जा रहा है और बिहार के लोग उस उत्सव को देखते है, प्रफुल्लित होते हैं और खुश होते हैं कि हमारे बिहार का भी उत्सव मन रहा है । उसमें कई तरह के बिहार का जो कला है, संस्कृति है, उसको प्रस्तुत किया जाता है और देखने वाले लोगों का गाँधी मैदान में काफी भीड़ लगी रहती है । महोदय, हमलोगों के इस बिहार के नेता ही नहीं बल्कि देश लेवल के नेता उसमें आ रहे हैं । लोकनायक जयप्रकाश जी के पैतृक गांव सिताबदियारा में पुस्तकालय एवं स्मृति भवन के निर्माण के लिए जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है । मैं समझता हूँ कि वहां भी अच्छी व्यवस्था की जायेगी ।

सभापति महोदय, मैं अब अपने क्षेत्र की बात कहना चाहता हूँ । रोहतास जिला में पर्यटन एवं कला संस्कृति के अपार संभावनायें हैं । एक माननीय सदस्य जी बोल रहे थे रोहतास गढ़ किला के सवाल पर । रोहतास गढ़ किला का विकास होना चाहिए, यह मेरा भी मांग सरकार से है लेकिन जो सदस्य आरोप लगा रहे थे, मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ परम आदरणीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को कि आजादी के बाद कोई मुख्यमंत्री, कोई प्रधानमंत्री और कोई राष्ट्रीय नेता उस रोहतास गढ़ किला पर नहीं गया था, अगर पहली बार कोई मुख्यमंत्री रोहतासगढ़ किला पर गया तो उसका नाम माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी है और जा करके वहां के कल्चर को, वहां के वनवासयिों को, वहां के आदिवासियों को देखने का काम किया, परखने का काम किया

और देखने,परखने के बाद उन्होंने घोषणा किया कि रोहतास गढ़ किला पर जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है और रास्ता तभी मिल सकता है जब केन्द्र सरकार उस जंगल में, उस पहाड़ पर अपना जब तक अनुमति नहीं देगा, तब तक वहां कोई रास्ता नहीं बन सकता है । तब तक के लिए उन्होंने रोप वे का व्यवस्था करने का घोषणा किया है । मैं समझता हूँ कि माननीय नीतीश कुमार जी, जब घोषणा करते हैं तो उस काम को करने का पूरा-पूरा प्रयास करते हैं । हमारे माननीय मुख्यमंत्री के कथनी और करनी में मेल है, वे जो कहते हैं, उसको करके दिखाते हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लोग कहते कुछ और हैं और करते कुछ और हैं । इधर तत्काल अभी हम माननीय प्रधानमंत्री जी का अखबार में भाषण पढ़ रहे थे, उसको देख रहे थे कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ता जाकर गांव-गांव में बताये कि दो साल में हम डबल कैसे कर देंगे, डबल व्यवस्था कैसे बना देंगे, डबल मुनाफा कैसे कर देंगे, डबल इनकम कैसे कर देंगे। इन्होंने काला धन के लिए 90 दिनों के लिए डिमांड किया था, अच्छा दिन लाने की बात की थी, युवाओं को रोजगार देने की बात की थी और अब ये युवाओं को रोजगार नहीं दिये और युवा जब रोजगार मांगते हैं तो उसपर देशद्रोह का और राष्ट्रद्रोह का मुकदमा करते हैं । ..... क्रमशः .....

टर्न:20/अंजनी/दि0 21.3.16

क्रमशः

श्री बशिष्ठ सिंह : महोदय, हम सदन के माध्यम से कहना चाहते हैं कि कितना दिन आपलोग बिहार के युवाओं को, हिन्दुस्तान के युवाओं को दिगभ्रमित करने का काम करेंगे । दिगभ्रमित करने से बिहार के युवा दिगभ्रमित होने वाला नहीं है । बिहार कायरों का बिहार नहीं है, बिहार डपोशंखियों का बिहार नहीं है, बिहार वीरों का बिहार है । मैं कहता हूँ कि बिहार है वीरों का, सुन लीजिए, मैं युवा सदस्य हूँ, इसलिए मैं बोल रहा हूँ, सुनिए । बिहार है वीरों का जहां, जानते हैं, यह धरती जानती है, समाज जानते हैं, पर्वत, पठार, सागर, तुफान जानते है और इस सदन की बात छोड़ो, यह भगवान जानते हैं, अल्लाह जानते, अल्लाह जानते हैं । महोदय, हम आपसे निवेदन पूर्वक कहना चाहते हैं कि जब सत्ता पक्ष के सदस्य बोलते हैं तो विपक्ष के लोग हल्ला करने लगते हैं ।

जब उनको मौका मिलता है तो वे हमलोगों पर वार करते हैं और जब हम सही बात कहते हैं तो चिल्लाने लगते हैं । महोदय, मैं आपसे निवेदन पूर्वक कहना चाहता हूँ, आपसे आग्रह करना चाहता हूँ, अब मैं विषय पर बोलते हुए कहना चाहता हूँ कि आज कला, संस्कृति के साथ-साथ पंचायती राज विभाग की भी मांग है । पंचायती राज के संबंध में कहना चाहता हूँ कि जब हमारी सरकार बनी और हमारी सरकार के जब मुखिया परम आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी हुए तो अतिपिछड़ा को 20 परसेंट पंचायत में आरक्षण देकर गरीब-गुरबा को मुख्या बनाने का काम किया, उनको जिला परिषद का अध्यक्ष बनाने का काम किया । जहां छोटी आबादी वाले लोग तानाशाह बनकर लगातार पंचायत का प्रतिनिधि करते थे, उनको हटने का मौका मिला और गरीब के बेटा को पंचायत का प्रतिनिधि बनने का मौका मिला । हम इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी श्री नीतीश कुमार जी को साधुवाद देना चाहते हैं । मैं कहना चाहता हूँ कि कुछ लोग परेशान हो जाते हैं, इसलिए कि काहे लालू यादव जी और नीतीश कुमार जी गरीब को पंचायत में आरक्षण दिये । माननीय लालू यादव जी ने गरीबों को आवाज दिया और नीतीश कुमार जी ने गरीबों को अधिकार दिया तो कोई गुनाह नहीं किया बल्कि उन्होंने गौरव का काम किया है । हम यह सदन को बताना चाहते हैं । अब हम ज्यादा कुछ नहीं कहते हुए मैं अपनी क्षेत्र की बात कहना चाहता हूँ कि हमारे एक सदस्य कह रहे थे, हमारी भी मांग है और मैं भी रोहतास जिला से आता हूँ और रोहतास पर्यटन के मामले में कई तरह की संभावनायें दिखती हैं । वहां पर कला, संस्कृति के माध्यम से बहुत संभावनायें हैं । शेरशाह का हमारे रोहतास में उनका मकबरा अवस्थित है और शेरशाह कोई हिन्दुस्तान के नहीं बल्कि इस मुल्क के एक नेता थे और मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूँ कि सासाराम में शेरशाह महोत्सव मनाया जाय और जो गुप्ता धाम की मांग है, उसकी भी मांग करता हूँ । गुप्ता धाम सिर्फ चेनारी की समस्या नहीं, केवल रोहतास की समस्या नहीं, बल्कि गुप्ता धाम में सावन के महीने में पूरे शाहाबाद एवं उत्तरी-दक्षिणी बिहार के और उत्तरप्रदेश और पूर्वांचल के तमाम् लोग गुप्ता धाम आते हैं और दर्शन करते है, इसलिए गुप्ता धाम को विकसित किया जाय । यह मैं सदन के माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ । महोदय, अब मैं ज्यादा कुछ नहीं कहते हुए ....

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री वशिष्ठ सिंह : हम एक मिनट में अपनी क्षेत्र की समस्या के बारे में बोलते हुए समाप्त करना चाहता हूँ । सासाराम में स्टेडियम में काफी कचरा हुआ है, जो रेलवे स्टेडियम

है, उस स्टेडियम को भी बनाया जाय, ताकि रोहतास में कोई भी बड़ा कार्यक्रम हो तो उसमें किया जा सके । एक भी स्टेडियम रोहतास में नहीं है, आप उस बात को जानते हैं, इसलिए मेरी मांग है कि वहां स्टेडियम भी बनाया जाय । मैं ज्यादा कुछ नहीं कहते हुए अपने क्षेत्र करगहर में जो स्टेडियम बना है, उसका सिर्फ बाउंड्री हुआ है, स्टेडियम में कोई काम नहीं हुआ है । उसमें मिटटी भराई का भी काम करना होगा चूंकि वहां पर पानी भर जाता है ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : आप माननीय मंत्री जी को लिखकर दे दिजियेगा । अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री बशिष्ठ सिंह : महोदय, मैं आसन को आभार प्रकट करते हुए आपने जो समय दिया, इसके लिए आपको नमस्कार, इस सदन को नमस्कार और होली की हार्दिक शुभकामना।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्या श्रीमती एज्या यादव । आपका समय पांच मिनट है ।

श्रीमती एज्या यादव : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं इसके लिए आपकी आभारी हूँ । मैं अपने वित्त मंत्री माननीय अब्दुल बारी सिद्दिकी और कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री जी को बधाई देना चाहती हूँ । बिहार में वर्ष 2016-17 के लिए जो बजटीय प्रावधान प्रस्तुत किया गया है, उसमें कला, संस्कृति एवं युवा विभाग पर विशेष ध्यान दिया गया है । इससे स्पष्ट होता है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के विकास के लिए संकल्पित है । कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को वर्ष 2016-17 में 125.94 करोड़ रूपये आवंटित करने का प्रस्ताव बहुत सराहनीय है । यह एक ऐसा विभाग है जिसे संजीदगी से लेनी चाहिए । Mahatma Gandhi जी का मानना है कि art and culture is the foundation, the Primary thing. मुख्य रूप से इस विभाग को तीन भागों में बांटा जा सकता है - कला, संस्कृति और युवा विभाग । इसमें खेल भी सम्मिलित है । मैं सर्वप्रथम संस्कृति की बात करूँगी । भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति है । इसे विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी कहा जाता है । जीने की कला हो या विज्ञान और राजनीति का क्षेत्र, भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है । अन्य देशों की संस्कृतियां तो समय की धारा के साथ-साथ नष्ट होती जा रही है, किन्तु भारत की संस्कृति आदि काल से ही अपने परम्परागत अस्तित्व के साथ अजर अमर बनी हुई है । मार्क ट्वेन ने जब भारत का दौरा किया तो उसने लिखा कि भारत सांस्कृतिक रूप से परिपूर्ण राष्ट्र

है। हमारी संस्कृति की कई विशेषतायें हैं – प्राचीनतम अमरता, जागरूक होना, विशालता, उदारता और सहिष्णुता– और इन्हीं सब दृष्टि से अन्य सस्कृतियों की अपेक्षा हमारी संस्कृति अग्रणी स्थान रखती है । जहां तक कला की बात है तो बिहार का योगदान कला और संस्कृति के क्षेत्र में अनपैरलल है । बिहार के लोक गीत जैसे फगुआ, चैती, बरमासा, झूमर बहुत मशहूर हैं । Bihar has produced and the world has witnessed great painters musicians meaniature artists idol makers sculptors, poets, writer, actors and so on. सौभाग्य की बात है कि आज हमारे पास न जैनुइन टेलेंट की कमी है और न हयुमेन रिर्सोस की कमी है । अगर कमी है तो इन दो चीजों को सही तरीके से उपयोग करने की एवं इसकी उपयोगिता बढ़ाने की है । राज्य में फिल्म एवं टेलिविजन को बढ़ावा देने के उद्येश्य से फिल्म नीति एवं फिल्ड सिटी का निर्माण किया जाने वाला है । यह एक अच्छा और नवीन कदम है । इससे उभरते कलाकार और फिल्म स्टीडीज एण्ड मेकिंग में इन्टरेस्ट लेने वाले बच्चे लाभान्वित होंगे । कला और संस्कृति को संर्कीण रूप में नहीं देखना चाहिए । It has a wider more measurable impact on economy, health and well-being society and education. कला और संस्कृति एक स्ट्रटेजिक नेशनल रिर्सोस बन सकता है । कला और संस्कृति को आज के युग में एक मेजर सोर्स ऑफ इनकम बनाने की आवश्यकता है । यू0एस0ए0, जिसे हम द मोस्ट पावरफुल कन्ट्री कहते हैं वहां कला–संस्कृति मेजर पावरफुल प्रोडक्ट है । वर्ल्ड मार्केट यू0एस0ए0 की म्यूजिक, मूविज, सॉफटवेयर से भरा पड़ा है और साथ–ही–साथ ह्यूज इनकम जेनरेट कर रहा है । बिहार में टेलेंट की कमी नहीं है । कला और संस्कृति को हमें भी इनकम जेनरेटिंग रिर्सोस की तरह लेना चाहिए । कला और संस्कृति इतना महत्वपूर्ण विषय है कि पॉलटिकल प्रोजेक्ट भी फेल हो जाय, अगर कल्चलरल कॉमपेनेंट को नेगलेट कर दिया जाय । जब बिहार की कला की बात हो रही है तो टिकुली आर्ट एण्ड क्राफ्ट की चर्चा करना जरूरी है । टिकुली आर्ट 800 वर्ष पुरानी कला है और इसका ऑरिजिन पटना में ही हुआ था । रैपिड इंडस्ट्रीलाइजेशन के वजह से इट हेज बीकम वेनेसिंग क्राफ्ट, इसको रिभाइभ करने की जरूरत है । इससे हजारों महिलाओं को रोजगार मिलेगा, नारी सशक्त होगी । सभापति महोदय, खेल, कला एवं संस्कृति शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है । संग्रहालय में काफी फंड का ऐलोकेशन किया गया है । अंतराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप जो हमारे संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है, इससे समाज के हर वर्ग के लोग शिक्षक, विद्यार्थी, बड़े बुजुर्ग

और बच्चे लाभान्वित होंगे। माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी महागठबंधन की सरकार रिजिनल सिनेमा को रिभाइभ करने का जो ऐतिहासिक कदम उठायी है, जिसकी चर्चा हर तरफ है । मंत्री महोदय से आग्रह है कि बिहार फिल्म डेभलपमेंट कॉरपोरेशन पर जो बातचीत चल रही है, उसे कार्यान्वित करने की प्रक्रिया को तेज किया जाय । इससे यंग फिल्म मेकर ऑफ बिहार लाभान्वित होंगे । बिहार में रिजिनल सिनेमा को हमारी सरकार आगे बढ़ाने का जो काम कर रही है, इससे सिनेमा में रूचि रखने वाले हमारे टेलेंटेड यूथ को सिनेमा में अपना कैरियर बनाने में मदद मिलेगी ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : अब आप समाप्त करिए ।

श्रीमती एज्या यादव : सिनेमा एक ऐसा क्षेत्र है जिससे बच्चे, बुढ़े, शिक्षित, अशिक्षित, गरीब-अमीर सब जुड़े हुए हैं । A part of the proposed policy for Bihar Film Development Corporation, the government should ensure that there is a clause that deals with equitable distribution of film. बिहार के रिजिनल लेंग्वेज के फिल्म को सिनेमा हॉल के साथ-साथ मल्टीप्लेक्सेज में भी दिखाने का निर्देश सरकार को देना चाहिए । बिहार की अच्छी फिल्में जो भोजपुर, मैथिली, अंगिका में बनती है उसे टैक्स फ्री कर देना चाहिए और पुरस्कृत भी करना चाहिए । इन सब चीजों से हमारे बिहार के रिजीनल फिल्म को बढ़ावा मिलेगा ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : आप ये सब लिखित दे दीजिए सरकार को । श्रीमती यादव जी, आपका समय समाप्त ।

श्रीमती एज्या यादव : उसे टैक्स फ्री और पुरस्कृत कर देना चाहिए । कला, संस्कृति एवं युवा विभाग एक ऐसा विभाग है जो शिक्षा के साथ स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है । इस विभाग को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है । यदि समाज से कला, संस्कृति और खेल निकाल दिया जाय तो हम रोबर्ट बनकर रह जायेंगे ।

मैं इन्हीं श।ब्दों के साथ इस बजट का समर्थन करती हूँ और आशा करती हूँ कि पक्ष और विपक्ष मिल-जुलकर कला और संस्कृति जैसे नाजुक विषय पर काम करेगी और इस विभाग को आगे की ओर ले जायेगी ।

धन्यवाद ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : धन्यवाद ।

श्री मो0 नेमतुल्लाह : सभापति महोदय, एक प्वाइंट ऑफ औडर है । सभापति महोदय, भिखारी ठाकुर भोजपुरिया के शेक्सपीयर कहे जाते थे और भिखारी ठाकुर एकेडमी माननीय मंत्री जी बनायें और अभी उनके नाम पर है ।

सभापति : आपका हो गया, माननीय मंत्री जी ने संज्ञान ले लिया ।

श्री नेमतुल्लाह : एक मिनट महोदय, इंडिया ने पाकिस्तान को क्रिकेट में हराया, इसके लिए धन्यवाद ।

सभापति : धन्यवाद । भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, माननीय सदस्य श्री रामदेव राय । कृपया ध्यान देंगे, आपका सात मिनट समय है ।

टर्न–21/शंभु/21.03.16

श्री रामदेव राय : महोदय, मैं कला संस्कृति विभाग के मंत्री जी के द्वारा जो मांग प्रस्तुत की गयी है, उसके समर्थन में अपना भी दो चार शब्द रखना चाहता हूँ। ऐसे मैं कला और संस्कृति से बहुत ज्यादा दूर रहनेवाला व्यक्ति हूँ। मुझे संस्कृति छुयी तक नहीं है, कला का थोड़ा भी ज्ञान नहीं है, लेकिन विधान सभा में आने के बाद से इस बार कला और संस्कृति का थोड़ा सा अनुभव प्राप्त किया हूँ। जिसके आधार पर मैं पहले माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ । अब हमारे बिहार का विकास केवल कागज के पन्नों तक सीमित नहीं रहे हैं और बिहार की धरती पर, बिहार के लोगों के बीच में भी साकार रूप में देखे जा रहे हैं। यह निश्चित रूप से हमारे मुख्यमंत्री जी के गतिशील नेतृत्व का परिचायक है लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि विकास केवल भौतिकी नहीं हो, विकास केवल सुविधाओं के लिए नहीं हो, विकास केवल सहूलियतों के लिए नहीं हो, विकास संपूर्ण विकास, बिहार का संपूर्ण विकास, बिहार के संपूर्ण सांस्कृतिक परिवेश में हो, इसकी सख्त जरूरत है। चूंकि यह हमारी धरोहर है, आज नहीं प्राचीन काल से– प्राचीन काल से हमारी धरोहर है हमारी सभ्यता और संस्कृति रही है, जिसके आधार पर भारत दुनिया का कुलगुरू रहा। भारत साधारण देश नहीं है। भारत सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक का देश है और दुनिया के देशों ने इसे कुलगुरू माना है। इसलिए कहा जाता है– फ्रांस, मिस्र, रोमां सब मिट गये जहां से, कैसी है हस्ती धरती मिटती नहीं हमारी।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : इसमें संशोधन हम करना चाहेंगे–

ऐ आबरू ऐ गंगा, वो दिन है याद तुझको,

उतरा तेरे किनारे जब कारवां हमारा,
हमने आवाज लगायी, सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा ।
यूनान, मिस्र, रोमा सब मिट गये जहां से,
अब तक मगर है बाकी नामो निशां हमारा,
सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा ।

श्री रामदेव राय : मैं आगे कह रहा हूँ । हिन्दुस्तान उसका नाम है-

हर रोज मुसीबत वाला का जो गीत बनाता है,
दर्द दिल का है तूफान दीप जलाता है।
उसी का नाम भारत है।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : बहुत अच्छा।

श्री रामदेव राय : इसलिए मैं भारत देश की परंपराओं की ओर, हमारी सांस्कृतिक धरोहर की ओर से जो हमें प्राप्त हुआ है, ये कला और संस्कृति हमारा वैभव है और संस्कृति हमारा संस्कार है। जो अनेक विधाओं से जुड़कर के संस्कृति प्राप्त होती है उस संस्कृति को आज जुगाकर रखने की जरूरत है। बिहार एक विशाल राज्य है और इस राज्य में अनेकों लोगों का शासन रहा है, परन्तु यहां ढेले की भी पूजा की जाती है, मिट्टी के ढेले को, सूखे बांस को प्रणाम किया जाता है, बड़े से बड़े लोग जूता चप्पल खोलकर प्रणाम करते हैं और पत्थर को पूजने में तो अपना आसमान को छूते हैं। यह साधारण देश नहीं है, यह साधारण बिहार नहीं है । इसीलिए कला संस्कृति का परिचायक एक ऐसे आदमी के हाथ में मुख्यमंत्री जी ने अपनी कुशलता का परिचय दिया है जो कला और संस्कृति देखिए यही तो हुनर है। आर्ट इज ए लाइफ-लाइफ इज आर्ट। कला और संस्कृति दोनों जीवन से सरोकार रखता है और मुख्यमंत्री जी ने ऐसे मंत्री को चुना है जो उसका प्रतीक हैं और अगर सच कहिये तो आदिकाल से जो परंपराएं रही है, जो गाथाओं की उसमें आप देखेंगे कि दलितों की आवाज, दलितों की आहें, दलितों की मुश्किलें हमको पथ प्रदर्शित किया है और इसलिए मुख्यमंत्री जी ने एक दलित वर्ग के गरीब व्यक्ति के हाथ में कला और संस्कृति को धरोहर के रूप में सौंप दिया है। बड़ी दूरदर्शिता से काम उन्होंने लिया है। इसीलिए इसी जोश में खड़ा होकर मैं धन्यवाद देने के लिए आया हूँ। लेकिन मैं दो चार शब्द कहना चाहता हूँ । ऐसे तो मैं बजट पर कुछ कहूंगा आगे लेकिन, बात यह है कि आज हमारे यहां आप देखेंगे कि चुहरमल, नट नटिन, राजा शलेश जैसे अनेक वीरों की गाथाएं गायी जाती है। आप यह देखेंगे कि इसमें क्या

है, चुहरमल क्या है ? हमारे यहां हिन्दू जाति से वह अलग करने की दलितों की प्रवृति जगी थी उसके विरोध में सौहार्द्र का वातावरण फैलाने के लिए चुहरमल का जन्म हुआ और चुहरमल भी धन्य है कि आज उसकी गाथा गाकर हम फूले नहीं समाते हैं। बड़े बड़े नेता उसके उद्घाटन में जाते हैं। महोदय, बिहुला की कहानी क्या है, सती बिहुला क्या है यही तो समझने की चीज है। नारी के महत्व को वह दर्शायी है कि नारी कितना समर्पित भाव से आज के समाज में जीती है और समर्पण की भावना को बिहुला ने दर्शाया है। हुजूर, हिरनी बिरनी कमाल गीत है, अगर गीत गाने की परंपरा होती तो मैं हुजूर को गीत सुनाकर कुछ इनाम भी पा लेता, लेकिन परंपरा तो है नहीं। हिरनी बिरनी का गीत, यह नट नटिन का गीत है, इसको हम हेय दृष्टि से देखते हैं, वह नट नटिन हिरनी बिरनी के दो बहनों के माध्यम से अपने अधिकार और कर्त्तव्य को जगायी, यह हिरनी बिरनी है। राजा शलेश सामंती आतंक के विरोध में कहानी है। राजा चुहरमल, बिहुला के बारे में कहा। दीना भद्री कमाल है, ये हमारे कोशी क्षेत्र की थी। दीना भद्री सामंती अत्याचार के विरूद्ध बजाई हुई आवाज । दो भाइयों ने विरोध में आवाज दिया, उसकी कहानी है । बहुरा गोढ़िन तो बेगुसराय की है। कमाल है, बहुरा गोढ़िन मिट्टी को छू देगी तो आसमान बंद, मिट्टी को आसमान में ठोक दे तो धरती में समा जायेगी बहुरा गोढ़िन है। वहां से हमारे विधायक हैं मंडल जी, उसी क्षेत्र से वह आते है। बहुरा गोढ़िन यह भी दलित समस्या पर बौद्धिक संघर्ष का प्रदर्शन था। आप देखेंगे हमारे यहां नट नटीन आप देखेंगे, जट जटिन, हर तरह की परंपराएं हैं। हुजूर, स्टेशन पर पहुंचे नहीं कि लाल बत्ती दिखा दिये।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : बहुत सारे लोग हैं। कृपया रहम कीजिए आप।

श्री रामदेव राय : अल्हा रूदल और याद कीजिए विद्यापति जी को, विद्यापति कवि के संगीत में कमाल की क्षमता है देश नहीं दुनिया के लोग हिलते रहते हैं। उसके समदन, उसके नाचारी से बाबा भोला भी प्रसन्न हो जाते हैं। उसी देश के हम वासी हैं जो पत्थर को पूजा करते हैं नाचारी गाकर के और उस परंपरा को हम खोये जा रहे हैं तो हमें भूलना नहीं चाहिए कि हमें विरासत में जो परंपरा मिली है, जो सांस्कृतिक चेतना मिली है उसको हम भुलाएं नहीं। मगर आपने लाल बत्ती जला दिया है इसलिए मैं कहना चाहता हूँ बजट हुजूर मात्र कितना का है 1 अरब 25 करोड़ 94 लाख 48 हजार का बजट है। पिछले वर्ष मार्च में 1 अरब 29 करोड़ 98 लाख का बजट था इसमें योजना मद में 51.80 और गैर योजना मद में 74.18 करोड़ था,

लेकिन आप देखेंगे कि कला संस्कृति और युवा विभाग में पिछले वर्ष 700 लाख और इस बार 1000 लाख की चर्चा है। कितना कम है, गांव से परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के लिए मशहूर हैं वहां उस विभाग में मंत्रीजी को इतना कम पैसा मिला है कि हम कैसे भिखारी ठाकुर का एकेडमी बना सकेंगे, कैसे विद्यापति एकेडमी बना सकेंगे, कैसे सांस्कृतिक चेतना के एकेडमी बना सकेंगे, कैसे हम इतने बड़े-बड़े कार्यक्रम जो यहां चलते हैं- नाटक, संगीत और प्रदर्शन का ये कैसे प्रदर्शित कर सकेंगे।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : कृपया शांत हो जाइये।

श्री रामदेव राय : हुजूर, देखेंगे कि कुल मिलाकर 700 लाख गैर योजना में और 1000 लाख योजना मद में तो इसलिए.....

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : लिखित दे दिया जायेगा हुजूर। माननीय सदस्य, दे दिया जायेगा और सदस्यों का अब समय बहुत कम है।

श्री रामदेव राय : मेरे भाषण का पार्ट बना दिया जाय तो मैं दे देता हूँ।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : जी, जी । करा दिया जायेगा ।

श्री रामदेव राय : मुझे आप समय नहीं दिये कुछ कहने की बात थी, मगर इसके साथ मैं यह कहना चाहता हूँ कि हमारे यहां जयमंगला गढ़, हमारे यहां सिमरिया घाट, विद्यापति नगर, झमटिया घाट मशहूर पौराणिक स्थल है। इसको ऐतिहासिक स्थल में परिवर्तित करने की आप कृपा करेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ।

टर्न-22/अशोक/21.03.2016

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्य श्री विनय बिहारी, आपका समय है सात मिनट।

श्री विनय बिहारी : सभापति महोदय, मैं कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । महोदय, इस कला संस्कृति मंत्रालय का दो स्वरूप है, अगर देखा जाय तो कला संस्कृति मंत्रालय सबसे बड़ा मंत्रालय है, लेकिन यह मंत्रालय जो है, मैंने जो अनुभव किया है, इस मंत्रालय का मतलब है -मंत्री का वेतन उठाओ, लाल बत्ती लगाओ, फीता काटो, दीया जलाओ घर जाओ क्योंकि इस मंत्रालय को अलग से सचिव मिला

ही नहीं और न पदाधिकारी ही मिलते हैं और मंत्री महोदय जब सचिव से बात करते हैं तो सचिव महोदय बोलते है हमारे पास चार विभाग है, मुझे समय नहीं है । हम कहते हैं कि कोई भी मंत्री होगा, बिहार सरकार का कोई भी मंत्री के पद पर आसीन है तो उसको अगर पदाधिकारी का सहयोग नहीं मिलेगा तो कुछ काम नहीं करेगा । इतना बड़ा मंत्रालय है और इतना बड़ा इसका विभाग है ।

मैं छोटे-छोट शब्दों में जो समस्यायें हैं, उनको मैं अपनी भाषा में रखना चाहूंगा । खेल-कूद से हमलोग लेते है, आज तक इतने सालों से, सबसे पहले मैं तो धन्यवाद दूंगा कि बजट बढ़ा है, नहीं तो ये मंत्रालय तो, क्या मंत्रालय था लोग जानते थे कि दो-चार मंत्रालय है जिसे दे दिया जाता था कि लाला बत्ती लगाओ घूमों, बिहार भ्रमण करो । बजट बढ़ा है, यह निश्चित रूप से अच्छी बात है, लेकिन मैं कहूंगा इस बिहार में जहां 11 करोड़ की आबादी है, एक भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम नहीं है, एक भी स्टेडियम नहीं है और पूरे बिहार में, ऐसा कोई स्टेडियम नहीं है जो बरसात में कमर बराबर से लेकर ठेहुना तक का पानी नहीं लगता हो । मैंने पूरा बिहार का भ्रमण किया।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्य मंत्री भी रहे हैं ।

श्री विनय बिहारी : 534 प्रखण्ड हैं और जहां-जहां भी स्टेडियम बना हुआ है, मुश्किल से 10 से 15 स्टेडियम अपने अस्तित्व में है बाकी स्टेडियम अपने अस्तित्व पर आंसू बहा रहा है। इसके बाद खेल पुरस्कार दिया जात है ध्यान चंद जी के नाम पर और पूरे बिहार में ध्यान चंद जी के नाम पर एक भी स्टेडियम नहीं है और एक स्टेडियम के लिए जमीन है भी तो वह जमीन दूसरे विभाग में ट्रासफर कर दी गई है और जिस महान व्यक्ति के नाम पर हर साल लगभग दो सौ, ढ़ाई सौ खिलाड़ियों को और कलाकरों को पुरस्कृत करते हैं खेल विभाग से, उस ध्यान चंद जी के नाम पर कोई स्टेडियम नहीं है । इसके बाद खेल-कूद का जहां तक सवाल है, पाईका एक योजना के तहत पैसा आता है पंचायती स्तर पर । एक भी ब्लॉक में यह पैसा खर्च नहीं होता है और जब मैं मंत्री था तो मैंने अपने ब्लॉक के बी.डी.ओ. और डी.डी.सी. साहब लोगों से बात किया तो मुझे यह सूचना मिली कि वाह्ट ईज पाईका ? ऐसे ऑफिसर को, पाईका क्या है यह भी मालूम नहीं है तो योजना के पैसा का मां-बाप कौन होगा ? पैसा वापस कराने के लिए पत्र दिया गया, मिटिंग कराई गई तो मेरा कहने का मतलब है कि पैसा चाहे केन्द्र सरकार का हो, चाहे राज्य सरकार का हो चाहे केन्द्रांश और राज्यांश दोनों मिलकर हो-अगर यह पैसा खिलाड़ियो तक नहीं पहुंचता है तो इसका औचित्य क्या है, इससे क्या फायदा है ? हमारे पास 38 जिले हैं, मात्र सात से आठ जिला में खेल पदाधिकारी

बैठे हैं, एक बात बतलाई जाय कि जिस बिहार में 38 जिले हों, और मात्र सात से आठ जिला खेल पदाधिकारी हैं, होना तो यह चाहिए कि पंचायत स्तर पर एक औफिसर हों, चलिये पंचायत स्तर पर सम्भव नहीं है तो कम से कम 534 प्रखण्ड है, प्रखण्ड स्तर पर तो हमारा पदाधिकारी होना चाहिए जो इसकी मौनेटरिंग कर सके - तो ऐसी व्यवस्था है।

हमारे यहां खेल से संबंधित सामानों का वितरण कहीं नहीं होता है सिर्फ कागजी खाना-पूर्त्ति होती है और इस अभाव में, आज की तारीख में, पूरे बिहार में लोग अपने बच्चें को पढ़ाने के लिए आई.ए.एस. बनाने के लिए और आइ.पी.एस. बनाने के लिए तन, मन, धन, खेत, जगह-जमीन सब बेच देते है लेकिन यदि फुटबॉल खरीदना हो तो कोई बाप अपने बेटा को पैसा नहीं देते हैं । आज पंजाव चले जायं, हरियाणा चले जायं, अगर कोई खिलाड़ी खेल में अच्छी प्रतिभा दिखाता हैं तो उसको डायरेक्ट डी.एस.पी. बनाया जाता है । और हमारे यहां हर खेल से पांच खिलाड़ियों को नौकरी देने की बात कही गई थी, लेकिन बहुत अथक प्रयास के बाद, गंगवार साहब रोक दिये थे बहुत खिलाड़ियों को, अभी भी उस में से बहुत से खिलाड़ियों जो रोड पर घूम रहे है, कुछ लोगों का हुआ है उनमे से बहुत प्रयास करने के बाद, हंगामा करने के बाद- मेरा कहना है कि जब सरकार ने नियम बनाया कि प्रत्येक खेल से पांच खिलाड़ियों को नौकरी दी जायेगी, तो इसको हर साल करने में क्या प्रोब्लम है ? यदि ऐसा हमलोग करते है तो मां-बाप एस.पी., आई.जी., डी.आई.जी., डी.एम. बनाने के पहले वे सोचेंगे कि हम अपने बच्चें को खिलाड़ी बनाये ।

आप लाल बत्ती जला रहे है, अब हमारे पास समय की कमी है,बोलना तो बहुत था । हमने कहा कि पूरे बिहार में कला संस्कृति के नाम पर एक भी विद्यालय नहीं है, बिहार के बच्चे उत्तर प्रदेश में जाकर संगीत की शिक्षा लेते हैं । मैंने कहा कि उस्ताद बिसमिल्लाह खां जी के नाम पर मुजफफरपुर में, उस्ताद बिसमिल्लाह खां जी के नाम पर मुजफ्फरपुर में एक संगीत विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय, ताकि हमारे यहां के कलाकार, यहां के जो कलाकर हैं, उनको अपने प्रदेश में शिक्षा मिल सके ।

महोदय, परम्पराओं की बात कहते हैं कि हमारी संस्कृति बहुत लम्बी-चौड़ी है, बहुत भव्य है, हम अपनी संस्कृति खो रहे हैं, हमारे कलाकार जो दाने-दाने के लिए मोहताज हो रहे हैं, उसमें एक चीज बताई जाय- मोजरा, आज मोजरा लगभग बंद है, क्योंकि स्थानीय प्रशासन का कहना है कि आठ बजे के बाद नहीं करना है, आठ बजे

अगर आप बंद कर देंगे तो मोजरा गायन करने वाली क्या करे? वह जो कलाकार है, जो मोजरा गाने वाली कलाकार है वह बियर बार में नाचने के लिए मजबूर हो गई- इसका जवाब कौन देगा ? कव्वाली- एक भी बाप अपने बेटे को कव्वाली सीखाना नहीं चाहता है, गा कर क्या करोगे ? तो मेरा कहना है कि ऐसे कलाकार जो कव्वाली गाते हैं, सारंगी सदाबृष्ट गाते हैं, सो**ठी**बृजा बहार गाते है, सतीविहुला गाते है, आप लोक गाथाओं की बात करते हैं, लोक शैली की बात करते हैं, वैसे कलाकरों को अगर हम बिहार सरकार के माध्यम से उनको सम्मनित नहीं करेंगे, उनको हम आर्थिक सहायता नहीं करेंगे तो हम यह सोंच ले कि हमारी परम्परा जीवित रहेगी -यह सम्भव नहीं है ।

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : अब आप समाप्त करिये ।

श्री विनय बिहारी : जी, धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री जयवर्द्धन यादव, पांच मिनट में समाप्त करेंगे ।

श्री जयवर्द्धन यादव : अध्यक्ष महोदय, 16 वीं विधान सभा के बजटीय सत्र में और युवा, कला संस्कृति विभाग के बजटीय आवंटन के पक्ष में और प्रतिपक्ष के द्वारा दिये गये कर्टाती प्रस्ताव के विपक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं ।

महोदय, जैसा कि हम सब जानते हैं कि बिहार सरकार का, जो युवा उर्जा है, युवा शक्ति है, उसके तरफ उसका विशेष जोर है इसी कारण पिछले बजटीय आवंटन से इस बजटीय आवंटन में विभाग का बजट बढ़ा है और इसका नतीजा हुआ कि युवा का सबसे महत्वपूर्ण विभाग जो है वह खेल-कूद का है । क्रमशः

टर्न-23-21-03-2016-ज्योति

श्री जयवर्द्धन यादव : युवाओं में सबसे महत्वपूर्ण विभाग है खेल विभाग । आज खिलाड़ीगण प्रतिस्पर्द्धा और प्रतिभा में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है उसमें हमारे खिलाड़ी मुकाबला जीत कर आ रहे हैं, अपेक्षाकृत पिछले वर्ष से, इस वर्ष ज्यादा मुकाबला जीत कर आ रहे हैं । यह निश्चित ही सराहनीय काम है । बिना खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिए हुए जो बिहार की सरकार भी दे रही है, वह संभव नहीं हो पाता, इसके लिए युवा एवं कला संस्कृति मंत्रालय निश्चित रुप से धन्यवाद का पात्र है और

वह सराहनीय कार्य किया है । महोदय, इसलिए उनके बजटीय आवंटन के पक्ष में बोलने के लिए संभवतः पहली बार खड़ा हुआ हूँ । महोदय, चूँकि समय कम है तीन चार मुख्य बिन्दुओं पर ले जाकर मैं अपनी बात को समाप्त करुंगा । जो कला का क्षेत्र है, मधुवनी पेन्टिंग, मधुवनी चित्रकला जो कि बिहार का सबसे संभवतः कला के क्षेत्र में बिहार का सबसे अहम जो स्थान है वह मधुवनी चित्रकला का ही है । अगर आप बजट को देखेंगे बजटीय आवंटन और उसका जो विवरण है, उसको देखेंगे तो मधुवनी चित्र कला के लिए काफी कुछ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के लिए काफी कुछ सरकार कर रही है । साथ ही कला के क्षेत्र में, राजगीर में फिल्म अकादमी इशटैब्लिश करने की बात हो रही है जिससे युवा कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा । नौजवानों को भी प्रोत्साहन मिलेगा । कम से कम नये रोजगार का अवसर पैदा होगा । इसके लिए भी राज्य सरकार सराहनीय कार्य कर रही है । साथ ही संस्कृति के क्षेत्र में जो सबसे महत्वपूर्ण कार्य बिहार सरकार कर रही है वह डिजिटाईजेशन कर रही है । जो डिजिटल लिस्टिंग है, विभिन्न पाण्डुलिपियों की, विभिन्न पौराणिक दस्तावेज हैं, उनकी जो डिजिटल लिस्टिंग कर रही है वह सबसे अहम है कि वह नये युग के साथ जुड़ेगा और इसका जो डाटा बेस तैयार करके हमलोग इन्टरनेट पर डालेंगे । यह निश्चित रुप से बहुत ही सराहनीय कार्य है, इससे देश विदेश तक जितनी भी हमारी पाण्डुलिपियाँ हैं और जितने भी पौराणिक दस्तावेज हैं, उन सब की लिस्टिंग होकर जब नेट पर जायेगा और उससे डाटा बेस तैयार होगा तो निश्चित रुप से देश विदेश के लोग इसको देखेंगे और जानेंगे कि हमारी संस्कृति क्या है । महोदय, अब मैं अपने क्षेत्र के विषय में कुछ मांग रखना चाहता हूँ । बिहार सरकार विभिन्न जगहों पर स्टेडियम बना रही है । युवा एवं सस्कृति मंत्रालय के माध्यम से 534 प्रखण्डों में खेल स्टेडियम बनाने का सरकार का निर्णय है । संभवतः कुछ जगह पूरा हो गया है, कुछ जगह कार्य को पूरा किया जा रहा है । महोदय, मेरे यहाँ दो हाई स्कूल है चण्ढोस में जो कि पालीगंज में पहले से एक स्टेडियम पूर्वनर्मित है लेकिन चण्ढोस में महोदय, चूँकि दूरी बहुत है , मेरे ख्याल से मुख्यालय से कम से कम 12-15 कि0मी0 दूरी पर अवस्थित यह हाई स्कूल है, यहाँ पर स्टेडियम के लिए सरकार से आपके माध्यम से आग्रह करुंगा । दुल्हिन बाजार प्रखण्ड मेरा उग्रवाद ग्रस्त प्रखण्ड रहा है । वहाँ भरतपुरा हाई स्कूल है । वहाँ पर भी एक स्टेडियम का निर्माण दुल्हिन बाजार में क्योंकि वहाँ खुद का कोई स्टेडियम नहीं है इसलिए मंत्री जी से आपके माध्यम से, आग्रह करुंगा कि वहाँ भी स्टेडियम का निर्माण हो । मेरे यहाँ का

एक दिव्यांग खिलाड़ी है, धीरज कुमार, महोदय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्पेशल औलम्पिक जो हुआ था, उसमें भारत का प्रतिनिधित्व करने का उसको मौका मिला था । मेडल वगैरह भी जीतकर आया है । उसको राजकीय प्रोत्साहन और राजकीय जो भी सुविधा प्राप्त हो सके, उसके लिए भी सरकार से, आपके माध्यम से आग्रह करेंगे । मेरे यहाँ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का गोपाल शरण सिंह, भरतपुरा लायब्रेरी है जिसको हमलोग शौर्ट में भरतपुरा लायब्रेरी कहते हैं । माननीय मुख्यमंत्री जी भी वहाँ गए हुए थे । माननीय मुख्यमंत्री जी के पहल पर वहाँ नये भवन का निर्माण भी हो रहा है जिसमें लायब्रेरी में अकबर शाहनामा जैसी पुरानी पाण्डुलिपि और दस्तावेज हैं उन सबको संरक्षित करने के लिए नये भवन का निर्माण हो रहा है । उसमें और सुविधा बढ़ायी जाय और जितने भी छात्र छात्राएं हैं स्कूलों में, विद्यालयों में खास तौर पर शहरी क्षेत्रों में उनका भ्रमण कार्यक्रम वहाँ लगाया जाय ताकि वह भी अपनी संस्कृति को जान सके । अकबर शाहनामा को देख सकें । महोदय, संभवतः बिहार में बहुत कम ही जगह पर यह सब पाण्डुलिपि उपलब्ध हो पायेंगे । इसके लिए भी सरकार से आग्रह करुंगा कि उसका और विकास हो । राजकीय सहायता उसको मिले । महोदय, मेरे यहाँ पौराणिक उलारपुर सूर्य मंदिर है । देव के बाद और औंगारी के बाद संभवतः उलार का ही स्थान आता है । जहाँ पर छठ के समय भी और अन्य दिनों पर भी अच्छी खासी भीड़ भाड़ रहती है और वह पौराणिक मंदिर है । वहाँ स्थानीय नागरिको के पहल पर एक छोटा सा महोदय, उलार महोत्सव मनाया जाता है । आपके माध्यम से महोदय, सरकार से , माननीय मंत्री जी से आग्रह करुंगा कि उसको भी राजकीय संरक्षण और प्रोत्साहन दिया जाय । राशि उपलब्ध करायी जाय ताकि वहाँ पर भी आयोजन और वृहद रुप से हो सके और लोग उलार मंदिर के बारे में भी जानें और पहचाने । इन्हीं शब्दों के साथ माननीय विपक्ष के कटौती प्रस्ताव के विरोध में और खासकर उनसे आग्रह करेंगें कि अपना कटौती प्रस्ताव वापस लें, हालांकि बहुत ज्यादा लोग अभी मौजूद नहीं हैं तब भीं । बहुत बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : श्री सुधीर कुमार, आपको 5 मिनट में अपनी बात कहनी होगी ।

श्री सुधीर कुमार उर्फ बंटी चौधरी : सम्मानित अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा मुझे बोलने का पहली बार मौका दिया गया है, इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ । कला संस्कृति एवं युवा विभाग की मांग प्रस्ताव के पक्ष में तथा विपक्ष के द्वारा जो कटौती प्रस्ताव लाया गया है उसके विरोध में अपना वक्तव्य देने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ, पर उससे पहले मैं सदन और सम्मानित सदस्यों को प्रणाम करता हूँ और सबसे पहले मैं संविधान

निर्माता भीमराव अम्बेदकर जी को शत शत नमन करता हूँ जिसके कारण मैं यहाँ तक पहुंच पाया हूँ । आभार व्यक्त करना चाहता हूँ हमारी राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया जी को, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा हृदय सम्राट राहुल गांधी जी को, हमारे नेता और विकास पुरुष नीतीश कुमार जी को और राजद कें राष्ट्रीय अध्यक्ष सामाजिक न्याय के योद्धा और गरीबो के मसीहा लालू प्रसाद यादव जी को और मैं साथ ही साथ अपने प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त करता हूँ जिसने मुझपर विश्वास किया और जिस कारण मैं यहाँ पर आ सका । माननीय प्रदेश अध्यक्ष, अशोक चौधरी जी का, युवाओं के साथी उप मुख्यमंत्री तेजस्वी जी का, मैं आभार व्यक्त करता हूँ । साथ ही साथ मैं सिकन्दरा के तमाम भाग्य विधाता जनता का मैं नमन करता हूँ और उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ । महोदय, हमारे सूबे के मुखिया, हमारे विकास पुरुष के द्वारा जो 7 निश्चय किया गया है उसमें सबसे मुख्य बात है कि उसमें 7 निश्चय में सबसे पहले युवाओं के लिए उन्होंने बात रखी है । आर्थिक हल युवाओं के बल । मैं 7 निश्चय युवाओं के लिए, जो उन्होंने पहली बात रखी, इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ । जिसतरह से हमारे हिन्दू विवाह में, 7 वचनों का महत्व है, उसीतरह से, हमारे मुखिया ने, समाज में जनता और सरकार के बीच में रिश्ते निभाने के लिए 7 निश्चय किये हैं । मैं जनता को न्याय के साथ विकास करने के लिए महोदय, जिसतरह से हमलोग काम कर रहे हैं जरुर से जरुर जनता को लाभान्वित कर पायेंगे । जिसतरह से हमें शारीरिक विकास के लिए भोजन की आवश्यकता है, उसीतरह से हमारे शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल, कला की आवश्यकता है । महोदय, जिस कला संस्कृति विषय पर आज मैं अपना वक्तव्य दे रहा हूँ, भारत में युवाओं की संख्या आबादी लगभग 60 परसेंट है और मैं भी एक युवा हूँ और सौभाग्य से षोडश बिहार विधान सभा में सबसे कम उम्र का विधायक बनने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है । महोदय, खेल और कला संस्कृति से युवाओं का सर्वांगीण विकास होता है, विभिन्न उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को हमारे मंत्रालय द्वारा सहायता, अनुदान प्राप्त कराया जा रहा है। विभिन्न स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जा रहा है । खिलाड़ी कल्याण कोष के अन्तर्गत खिलाड़ियों को उपकरण , चिकित्सा एवं डिप्लोमाएं इन स्पोर्ट्स कोचिंग कोर्स हेतु आर्थिक सहायता दी जा रही है । मुख्य मंत्री खेल विकास योजना के अन्तर्गत राज्य के सभी 534 प्रखण्डों में आउट डोर स्टेडियम के निर्माण की योजना है । इसमें 239 स्टेडियम निर्माणाधीन हैं । राज्य के खिलाड़ियों और युवाओं के लिए खेल संबंधित मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने हेतु आवश्यकतानुसार

व्यायामशालाओं (जीम) के निर्माण की योजना सुचारु रुप से करायी जा रही है । राज्य में राजगीर मे एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का एक क्रिकेट स्टेडियम एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के निर्माण की योजना है । मैं इसके लिए मंत्रालय और माननीय मुख्यमंत्री को साधुवाद देता हूँ । राज्य के सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, सम्बर्द्धन विकास एवं प्रचार करने चातुर्य प्रदत कला के क्षेत्र में राज्य, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारो को प्रत्येक वर्ष बिहार कला पुरस्कार प्रदान करने की सरकार जो विचार रखती है, मैं उसका समर्थन करता हूँ । बिहार की अस्मिता एवं पहचान को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महत्सवों एवं स्थापना दिवस का आयोजन किया जाता है । राज्य में फिल्म के विकास हेतु फिल्म सिटी का निर्माण कराया जा रहा है मैं इसके लिए बहुत बहुत साधुवाद देता हूँ ।

क्रमशः

टर्न-24/विजय/ 21.03.16

श्री सुधीर कुमार उर्फ बंटी चौधरी : ...क्रमशः... फिल्म निर्माताओं के लिए जो बिहार के निर्माता हैं जो मुम्बई में काम कर रहे हैं अगर बिहारी पृष्ठभूमि में वे फिल्म बनाते हैं तो अगर उनको सबसिडी दिया जाय तो हमारे बिहार का बहुत नाम रौशन होगा । महोदय, अब मैं अपने क्षेत्र के बारे में ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं ।

अध्यक्षः सुधीर जी । अब शीघ्र समाप्त करिये । जल्दी से आधा मिनट में अपनी बात कह दीजिये ।

श्री सुधीर कुमार उर्फ बंटी चौधरी : क्षेत्र की समस्या की तरफ घ्यान आकृष्ट करता हूं । हमारे सिकंदरा में जमुई जिला में रंगशाला खोलने की मांग मैं रखता हूं । वह भगवान महावीर की जन्म स्थली है ।

भगवान महावीर अहिंसा के दूत थे । उस क्षेत्र से जुड़े महावीर से जुड़े संग्रहालय खोलने का मैं मांग रखता हूं । हमारे क्षेत्र में एक मॉडल स्टेडियम का निर्माण कराया जाय । हमारा क्षेत्र नक्सल प्रभावित है । इसलिए युवाओं को जो भी खेल संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है उस क्षेत्र के जो युवा है मेरी मांग है कि उनको प्राथमिकता दी जाय । लछुआर में जो महावीर जन्मस्थली है वहां लछुआर महोत्सव मनाने का जो सरकार का निर्णय हुआ है मैं इसके लिए सरकार का आभार व्यक्त करता हूं । उस आयोजन को राजकीय आयोजन किया जाय और कला संस्कृति से जोड़ा जाय । इन्हीं

सब बातों के साथ माननीय सदस्यों एवं माननीय अध्यक्ष जी को होली का हार्दिक शुभकामना देता हूं । धन्यवाद ।

श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंहः महोदय, कला संस्कृति और युवा विभाग के बजट के कटौती के लिए माननीय सदस्य, श्री मिथिलेश तिवारी द्वारा लाये गये प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं । चूंकि समय कम है बहुत बातें नहीं हो सकती हैं । दो तीन बातों पर सदन का ध्यान मै आकृष्ट कराना चाहूंगा । पहला यह कि कटौती इसलिए भी बिहार सरकार जो बजट की राशि निर्धारित कर रही है उस बजट का पैसे खर्च नहीं कर रही है । आज 21 तारीख हो गया महोदय मार्च का महीना है । पिछले बार जो बजट इस विभाग को मिला था उसमें 50 प्रतिशत ही पैसे खर्च हो पाए हैं । इस परिप्रेक्ष्य में कटौती अपेक्षित है । मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि जो बजट के पैसे आपके हैं बजे हुए जो 9 दिन है आप बचे हुए 9 दिन के अंदर इसके पैसे को खर्च करिये । महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा खेल के विकास की बात हो रही है संयोग बहुत अच्छा है सौभाग्य भी है बिहार का कि बिहार के इस सदन में जो उप मुख्यमंत्री है श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी खुद खेल से जुड़े रहे हैं । क्रिकेट के एक अच्छे खिलाड़ी रहे हैं । मैं मानता हूं कि बिहार के युवाओं का भविष्य ये युवा नेता भी हैं उप मुख्यमंत्री भी हैं खेल से भी इनका संबंध रहा है खेल के क्षेत्र में ये बिहार के युवाओं का विकास करेंगे । माननीय मंत्री जी से मैं आग्रह करूंगा कि माननीय मंत्री जी अभी बिहार में युवा आयोग का गठन नही हो सका है कला संस्कृति विभाग अभी तक युवा आयोग का गठन नही कर पाया है । महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि आप युवा आयोग का गठन करें और बिहार के युवाओं में खासकर ग्रामीण क्षेत्र के जो प्रतिभावान युवा हैं उनको निश्चित रूप से आगे बढ़ाइये । ये बिहार ऐसी धरती है जिस धरती पर भिखारी ठाकुर, महेन्द्र नंदन खत्री, बद्रीनाथ वर्मा, राहुल संस्कृत्यान, शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुरी जैसे विभूति पैदा हुए हैं । जिनके निबंध, आदर्श संस्कृति और उनके द्वारा जो दिशा दर्शन प्राप्त हुआ था बिहार दुनिया के क्षेत्र में अग्रणी रहा है । महोदय, मैं पहले केशरिया क्षेत्र का प्रतिनिधि था इस सदन का और केशरिया ऐसा क्षेत्र रहा है जहां से गौतम बुद्ध अपने निर्वाण के समय में वहां आकर दुनियां का ज्ञान का संदेश उन्होंने दिया था और आज भी धरोहर के रूप में केशरिया का बौद्ध स्तूप जो दुनिया का सबसे उंचा और बड़ा बौद्ध स्तूप है वह विद्यमान है निश्चित रूप से आपको उसका विकास करना चाहिए । और आज के दिन महोदय मैं कल्याणपुर के कल्याणमयी घरती से आता हूं जहां मैं

आपको बताना चाहूंगा आपके माध्यम से पूरे सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि दुनिया का सबसे बड़ा हिन्दु मंदिर जो महावरी मंदिर के सौजंन्य से निर्मित हो रहा है वह कल्याणपुर विधान सभा के क्षेत्र में ही जसवलिया में निर्मित हो रहा है । जो सिर्फ भारत के लिए ही नहीं दुनिया के लिए एक ऐसा आदर्श स्थापित करेगा जिससे संस्कृति और कला के क्षेत्र मे ही प्रगति नहीं होगी रोजगार के क्षेत्र में भी वहां के युवाओं को प्रगति मिलेगी । महोदय, समय कम है आपके माध्यम से मैं कहना चाहूंगा माननीय मंत्री जी से कि मेरे क्षेत्र में जब महात्मा गांधी जी चंपारण की पहली अपना यात्रा किये थे 16 अप्रैल, 1917 को उस संदर्भ में वहां चंपारण सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन होता है । इस साल भी 9 और 10 अप्रैल को आयोजन है मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आपको भी उसमें चलना है । माननीय श्रवण बाबू यहां बैठे हुए हैं महोत्सव में श्रवण बाबू भी शामिल हुए हैं । पिछले साल श्रवण बाबू उस महोत्सव में गए थे । उस महोत्सव को सरकारी महोत्सव के रूप में सरकारी महोत्सव मनाइये । यह चंपारण संस्कृति महोत्सव है। इसको आप सरकारी महोत्सव के रूप में मनाइये ।

अध्यक्ष: अब आप समाप्त करें।,

श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह: महोदय दो मिनट अभी मेरा समय भी समाप्त नहीं हुआ । महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में स्टेडियम के मामले में कोटवा जो प्रखंड है उसमें एक भी स्टेडियम नहीं है । ओर कल्याणुर में एक स्टेडियम का निर्माण भी शुरू हुआ वह भी स्टेडियम पूरा नहीं हुआ है । मोतीहारी जिला चंपारण जो सत्याग्रह की भूमि रही है वहां इनडोर स्टेडियम बनना शुरू हुआ नेहरू स्टेडियम वह भी पूरा नहीं बन पाया है । इस स्टेडियम को ठीक कराइये अच्छा बनाइये । और ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को प्रतिभावान बनाइये । मैं होली के शुभ अवसर पर और बिहार दिवस के पूर्व संध्या पर आपके माध्यम से पूरे बिहार वासियों को सदन के सभी मित्रों को होली की शुभ कामनाएं और बिहार दिवस को लाख लाख बधाई और धन्यवाद देते हुए आपके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं ।

श्री विजय शंकर दूबे: अध्यक्ष महोदय, कला संस्कृति और युवा विभाग का जो बजट माननीय मंत्री ने प्रस्तुत किया है उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं ।

महोदय, कला एवं संस्कृति विभाग का बजट तो इस साल बढ़ा है। बढ़ना भी चाहिए । और वैसे इस विभाग का नीतीश कुमार जी के हुकूमत में नीतीश कुमार जी स्वयं सभी विभागों को आगे बढ़ाने का और इस प्रदेश को राष्ट्र के अगली कतार

के प्रांतों में खड़ा करने की दिशा में जो सराहनीय कदम उठाया है उसकी सराहना की जानी चाहिए ।

मैं बजट के मूल बात पर आता हूं महोदय । चंपारण का महोत्सव होने वाला है इस विषय पर मैं कहना चाहता हूं कि आखिर गांधी जी चंपारण ही क्यों आए। कहीं न कहीं बिहार की भूमि की मिट्टी की सुगंध इसकी महक गांधीजी पहचानते थे। गांधी जी को तो अवसर था राष्ट्र के किसी भी प्रांत में महाराष्ट्र में, बंगाल में उड़िसा में कहीं भी आंदोलन कर सकते थे लेकिन बिहार ही को क्यों चुना । इसके विस्तार में मैं नहीं जाना चाहता हूं । उस महोत्सव की महिमा को और बढ़ाये सरकार और सरकारी स्तर पर मनाये मै यह मांग करता हूं ।

अध्यक्ष: अपने इलाके की बात पर आइये ।

श्री विजय शंकर दूबे: महोदय, मैं अपने इलाके की बात को जिस मैंने आपसे समय की याचना की थी महोदय, सीवान जिला के सिसवन प्रखंड में महेन्द्र नाथ भगवान शंकर का बहुत पौराणिक मंदिर है जिसको नेपाल के महाराजा ने बनवाया था । और उसकी कथा है मैं विस्तार में जाना नहीं चाहता । राज्य में अनेक राजगीर महोत्सव, मुण्डेश्वरी महोत्सव अनेक महोत्सव मन रहे हैं महत्वपूर्ण स्थान का मैं सबका समर्थन करता हूं लेकिन यह मांग करता हूं कि माननीय मंत्री महेन्द्रानाथ महोत्सव फाल्गुन पूर्णिमा के कृष्ण पक्ष में त्र्योदशी और चर्तुदर्शी को मनाने की घोषणा भी अपने बजट भाषण में करें यह मैं सदन से मांग करता हूं । महोदय, अंतिम बात मैं कहना चाहता हूं सारण जिला के जिला में तो स्टेडियम एक है कलेक्ट्रियेट मैदान में । लेकिन दूसरा कोई रूरल इलाके में ग्रामीण क्षेत्र में स्टेडियम नहीं है जलालपुर में हाईस्कूल मैदान में एक स्टेडियम बने इसकी भी मैं मांग करता हूं । महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं । आसन से समय दिया गया बहुत बहुत धन्यवाद । आपके प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूं ।

अध्यक्ष: ठीक है । श्री अरूण कुमार दो मिनट में अपनी बात समाप्त करेंगे । फिर सरकार का उत्तर होगा ।

(भोजपुरी में दिये गये भाषण का हिन्दी अनुवाद)

श्री अरूण कुमार: माननीय अध्यक्ष जी, आज कला,संस्कृति एवं युवा विभाग के बजट का मैं समर्थन करता हूं और बजट का विरोध करने वाले भाजपा के कटौती प्रस्ताव का मैं विरोध करता हूं। अध्यक्ष जी से मैं अनुरोध करूंगा कि पहली बार मैं विधान सभा में आया हूं दो मिनट का समय हमको नहीं दिया जाय, थोड़ा बोलने दिया जाय । महोदय,

सभी माननीय सदस्यों की बात को हमने सुना है । गरीब गुरबा के वोट से हमलोग जीतकर आए हैं, हमारे महागठबंधन की जीत हुई है । गरीब गुरबा की जीत हुई है । हमारे गरीब गुरबा के गांव में टोला में एक भी फिल्ड नहीं है । हम कहना चाहते हैं ...

टर्न–25/राजेश/21.3.16

अध्यक्षः– माननीय सदस्य अरुण जी, आपके अपनी भाषा के प्रेम से हम सब लोग प्रभावित हैं लेकिन इस सदन की भाषा हिन्दी है,क्योंकि सब लोग अगर अपनी–अपनी भाषा में बोलने लगेंगे, तो कठिनाई हो जायगी । इसलिए आप कोशिश कीजिये कि हिन्दी में बोलें।

श्री अरुण कुमारः– जी सर। इसलिए हम कहना चाहते हैं कि स्कूल में एक घंटी अंताक्षरी, एक घंटी खेलकूद होता था लेकिन अभी किसी भी स्कूल में कोई खेलकूद नहीं हो रहा है, हम माननीय मंत्री जी से कहना चाहते हैं कि हर स्कूल में खेलकूद के समय में शिक्षक छुट्टी करके चले जाते हैं,इसको कंट्रोल करना पड़ेगा। हम सदन के माध्यम से यह कहना चाहते हैं कि महुआ चैनल पर हम माननीय मंत्री जी को देखे, महुआ चैनल पर देखकर हमें बहुत खुशी हुई कि आज हमारे लालू जी, हमलोगों के गरीब के मसीहा लालू जी, नीतीश जी की देन है कि हमलोग जैसा गरीब का बेटा महुआ चैनल पर माननीय मंत्री जी को देखे और हम कहना चाहते हैं कि पहले हर नौकरी में गरीब गुरबा के गॉव टोला के खिलाड़ियों को हरेक नौकरी में सुविधा रहती था । कुश्ती में, कोई भी चीज में, महोदय हम पहले कुश्ती लड़ते थे,पहले हम फुटबौल खेलते थे,क्रिकेट के मैदान में, क्रिकेट अंग्रेज का लाया हुआ है लेकिन फुटबॉल हमलोगों के गॉव में खेला जाता था, जैसे क्रिकेट को मान्यता दिया गया है,वैसे ही फुटबॉल को गॉव में मान्यता देना चाहिए । कबड्डी के संबंध में हम बताना चाहते हैं कि इसके लिए सभी माननीय सदस्यों ने मांग की है कि स्टेडियम होना चाहिए, तो हमलोगों को हर गॉव में फिल्ड होना चाहिए, यह हम आपके माध्यम से बताना चाहते है कि भाजपा के द्वारा जैसे मोदी जी वोट के दिन बोले कि 20–20 लाख खाता में जायेगा और इसके अतिरिक्त जो हमलोगों को अटैची मिला है तो हमारे भाजपा के माननीय सदस्य कह रहे है कि इसे लौटाया जायेगा, जैसे भाजपा के पहले मोदी जी बोले की जुमला बा, तो वैसे

ही यहॉ के भाजपा प्रतिनिधि अटैची को लौटाने की बात कर रहे हैं, यह भी जुमला ही है । महोदय, हमारे यहॉ कुतुकपुर दियर पड़ता है, हमलोग भिखारी ठाकुर के बगल के हैं, इसलिए हम सदन के माध्यम से मांग करना चाहते हैं कि आज भोजपुरी में जितना नाटक होता है,पहले जो नाटक होता था, तो उससे शिक्षा मिलती थी, परंतु अब जो भोजपुरी फिल्म है,वह देखने लायक नहीं है,पहले जब भोजपुरी फिल्म लगती थी, हमारी माता,बहनें सब लोग जाकर देखते थे,इसलिए आज के भोजपुरी फिल्म पर कंट्रोल होना चाहिए, हमलोग के इलाके में कुतुकपुर दियर बगल में पड़ता है आरा–छपरा के बीच में, हम मंत्री जी से अनुरोध करेंगे कि उस पुल का नाम भिखारी ठाकुर के नाम से होना चाहिए ।

अध्यक्षः–अब आप समाप्त कीजिये । माननीय मंत्री जी भी बोलेंगे । आप अंतिम बात कह लीजिये।

श्री अरुण कुमारः– हम यह कहना चाहते हैं कि हमलोगों के इलाके में जितना गाना गाया जाता है, वह बहुत अश्लील गाया जाता है,जैसे हमलोगों के यहॉ दारु बंद हो गया, वैसे ही सब थाना में ऑर्डर दिलाया जाया कि जहॉ अश्लील गाना गाया या बजाया जायेगा, उसको थाना में बंद किया जायेगा । इतनी ही बात कहकर मैं समाप्त करता हूँ कि यह माननीय लालू जी की ही देन है कि आज हम माईक पकड़कर सदन में बोल रहे हैं,वैसे हम जानते हैं कि भोजपुरी भाषा यहॉ बोलने का नहीं है लेकिन उसके बावजूद हम बोले हैं क्योंकि उसमें बोलने में मैं सहज महसूस करता हूं । अब हम आप सभी को प्रणाम करके अपनी बात को समाप्त करते हैं ।

श्री ललन पासवानः– अध्यक्ष महोदय, आज सरकार का कला,संस्कृति एवं युवा विभाग का, पंचायती राज और खनन विभाग का यानि तीन विषयों का डिमांड है लेकिन आज एक भी सेक्रेटरी रैंक के पदाधिकारी पदाधिकारी दीर्घा में नहीं है, यह बड़ा ही निंदनीय है।

अध्यक्षः– ठीक है। बैठिये।

माननीय सदस्यगण, अब सरकार का उत्तर होगा। माननीय मंत्री,कला संस्कृति एवं युवा विभाग।

श्री शिवचन्द्र रामः– माननीय अध्यक्ष महोदय, आज कला, संस्कृति एवं युवा विभाग से संबंधित मैंने 1,25,94,48,000/–(एक अरब, 25 करोड़, 94 लाख, 48 हजार) का बजट जो पेश किया है, उसके संबंध में सरकार की ओर से आसन के माध्यम से सदन में अपना वक्तव्य दे रहा हूँ। अभी हमारे इस वक्तव्य में माननीय सदस्य श्री मिथिलेश तिवारी जी, श्री भोला यादव जी, माननीया श्रीमती कविता कुमारी जी, माननीया श्रीमती भावना झा जी, माननीय ललन पासवानजी, माननीय सुदामा प्रसाद जी, माननीय श्यामबाबू प्रसाद

जी, माननीय संजय कुमार सिंह जी, माननीय वशिष्ठ सिंह जी, माननीया एज्या यादव जी, माननीय रामदेव राय जी, माननीय विनय बिहारी जी, माननीय जयवर्धन यादव जी, माननीय सुधीर कुमार उर्फ बंटी चौधरी जी, माननीय सचीन्द्र प्रसाद जी, माननीय विजय शंकर दूबे जी और माननीय अरुण कुमार जी, सभी माननीय सदस्यों ने बहुमूल्य सुझावों से मुझे अवगत कराने का काम किया है,हम उन्हें आदर करते हैं और आदर के साथ उनका स्वागत करते हैं और जिन्होंने जो भी सुझाव माननीय सदस्यों ने, जो देने का काम किया है,हम उसपर बिल्कुल पहल करने का काम करेंगे और उन सभी लोगों के मान और सम्मान में निश्चित रुप से, जो हमारा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग है,उसको बढ–चढ़कर आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले आपके माध्यम से आज प्रसिद्व शहनाई वादक स्वर्गीय बिस्मिल्लाह खॉ जी का 100वॉ जयन्ती समारोह है, हम उनके चरणों में दो फूल अर्पित करते हुए हम उन्हें आदाब करते हैं और साथ–साथ बिहार दिवस एवं होली की शुभकामना सदन के माध्यम से हम देना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, बिहार के विकास और इसके ग्रोथ रेट की प्रशंसा अब अन्तराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है,निश्चय ही यह कुशल राजनीतिक नेतृत्व और विकास के प्रति सुचिंतित नीतियों का प्रतिफल है। उल्लेखनीय है कि विकास के इस प्रस्ताव को बिहार की धरती और यहॉ के लोग अब महसूस भी कर रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री के दूरदर्शी और कल्पनाशील नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाई की ओर अग्रसर है। महत्वपूर्ण यह है कि यह विकास सिर्फ भौतिक नहीं सिर्फ सुख–सुविधा, सहूलियतों, सेवाओं के संदर्भ में नहीं, बिहार के संपूर्ण सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में भी उतना ही प्रभावी है। माननीय मुख्यमंत्री और माननीय उप–मुख्यमंत्री के बिहार के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करने की कोशिश में कला,संस्कृति एवं युवा विभाग, पूरे वर्ष बिहार में अपनी सांस्कृतिक गतिविधियों से नयी उर्जा का संचार करता रहा है। विभाग अपने चार निदेशालयों के जरिये कला–संस्कृति विरासत संरक्षण एवं खेल और युवा क्षेत्र में अपनी प्रगतिशील भूमिका का निर्वहन करता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, विकास की रोशनी समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके, सरकार के इस संकल्प को सार्थक करने की कोशिश में विभाग ने अपनी गतिविधियों को राज्य के सुदूर पंचायतों तक ही पहुंचाने की कोशिश नहीं की है बल्कि गॉवों में अपनी लोक–संस्कृति की अलख जगाने वाले गुमनाम प्रतिभाशाली कलाकारों को तलाश कर उन्हें संस्कृति की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में भी सक्रिय

है। इस क्रम में चाक्षुष एवं प्रदर्श कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय में 600 सीट की क्षमता वाले आदर्श प्रेक्षागृह-सह आर्ट गैलरी के निर्माण की योजना बनाई गई है, जिसके अन्तर्गत 819.00 लाख(आठ करोड़ उन्नीस लाख रुपये) मात्र की दर से प्रथम चरण में 8 जिला यथा किशनगंज, अररिया, पूर्वी चंपारण(मोतिहारी), जमुई, दरभंगा, बॉका, सहरसा एवं वैशाली को जिला मुख्यालय में जिला-प्रेक्षागृह सह-आर्ट गैलरी निर्माण की कार्रवाई की जा रही है।

हमारी योजना प्रेमचंद रंगशाला परिसर को एक पूर्ण सांस्कृतिक केन्द्र के रुप में विकसित करने की है। इस उद्धेश्य से परिसर की खाली भूमि पर 'रिहर्सल शेड' बनाने का कार्य प्रगति पर हैं। इसके निर्माण के पश्चात रंगकर्मियों को नाटकों के अभ्यास के लिए स्थान की कमी दूर होगी और विश्वास है। पटना में रंगकर्म के स्तर के विकास में यह सहायक होगा।

विकसित बिहार की पहचान को देश भर में पहुँचाने के उद्धेश्य से पूरे देश के साथ हमने एक सांस्कृतिक सेतु विकसित करने की कोशिश की है।

क्रमशः

टर्न- 26/कृष्ण/21.03.2016

श्री शिवचन्द्र राम : (क्रमशः) इस क्रम में बिहार की संस्कृति और यहां की सांस्कृतिक पहचान को हमारे कलाकारों ने जयपुर के रंग महोत्सव में अपनी भागीदारी दर्ज की हैं। कुल्लू में आयोजित सास्कृतिक महोत्सव के साथ, रायपुर में भी आयोाजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में भी बिहार के कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक पहचान से देश को भी जोड़ने की सार्थक कोशिश की है ।

अध्यक्ष महोदय, इस वर्ष कला संस्कृति विभाग द्वारा अपने नियमित आयोजनों के साथ 'पटना फिल्म फेस्टिवल' की अभिनव शुरूआत की गई है । फेस्टिवल में हिन्दी के साथ-साथ मलयालम, तेलगू, मराठी, संस्कृत, अंग्रेजी जैसी देश की विभिन्न भाषाओं की प्रशंसित एवं पुरस्कृत भाषाओं का प्रदर्शन हुआ । इस योजना में भोजपुरी की भी 2 फिल्में प्रदर्शित की गयी । इस फेस्टिवल में इमतियाज अली, बुद्धदेव दास गुप्ता, शेखर सुमन, पंकज त्रिपाठी, दिव्या दत्ता जैसे सिनेमा से जुड़ी हस्तियों की उपस्थिति से बिहार में सिने के लिए एक सार्थक माहौल तैयार हुआ है । बिहार में फिल्म निर्माण की संभावनाओं और फिल्मकारों की बढ़ती रूचि को देखते हुये बिहार में फिल्म नीति की जरूरत महसूस की जा रही थी । हमें यह सूचित करते हुये

खुशी हो रही है कि बिहार राज्य फिल्म विकास प्रोत्साहन नीति का ड्राफ्ट है और स्वीकृति के अंतिम चरण में है । अध्यक्ष महोदय, राजगीर में फिल्म सिटी की लिये के स्थान का चयन किया जा चुका है । इसके डिजाईन पर विशेषज्ञों से परामर्श लिये जा रहे हैं । विश्वास है कि शीघ्र स्टूडियों की आधारशिला रखी जा सकेगी । बिहार में फिल्म निर्माण की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुये हमने बिहार में सेंसर बोर्ड इकाई शुरू करने के लिये सूचना प्रसारण मंत्रालय से भी बातचीत शुरू की है । हमें विश्वास है कि आनेवाले दिनों में इसका सांस्किृतिक ही नहीं सामाजिक एवं आर्थिक लाभ भी बिहार को प्राप्त हो सकेगा ।

राज्य में चाक्षुष कला को गति प्रदान करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा चलाये जा रहे 'कला मंगल' योजना बिहार के चाक्षुष कलाकार को प्रोत्साहित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है । इस योजना में भारतीय नृत्य कला मंदिर के बहुदेशीय सांस्कृतिक परिसर की कला दीर्घा में चयनित पेंटिंग की प्रदर्शनी नियमित रूप से एक-एक हफ्ते के लिये लगायी जा रही है । इसी प्रकार चाक्षुष कलाकार के क्षेत्र में विभाग के द्वारा राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के बिहारी कलाकारों ने अपनी भागीदारी दर्जन करने का काम किया है ।

भारतीय नृत्य कला मंदिर में आयोजित होनेवाले नियमित कार्य्रक्रम शुक्र गुलजार और शनि बाहर के नियमितता राज्य के सांस्कृतिक वातावरण को बेहत्तर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका बनायी है । इन कार्य्रक्रमों में राज्यभर के कलाकारों को अवसर प्रदान किया गया है । राज्य के युवा और नवोदित कलाकारों के प्रोत्साहन के लिये शुक्र गुलजार और शनि बहार के कार्यक्रम योजना के अन्तर्गत नालन्दा, वैशाली, सारण, दरभंगा, सहरसा, पूर्णियां, मुंगेर, भागलपुर, मुजफ्फरपुर जिलों में कार्यक्रम आयोजित कराये जा रहे हैं । साथ ही, प्रत्येक माह विशेष शुक्र गुलजार कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । इस वर्ष हमारी राजधानी पहुंचे देश-विदेश के महत्वपूर्ण कलाकारों को विशेष आयोजित कार्यक्रमों कर सम्मानित किया गया है । 'संगीत बिहान' के रूप में सुबह के समय देश में अपनी तरह के पहले शास्त्रीय संगीतमय आयोजन की शुरूआत हुई थी । इस माह के अंतिम रविवार को देश के जाने-माने शास्त्रीय संगीतकारों ने इस आयोजन की महत्ता कायम रखी । नई पीढ़ी के भी शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाने की कोशिश के रूप में रेखांकित की जा रही है ।

अध्यक्ष महोदय, राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन दरभंगा में किया गया । हमें हर्ष है कि पहली बार राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में राज्य के सभी जिलों

की भागीदारी संभव बनायी जा सकी । दरभंगा में स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी में राज्यभर के युवा कलाकारों को काफी उत्साहवर्द्धन किया । हमारा उद्देश्य है कि हमारे युवा अपने सम्पूर्ण बिहार को करीब से जान सके । इसी योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष होनेवाले राज्य स्तरीय युवा महोत्सव को अलग-अलग शहरों में आयोजित करने की योजना बनायी गयी हैं । भुरहा महोत्सव,गया अंबे महोत्सव,औरंगाबाद ब्रह्मपुर महोत्सव, अंग महोत्सव,मुंगेर, विद्यापति महोत्सव,समस्तीपुर, दशरथ मांझी महोत्सव,गया, वीरकुवंर सिंह महोत्सव,आरा, शेरशाह सूरी महोत्सव,कैमूर, नंदनगढ़ महोत्सव,पश्चिम चम्पारण, केसरिया महोत्सव,पूर्वी चम्पारण, महनार महोत्सव का आयोजन संबंधित जिला के माध्यम से कराया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों को भी प्रस्तुती हेतु अवसर प्रदान किया गया । माननीय अध्यक्ष महोदय, मिथिला विभूति महोत्सव एवं मिथिला संस्कृति महोत्सव के आयोजन हेतु जिला प्रशासन को राशि उपलब्ध करा दी गयी है । इसके अतिरिक्त सोनपुर हरिहर क्षेत्र मेला और श्रावणी मेला के अवसर पर अबरखा, बांका, धांधी बेलारी, सुलतानगंज में सांस्कृतिक कार्य्रक्रम का आयोजन किया गया है । प्रत्येक जिला को जिला स्थापना दिवस, बिहार दिवस जिला स्तरीय युवा उत्सव के आयोजन हेतु 7-7 लाख की राशि उपलब्ध करायी गयी है। इसी प्रकार उग्रवाद प्रभावित 17 जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु 2-2 लाख की राशि उपलब्ध करायी गयी है ताकि आपसी सौहार्द्र की भावना बढें। विभाग के द्वारा फिलीस्तीन से आये फ्रीडम थियेटर के कलाकारों को सौहार्द्र भी भावना के तहत उनका स्वागत अंग वस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर बिहार के लोगों ने करने का काम किया है। महोदय, विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'पटना कलम' का प्रकाशन किया जाता है, जिससे महीने भर के जिस तरीके का चाहे वह संगीत के क्षेत्र में, नाटक के क्षेत्र में, चाहे वह खेल के क्षेत्र में कार्यक्रम हों, जिसकी वह ख्याति प्रत्येक महीना जारी किया जाता है । बिहार के सांस्कृतिक परिदृश्य के साक्षी के रूप में प्रकाशित यह पत्रिका राज्य में हो रहे सांस्कृतिक गतिविधियों के दस्तावेजीकरण में सहायक हो रही है । विभाग द्वारा एक शोध संस्थान के सहयोग से थारू संस्कृति एवं लोक कथा में स्त्री मुक्ति जैसे गंभीर विषय पर पुस्तक का प्रकाशन किया गया है ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, बिहार राज्य में गंगा घाटी में सभ्यता के प्रादुर्भाव से लगभग एक हजार वर्षों तक के पूरे भारत के भू-भाग को राजनीतिक एवं सांस्कृतिक नेतृत्व प्रदान किया है । फलतः पूरे राज्य के पूरे क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत की बहुलता है । इसी विरासत को संरक्षित, सुरक्षित करने, सुरूचि पूर्ण ढंग से दर्शकों

के लिये प्रदर्शित करने और अक्षुण्ण रूप से आनेवाले पीढ़ी का सौंपना संग्रहालय निदेशालय का दायित्व है । इस उद्देश्य से सरकार ने पूरे राज्य में 22 संग्रहालय स्थापित किये हैं । राज्य के संग्रहालय को आधुनिक तकनीक एवं नव-संग्रहालय तकनीक की अवधारणा के अनुरूप पुनर्संयोजन करने के लिये संग्रहालय निदेशालय कटिबद्ध है । अध्यक्ष महोदय, गत वित्तीय वर्ष संग्रहालय निदेशालय ने उपलब्धियों के कई आयाम स्थापित किया है । भारतीय उप-महाद्विप के इतिहास निर्माण एवं संस्कृति विकास की बिहार के योगदान में देशी-विदेशी पर्यटकों, दर्शकों एवं आम जन को परिचित कराने के उद्देश्य से राजधानी पटना के जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बेली रोड के दक्षिणी भाग के लगभग 13.5 एकड़ भू-भाग पर एक अंतराष्ट्रीय स्तर का संग्रहालय माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में निर्माण कराने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया । संप्रति पटना के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय का कार्य प्रगति पर है और पूर्णत: के समीप है । अगस्त,15 में संग्रहालय के बाल खंड के साथ-साथ ऑरियेंटेशन गैलरी एवं प्री शो थियेटर दर्शकों के लिये खोल दिये गये हैं । दीर्घाओं की पूर्णता का कार्य जारी है और प्रगति पर है । नवंबर,2016 में इसे पूर्ण रूप से जनता को समर्पित कर दिये जाने का लक्ष्य है । इसी प्रकार पटना संग्रहालय में संग्रहित भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि अवशेष को उसके प्राप्ति स्थल वैशाली में स्तूप निर्माण करने, प्रदर्शित करने और भगवान बुद्ध के उपदेशों के प्रचार-प्रसार हेतु संग्रहालय निर्माण का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है, जिसके लिये 72 एकड़ भूमि की व्यवस्था भी कर ली गयी है । अध्यक्ष महोदय, लोकनायक जय प्रकाश नारायण जी के पैतृक गांव सिताब दियारा,सारण में स्मृति भवन एवं पुस्तकालय के निमार्ण हेतु 5.35 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है । 4.37 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है और योजना को वर्ष 2017 तक पूरा कर लिये जाने का लक्ष्य है । महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह के बारे में माननीय सदस्य और हमारे विजय बाबू ने कहा कि महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह वर्ष 2017 में सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर भितिहरवा, प0चम्पारण स्थित गांधी आश्रम संग्रहालय में वर्षपर्यन्त कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है । इसके लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करने हेतु प्रभारी गांधी स्मारक संग्रहालय, भितिहरवा , पं0चम्पारण को निदेशित कर दिया गया है । पटना संग्रहालय में एक नई चित्रकला दीर्घा गत वर्ष संस्थापित की गयी । आधुनिक प्रदर्शन तकनीक से युक्त यह दीर्घा पूरे भारत वर्ष के संग्रहालयों में चुनिंदा चित्रकला दीर्घाओं में एक है ।

अध्यक्ष : प्रमोद जी जिस समय गांधी जी आये थे, पूर्वी चम्पारण और पश्चिमी चम्पारण अलग-अलग था ?

श्री प्रमोद कुमार : एक था ।

श्री शिवचन्द्र राम : पटना संग्रहालय सहित राज्य के सभी संग्रहालयों में संग्रहित पुरावशेषों का डिजिटल डौक्युमेंटेशन का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है और बिहार देश के कुछ गिने-चुने राज्यों में एक है, जिसने यह उपलब्धि हासिल की है ।

क्रमश :

टर्न-27/सत्येन्द्र/21-3-16

श्री शिवचन्द्र राम(क्रमशः): गत वर्षों में संग्रहालय निदेशालय ने पुरावशेष/कलाकृतियों के संरक्षण के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। पटना संग्रहालय एवं चन्द्रधारी संग्रहालय, दरभंगा में भी कलाकृर्तियों का संरक्षण कार्य किया है। चन्द्रधारी संग्रहालय,दरभंगा को मिथिला संस्कृति केन्द्र तथा गया संग्रहालय को मगध संस्कृति केन्द्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से दोनों संग्रहालयों को पुनर्संयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 23-12-15 को गया संग्रहालय में 'गया क्षेत्र की संस्कृति' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसी प्रकार जनवरी,2016 के मध्य में बेगुसराय संग्रहालय में 'अंग क्षेत्र की संस्कृति' तथा चन्द्रधारी संग्रहालय, दरभंगा में 'मिथिला क्षेत्र की संस्कृति' विषयक संगोष्ठी आयोजित हुई है। जनवरी,2016 के तीसरे सप्ताह में पटना संग्रहालय के तत्वावधान में अन्तर्विद्यालय विरासत क्विज का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार अन्य क्षेत्रीय संग्रहालयों में समय-समय पर विरासत जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयाजित किये गये और वर्ष 2016-17 में इस प्रकार के कार्यक्रमों को किये जाने की योजना है। भागलपुर संग्रहालय को 'संग्रहालय सह अंग सांस्कृतिक केन्द्र' के रूप में विकसित करने की योजना है।

अध्यक्ष महोदय,राज्य के सभी संग्रहालयों में जनोपयोगी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण,पुरावशेषों/कलाकृतियों के सुरूचिपूर्ण प्रदर्शन,आन्तरिक एवं वाह्यप्रकाश व्यवस्था,आवश्यकतानुसार जीर्णोद्धार सौन्दर्यीकरण आदि कार्य हेतु वर्ष 2015-16 में योजना अन्तर्गत कुल राशि 3,88,44,940/- रू0 मात्र का स्वीकृत्यादेश निर्गत किया जा

चुका है तथा वर्ष 2016-17 में 14 करोड़ रू0 खर्च किये जाने का प्रस्ताव है। चेचर संग्रहालय,चेचर(वैशाली)को सरकार के नियंत्रण में ले लिया गया है। संग्रहालय के पुनर्सयोजन एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। यहां ज्ञातव्य है कि वर्ष 2015-16 में संग्रहालय निदेशालय को कोई केन्द्रीय राशि प्राप्त नहीं हुई है।

अध्यक्ष महोदय,पुरातत्व के क्षेत्र में पुरातत्व निदेशालय एक पृथक निदेशालय के रूप में वर्ष 1988 में अस्तित्व में आया। इसके पूर्व पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय की स्थापना वर्ष 1961-62 में की गयी थी। पुरातत्व निदेशालय के पृथक अस्तित्व के पीछे राज्य के समृद्ध एवं विपुल पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक धरोहर की खोज,अन्वेषण,उत्खनन और संरक्षण जैसे कार्यों को सम्पन्न किया जाना था। इन कार्यों के अतिरिक्त पुरातत्व निदेशालय,संगोष्ठियों कार्यशालाओं एवं उपयोगी धरोहर से संबंधित पुस्तकों/प्रतिवेदनों के प्रकाशन के माध्यम से धरोहर के प्रति लोगों के जागरूकता को बढ़ाने का काम करता रहा है। राज्य में पुरातत्व निदेशालय द्वारा पूर्व में कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों के उत्खनन करवाए गये हैं,जिनमें चिरांद, सोनपुर,ताराडीह, बलिराजगढ़, कटरागढ़ आदि प्रमुख रूप से उललेखनीय हैं। अध्यक्ष महोदय,हाल के वर्षों में 4 प्रमुख स्थलों चौसा, सलेमपुर (मधुबनी),चेचर(वैशाली),तेलहाड़ा(नालंदा) का उत्खनन निदेशालय द्वारा कराया गया है जिनकी उपलब्धियां अत्यंत उत्साहबर्द्धक है। चौसा में एक गुप्तकालीन मंदिर का स्थापत्य प्रकाश में आया है। वहीं चेचर(वैशाली)की खुदाई से प्रागैतिहासिक अवशेष बड़ी संख्या में प्राप्त हुए हैं। तेलहाड़ा में एक समृद्ध और विस्तृत प्राचीन विश्वविद्यालय एवं बौद्ध मठ के अस्तित्व का पता चला है।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार: अध्यक्ष महोदय,बड़े पैमाने पर मूर्त्तियों की चोरी हो रही है और बिहार की विरासत खतरे में है, उस पर बतलाईए न कि इसे कैसे रोकियेगा?

श्री शिवचन्द्र राम: अध्यक्ष महोदय,तेलहाड़ा विश्वविद्यालय के अवशेष बताते हैं कि यह राज्य का प्राचीनतम विश्वविद्यालय था,जिसकी स्थापना ईसा की पहली शताब्दी में ही की जा चुकी थी। यह विश्वविद्यालय नालंदा विश्वविद्यालय से भी तकरीबन 400 साल अधिक पुराना है। इसके अतिरिक्त बिहार विरासत विकास समिति के माध्यम से विभाग ने कुटुम्बा(औरंगाबाद)में भी उत्खनन गत वर्षों में करवाया है,जहां से बड़ी संख्या में प्रागैतिहासिक पुरावशेष प्रकाश में आये हैं जिनका संबंध मध्य पाषाणकालीन संस्कृति से है। भविष्य में निदेशालय द्वारा तेलहाड़ा(नालंदा) एवं देवनगढ़(नवादा)स्थलों के उत्खन्न करवाये जाने की योजना है। राज्य में गत वर्ष तकरीबन 20 स्थलों का पुरातात्विक

अन्वेषण कर चिन्हित किया गया है जिनमें से कई स्थलों को राज्य द्वारा सुरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार: हम आपकी बातों को सुनेंगे लेकिन समय कम है इसलिए खेल के बारे में बतलाईए।

श्री शिवचन्द्र राम: खेल के बारे में भी हम आ रहे हैं।

अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी, आपकी बात माननीय नेता प्रतिपक्ष धैर्य से सुन रहे हैं बैठे हुए हैं और 2-3 मिनट शेष रहा है आपका इसलिए आप जल्दी जल्दी बतला दीजिये।

श्री शिवचन्द्र राम: इसलिए अध्यक्ष महोदय हम स्वागत करते हैं प्रेम बाबू का क्योंकि सरकार जो है वो इस युवा पीढ़ी खेल के लिए इतना काम रही है बिहार में जो आपने देखा ही है कि बी0सी0सी0आई0 से लेकर स्टेडियम प्रखंड से लेकर और जिला में सभी जगह कार्यक्रम हो रहे हैं और उस तरीके की व्यवस्थाएं है लेकिन केन्द्र द्वारा हमारी राशि में कटौती कर दी गयी है। अब बतलाईए कि युवा के लिए बात हो रही है हमारे देश के प्रधानमंत्री बोलते हैं कि युवा को हम प्रोत्साहित करेंगे। पहले हमको देते थे 75 और हम 25 देते थे और आज के डेट में आज हमलोगों को 50:50 का नौबत आ गया है। अध्यक्ष महोदय युवा कैसे बढ़ेगा, इन लोगों का हमेशा का व्यवहार यही रहा है। बजिका में हमलोग वैशाली जिला से आते हैं वहां कहावत है कि

लेबऊ न देबऊ भौजी,मानबऊ तो दिलो जान से।

वो हाल इनका इस तरीका के बनता जा रहा है इसलिए अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय,खेलकूद मानव संसाधन के विकास के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण विषय है। सरकार की समेकित विकास की अवधारणा में ....

(व्यवधान)

अभी खेल के क्षेत्र में हमारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के अवसर पर 29 अगस्त,2015 को विभाग द्वारा खेल सम्मान समारोह सम्पन्न कराया गया जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त 250 खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों को नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। अध्यक्ष महोदय,मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के अनतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में खुलकूद के विकास को आगे बढ़ाया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय,आज जो स्थिति बन गयी है पहली बार

बिहार सरकार ने एक पहल की है, पहले आजतक ऐसा कहीं नहीं हुआ है कि खिलाड़ी किसी विभाग में गया हो खेल कोटा से तो उसको 2 घंटा पहले प्रैक्टिस करने के लिए छुट्टी देने का प्रावधान किया गया है। यह पहला राज्य है जहां पर यह किया गया है इसलिए अध्यक्ष महोदय ये हमारे जितने मिथिलेश तिवारी जी हैं हम इनसे कहेंगे कि वो मन और मिजाज बनायें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव युवा हमारे हैं और इनका सोच नवजवानों के लिए है और इनकी जो सोच है वह काफी डेवलप गांव गरीब तक सबके लिए है इसलिए मिथिलेश जी से हम कहना चाहते है:-

सोच बदलो,सितारे बदल जायेंगे,
नजर बदलो,नजारे बदल जायेंगे,
किश्ती बदलने की जरूरत नहीं,
दिशा बदलो,किनारे अपने आप बदल जायेंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ. और जो भी हमारे माननीय सदस्य अध्यक्ष महोदय जिन माननीय सदस्यों ने प्रस्ताव रखा है हम उसको दिखवा लेने का काम करेंगे। हमारे लोग जायेंगे उसको देख लेंगे और जो उचित है यही काम हमको करना है । सरकार की भी मंशा है हमलोग काम करेंगे और साथ ही ये प्रोसीडिंग का पार्ट बनवा दिया जाय ।

अध्यक्ष: प्रोसिडिंग का पार्ट बनेगा ।

(माननीय मंत्री का वक्तव्य परिशिष्ट-1 द्रष्टव्य)

श्री शिवचन्द्र राम: हम कहना चाहते हैं इन्हीं शब्दों के साथ और होली की पूरी शुभकामनाएं सभी लोगों को कि बढ़िया से होली मनायें जय जयकार करें । जय हिन्द, जय बिहार और मिथिलेश तिवारी जी से हम अनुरोध करते हैं कि वो अपना कटौती प्रस्ताव वापस लें।

अध्यक्ष: क्या माननीय सदस्य श्री मिथिलेश तिवारी अपना कटौती प्रस्ताव वापस लेना चाहते हैं?

श्री मिथिलेश तिवारी: अध्यक्ष महोदय,कटौती प्रस्ताव के समक्ष जो विषय हमलोगों ने रखा था माननीय मंत्री जी ने उसका कोई संतोषप्रद उत्तर नहीं दिया।(क्रमश:)

श्री मिथिलेश तिवारी : ...क्रमशः... खासकर मूर्ति चोरियों के मामले में माननीय मंत्री जी ने अपना कोई ठोस वक्तव्य इस सदन में नहीं दिया । इसलिये कटौती प्रस्ताव वापस लेने के पक्ष में हम नहीं हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति ।

प्रश्न यह है कि

''इस शीर्षक की माँग 10 रूपये से घटायी जाय ।''

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

अध्यक्ष : अब मैं मूल प्रस्ताव को लेता हूँ ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा, उसकी पूर्त्ति के लिए 1,25,94,48,000/- (एक अरब पचीस करोड़ चौरानवे लाख अड़तालीस हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय।''

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

माँग स्वीकृत हुई ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज दिनांक- 21 मार्च, 2016 के लिए स्वीकृत निवेदनों की कुल संख्या 31 है । अगर सदन की सहमति हो तो इन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया जाय ।

(सदन की सहमति हुई)

माननीय सदस्यगण, अब आप सबों को और सम्पूर्ण बिहार की जनता को होली की शुभकामनाओं के साथ सभा की बैठक सोमवार, दिनांक 28 मार्च,2016 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।

परिशि- 1

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार के माननीय मंत्री श्री शिवचन्द्र राम का बजट वक्तव्य 2016-17

माननीय अध्यक्ष महोदय,

बिहार के विकास और इसके ग्रोथ रेट की प्रशंसा अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। निश्चय ही यह कुशल राजनीतिक नेतृत्व और विकास के प्रति सुचिंतित नीतियों का प्रतिफल है। उल्लेखनीय है कि विकास के इस प्रभाव को बिहार की धरती और यहां के लोग अब महसूस भी कर रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री के दूरदर्शी और कल्पनाशील नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊँचाई की ओर अग्रसर है। महत्वपूर्ण यह है कि यह विकास सिर्फ भौतिक नहीं, सिर्फ सुख–सुविधाओं, सहूलियतों, सेवाओं के संदर्भ में नहीं, बिहार के सम्पूर्ण सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में भी उतना ही प्रभावी है। माननीय मुख्यमंत्री और माननीय उप मुख्य मंत्री के बिहार के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करने की कोशिश में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, पूरे वर्ष बिहार में अपनी सांस्कृतिक गतिविधियों से नयी उर्जा का संचार करता रहा है। विभाग अपने चार निदेशालयों के जरिए कला–संस्कृति, विरासत संरक्षण एवं खेल और युवा क्षेत्र में अपनी प्रगतिशील भूमिका का निर्वहन करता है।

सांस्कृतिक कार्य निदेशालय

माननीय अध्यक्ष महोदय,

विकास की रोशनी समाज के सबसे अन्तिम व्यक्ति तक पहुँच सके, सरकार के इस संकल्प को सार्थक करने की कोशिश में विभाग ने अपनी गतिविधियों को राज्य के सुदूर पंचायतों तक ही पहुँचाने की कोशिश नहीं की है बल्कि गाँवों में अपनी लोक–संस्कृति की अलख जगाने वाले गुमनाम प्रतिभाशाली कलाकारों को तलाश कर उन्हें संस्कृति की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में भी सक्रिय है। इस क्रम में चाक्षुष एवं प्रदर्श कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय में 600 सीट की क्षमता वाले आदर्श प्रेक्षागृह–सह आर्ट गैलरी के निर्माण की योजना बनाई गई है, जिसके अंतर्गत 819.00 लाख (आठ करोड़ उन्नीस लाख रुपये) मात्र की दर से

प्रथम चरण में 8 जिला यथा किशनगंज, अररिया, पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी), जमुई, दरभंगा, बांका, सहरसा एवं वैशाली को जिला मुख्यालय में जिला–प्रेक्षागृह सह–आर्ट गैलरी निर्माण की कार्रवाई की जा रही है।

हमारी योजना प्रेमचंद रंगशाला परिसर को एक पूर्ण सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित करने की है। इस उद्देश्य से परिसर की खाली भूमि पर एक 'रिहर्सल शेड' बनाने का कार्य प्रगति पर हैं। इसके निर्माण के पश्चात रंगकर्मियों को नाटकों के अभ्यास के लिए स्थान की कमी दूर होगी और विश्वास है। पटना में रंगकर्म के स्तर के विकास में यह सहायक होगा।

विकसित बिहार की पहचान को देश भर में पहुँचाने के उद्देश्य से पूरे देश के साथ हमने एक सांस्कृतिक सेतु विकसित करने की कोशिश की है। इस क्रम में बिहार की संस्कृति और यहां की सांस्कृतिक पहचान को हमारे कलाकारों ने जयपुर के रंग महोत्सव में अपनी भागीदारी में दर्ज की है। कुल्लू में आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव के साथ, रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में भी बिहार के कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक पहचान से देश को जोड़ने की सार्थक कोशिश की।

इस वर्ष कला संस्कृति विभाग द्वारा अपने नियमित आयोजनों के साथ 'पटना फिल्म फेस्टिवल' की अभिनव शुरूआत की गई। फेस्टिवल में हिन्दी के साथ मलयालम, तेलुगु, मराठी, संस्कृत, अंग्रेजी जैसी देश की विभिन्न भाषाओं की प्रशंसित और पुरस्कृत फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। इस आयोजन में भोजपुरी की भी 2 फिल्में प्रदर्शित की गयीं। इस फेस्टिवल में इम्तियाज अली, बुद्धदेव दास गुप्ता, शेखर सुमन, पंकज त्रिपाठी, दिव्या दत्ता जैसी सिनेमा से जुड़ी हस्तियों की उपस्थिति से बिहार में सिनेमा के लिए एक सार्थक माहौल तैयार हुआ। बिहार में फिल्म निर्माण की संभावनाओं और फिल्मकारों की बढ़ती रुचि को देखते हुए बिहार में फिल्म नीति की जरुरत महसूस की जा रही थी, हमें यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि बिहार राज्य फिल्म विकास प्रोत्साहन नीति का ड्राफ्ट तैयार है और स्वीकृति के अंतिम चरण में है।

राजगीर में फिल्म सिटी के लिए स्थान का चयन किया जा चुका है। इसके डिजाइन पर विशेषज्ञों से परामर्श लिए जा रहे हैं। विश्वास है, शीघ्र स्टूडियो की आधारशिला रखी जा सकेगी। बिहार में फिल्म निर्माण की बढ़ती संभावनाओं को देखते

हुए हमने बिहार में सेंसर बोर्ड की इकाई शुरु करने के लिए सूचना प्रसारण मंत्रालय से भी बातचीत की शुरुआत की है। हमें विश्वास है आने वाले दिनों में इसका सांस्कृतिक ही नहीं, सामाजिक एवं आर्थिक लाभ भी बिहार को प्राप्त हो सकेगा।

राज्य में चाक्षुष कला को गति प्रदान करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा चलाए जा रहे **'कला मंगल'** योजना बिहार के चाक्षुष कलाकारों को प्रोत्साहित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। इस योजना में भारतीय नृत्य कला मन्दिर के बहूद्देशीय सांस्कृतिक परिसर की कला दीर्घा में चयनित पेंन्टिग की प्रदर्शनी नियमित रूप से एक–एक हफ्ते के लिए लगाई जा रही है। इसी प्रकार, चाक्षुष कला के क्षेत्र में विभाग के, द्वारा राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के बिहारी कलाकारों ने अपनी भागीदारी दर्ज की।

भारतीय नृत्य कला मंदिर में आयोजित होने वाले नियमित कार्यक्रम **'शुक्र गुलजार'** और **'शनि बहार'** की नियमितता ने राज्य के सांस्कृतिक वातावरण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन कार्यक्रमों में राज्य भर के कलाकारों को अवसर प्रदान किया गया। राज्य के युवा और नवोदित कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए **'शुक्र गुलजार'** और **'शनिबहार'** के कार्यक्रम योजना के अंतर्गत नालंदा, वैशाली, सारण, दरभंगा, सहरसा, पूर्णियाँ, मुंगेर, भागलपुर, मुजफ्फरपुर जिलों में कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं। साथ ही प्रत्येक माह में विशेष शुक्र गुलजार कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष हमारी राजधानी पहुँचे देश–विदेश के महत्वपूर्ण कलाकारों को विशेष आयोजित कार्यक्रमों में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। 'संगीत विहान' के रूप में सुबह के समय देश में अपनी तरह के पहले शास्त्रीय संगीतमय आयोजन की शुरुआत हुई थी। इस वर्ष भी माह के अंतिम रविवार को देश के जाने माने शास्त्रीय संगीतकारों और गायकों ने इस आयोजन की महत्ता कायम रखी और नई पीढ़ी के बीच शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाने की कोशिश के रूप में रेखांकित की जा रही है।

राज्यस्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन दरभंगा में किया गया। हमें हर्ष है कि पहली बार राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में राज्य के सभी जिलों की भागीदारी संभव बनायी जा सकी। दरभंगा में स्थानीय नागरिकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी से राज्य भर के युवा कलाकारों का काफी उत्साहवर्धन किया। हमारा उद्देश्य है कि हमारे युवा अपने

सम्पूर्ण बिहार को करीब से जान सकें। इसी योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष होने वाले राज्य स्तरीय युवा महोत्सव को अलग–अलग शहरों में आयोजित करने की योजना बनायी गई है।

भुरहा महोत्सव, गया अम्बे महोत्सव, औरंगाबाद, ब्रंह्मपुर, महोत्सव, अंग महोत्सव, मुंगेर, विद्यापति महोत्सव, समस्तीपुर, दशरथ मांझी महोत्सव, गया, वीर कुंवर सिंह महोत्सव, आरा, शेरशाह सूरी महोत्सव, कैमूर, नंदनगढ़ महोत्सव, पश्चिम चम्पारण, केसरिया महोत्सव, पूर्वी चम्पारण, महनार महोत्सव का आयोजन संबंधित जिला के माध्यम से कराया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकारों को भी प्रस्तुति हेतु अवसर प्रदान किए गए। मिथिला विभूति महोत्सव एवं मिथिला संस्कृति महोत्सव के आयोजन हेतु जिला प्रशासन को राशि उपलब्ध करा दी गयी है। इसके अतिरिक्त सोनपुर हरिहर क्षेत्र मेला और श्रावणी मेला के अवसर पर अवरखा, बांका, धांधी बेलारी, सुलतानगंज में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन किया गया। प्रत्येक जिला को जिला स्थापना दिवस, बिहार दिवस एवं जिला स्तरीय युवा उत्सव के आयोजन हेतु 7–7 लाख की राशि उपलब्ध करायी गयी है। इसी प्रकार उग्रवाद प्रभावित सतरह जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु 2–2 लाख की राशि उपलब्ध करायी गयी, ताकि आपसी सौहार्द्र की भावना बढ़े। विभाग के द्वारा फिलीस्तीन से आए फ्रीडम थियेटर के कलाकारों को सौहार्द्र की भावना के तहत उनका स्वागत अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया।

विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'पटना कलम' का प्रकाशन नियमित रूप से जारी रहा। बिहार के सांस्कृतिक परिदृश्य के साक्षी के रूप में प्रकाशित यह पत्रिका राज्य में हो रहे सांस्कृतिक गतिविधियों के दस्तावेजीकरण में सहायक हो रही है। विभाग द्वारा एक शोध संस्थान के सहयोग से थारू संस्कृति एवं लोक गाथा में स्त्री मुक्ति जैसे गंभीर विषय पर पुस्तक का प्रकाशन कराया गया है।

संग्रहालय निदेशालय

माननीय अध्यक्ष महोदय,

बिहार राज्य ने गंगा घाटी में सभ्यता के प्रादुर्भाव से लगभग 1000 वर्षों तक पूरे भारतीय भू–भाग को राजनीतिक एंव सांस्कृतिक नेतृत्व प्रदान किया। फलतः पूरे बिहार

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत की बहुलता है। इसी विरासत को संरक्षित, सुरक्षित करने, सुरूचि पूर्ण ढंग से दर्शकों के लिए प्रदर्षित करने और अक्षुण्ण रूप से आनेवाली पीढ़ी को सौंपना संग्रहालय निदेशालय का दायित्व है। इस उद्देश्य से सरकार ने पूरे राज्य में 22 संग्रहालय स्थापित किये हैं। राज्य के संग्रहालयों को आधुनिक तकनीक एवं नव–संग्रहालय तकनीक की अवधारणा के अनुरूप पुनर्संयोजन करने के लिए संग्रहालय निदेशालय कटिबद्ध है।

गत वित्तीय वर्ष में संग्रहालय निदेशालय ने उपलब्धियों के कई आयाम स्थापित किये। भारतीय उप–महाद्वीप के इतिहास निर्माण एवं संस्कृति के विकास में बिहार के योगदान से देशी–विदेशी पर्यटकों, दर्शकों एवं आमजन को परिचित कराने के उद्देश्य से, राजधानी पटना के जवाहर लाल नेहरू मार्ग (बेली रोड) के दक्षिणी भाग के लगभग 13.5 एकड़ भू–भाग पर एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय निर्माण का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया। सम्प्रति पटना में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय का कार्य प्रगति पर है और पूर्णता के समीप है। अगस्त, 2015 में संग्रहालय के बाल–खण्ड के साथ–साथ ओरिएंटेशन गैलरी एवं ऑरिएंटेशन प्री शो थियेटर दर्शकों के लिए खोल दिए गए हैं। शेष दीर्घाओं की पूर्णता का कार्य जारी है और प्रगति पर है। नवम्बर 2016 में इसे पूर्णरूपेण जनता को समर्पित कर दिए जाने का लक्ष्य है। इसी प्रकार पटना संग्रहालय में संग्रहीत भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि अवशेष को उसके प्राप्ति स्थल वैशाली में स्तूप निर्माण कर प्रदर्शित करने और भगवान बुद्ध के उपदेशों के प्रचार–प्रसार हेतु संग्रहालय निर्माण का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिय गया है। जिसके लिए 72 एकड़ भूमि की व्यवस्था डाली गई है।

लोक नायक जयप्रकाश नारायण के पैतृक गाँव सिताब दियारा, सारण में स्मृति भवन एवं पुस्तकालय के निर्माण हेतु 5.35 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। 4.37 करोड़ (चार करोड़ सैंतीस लाख) रूपये की लागत से निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है और योजना को वर्ष 2017 के मध्य तक पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य है। महात्मा गाँधी के चम्पारण सत्याग्रह के वर्ष 2017 में 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भितिहरवा, पश्चिमी चम्पारण स्थित गाँधी आश्रम संग्रहालय में वर्षपर्यन्त कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। इसके लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करने हेतु प्रभारी, गाँधी स्मारक संग्रहालय, भितिहरवा, पश्चिमी चम्पारण को निदेशित किया गया है।

पटना संग्रहालय में एक नयी चित्रकला दीर्घा गत वर्ष संस्थापित की गयी। आधुनिक प्रदर्शन तकनीक से युक्त यह दीर्घा पूरे भारत वर्ष के संग्रहालयों में चुनिंदा चित्रकला दीर्घाओं में एक है। पटना संग्रहालय सहित राज्य के सभी संग्रहालयों में संग्रहीत पुरावशेषों का डिजिटल डाक्यूमेंटेशन का 90 प्रतिशत कार्य सम्पन्न हो चुका हैं और बिहार देश के कुछ गिने–चुने राज्यों में एक है, जिसने यह उपलब्धि हासिल की है। गत वर्षों में संगहालय निदेशालय ने पुरावशेष/कलाकृतियों के संरक्षण के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। पटना संग्रहालय एवं चन्द्रधारी संग्रहालय दरभंगा में भी कलाकृतियों का संरक्षण कार्य किया गया है।

चन्द्रधारी संग्रहालय, दरभंगा को मिथिला संस्कृति केन्द्र तथा गया संग्रहालय को मगध संस्कृति केन्द्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से दोनों संग्रहालयों को पुनर्संयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 23.12.2015 को गया संग्रहालय में 'गया क्षेत्र की संस्कृति' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। इसी प्रकार जनवरी, 2016 के मध्य में बेगूसराय संग्रहालय में 'अंग क्षेत्र की संस्कृति' तथा चन्द्रधारी संग्रहालय, दरभंगा में 'मिथिला क्षेत्र की संस्कृति' विषयक संगोष्ठी आयोजित हुई है। जनवरी, 2016 के तीसरे सप्ताह में पटना संग्रहालय के तत्वावधान में अन्तर्विद्यालय विरासत क्विज का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार अन्य क्षेत्रीय संग्रहालयों में समय–समय पर विरासत जागरुकता सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित किए गये और वर्ष 2016–17 में इस प्रकार के कार्यक्रमों को किए जाने की योजना है। भागलपुर संग्रहालय को 'संग्रहालय –सह–अंग सांस्कृतिक केन्द्र' के रूप में विकसित करने की योजना है।

राज्य के सभी संग्रहालयों में जनोपयोगी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, पुरावशेषों/कलाकृतियों के सुरुचिपूर्ण प्रदर्शन, आन्तरिक एवं वाह्य प्रकाश व्यवस्था, आवश्यकतानुसार जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण आदि कार्य हेतु वर्ष 2015–16 में योजना–अंतर्गत कुल राशि 3,88,44,940/. (तीन करोड़ अठासी लाख चैवालीस हजार नौ सौ चालीस रुपये) मात्र का स्वीकृत्यादेश निर्गत किया जा चुका है तथा वर्ष 2016–17 में 14.00 (चौदह करोड़) रूपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। चेचर संग्रहालय, चेचर (वैशाली) को सरकार के नियंत्रण में ले लिया गया है संग्रहालय के पुनर्संयोजन एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। यहाँ ध्यातव्य है कि वर्ष 2015–16 में संग्रहालय निदेशालय को कोई केन्द्रीय राशि प्राप्त नहीं हुई है।

पुरातत्त्व निदेशालय

माननीय अध्यक्ष महोदय,

पुरातत्व निदेशालय एक पृथक निदेशालय के रूप में वर्ष 1988 में अस्तित्व में आया। इसके पूर्व पुरातत्व एंव संग्रहालय निदेशालय (संयुक्त रूप से) की स्थापना वर्ष 1961 – 62 में की गई थी। पुरातत्व निदेशालय के पृथक अस्तित्व के पीछे राज्य के समृद्ध एवं विपुल पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक धरोहर की खोज, अन्वेषण, उत्खनन और संरक्षण जैसे कार्यों को सम्पन्न किया जाना था। इन कार्यों के अतिरिक्त पुरातत्व निदेशालय, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं उपयोगी धरोहर से संबंधित पुस्तकों/प्रतिवेदनों के प्रकाशन के माध्यम से धरोहर के प्रति लोगों की जागरूकता को बढ़ाने का काम करता रहा है।

राज्य में पुरातत्व निदेशालय द्वारा पूर्व में कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों के उत्खनन करवाए गये हैं, जिनमें चिरांद, सोनपुर, ताराडीह, बलिराजगढ़, कटरागढ़ आदि प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं।

हाल के वर्षों में 4 प्रमुख स्थलों चौसा, सलेमपुर (मधुबनी), चेचर (वैशाली), तेल्हाड़ा (नालन्दा) का उत्खनन निदेशालय द्वारा कराया गया है, जिनकी उपलब्धियाँ अत्यन्त उत्साहवर्धक हैं, चौसा में एक गुप्तकालीन मंदिर का स्थापत्य प्रकाश में आया हैं वही चेचर (वैशाली) की खुदाई से प्रागैतिहासिक अवशेष बड़ी संख्या में प्राप्त हुए हैं। तेलहाड़ा में एक समृद्ध और विस्तृत प्राचीन विश्वविद्यालय एवं बौद्ध मठ के अस्तित्व का पता चला है।

तेलहाड़ा विश्वविद्यालय के अवशेष बताते हैं कि यह राज्य का प्राचीनतम विश्वविद्यालय था, जिसकी स्थापना ईसा की पहली शताब्दी में ही की जा चुकी थी। यह विश्वविख्यात नालन्दा विश्वविद्यालय से भी तकरीबन 400 साल अधिक पुराना है। इसके अतिरिक्त बिहार विरासत विकास समिति के माध्यम से विभाग ने कुटुम्बा (औरंगाबाद) में भी उत्खनन गत वर्षों में करवाया है, जहाँ से बड़ी संख्या में प्रागैतिहासिक पुरावशेष प्रकाश में आए हैं, जिनका संबंध मध्य पाषाणकालीन संस्कृति से है।

भविष्य में निदेशालय द्वारा तेल्हाड़ा (नालन्दा) एवं देवनगढ़ (नवादा) स्थलों के

उत्खनन करवाए जाने की योजना है। राज्य में गत वर्ष तकरीबन 20 स्थलों का पुरातात्विक अन्वेषण कर चिन्हित किया गया है, जिनमें से कई स्थलों को राज्य द्वारा सुरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुरातत्व निदेशालय द्वारा हाल के वर्षो में कई जनोपयोगी पुस्तकें यथा 'बिहार के स्मारक', 'पटना–ए मान्यूमेन्टल हिस्ट्री' का प्रकाशन करवाया गया है। वर्तमान में तेल्हाड़ा 'ए पिक्टोरियल व्यू', 'एनशियन्ट यूनिवर्सिटीज ऑफ बिहार', 'ए हिस्ट्री आफ मुंगेर' का प्रकाशन किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त निदेशालय द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में निरंतर नए तथ्य प्रस्तुत किए जाने की योजना है, जिसके अन्तर्गत राज्य के विभिन्न अनुमंडल मुख्यालयों यथा पटना, गया, भागलपुर, छपरा आदि स्थलों पर संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। इन आयोजनों में विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों एवं विद्यालयों की सहभागिता व्यापक रूप से बढ़ी है। इन योजनाओं के पीछे धरोहर के प्रति जागरूकता विकसित करने में छात्र–छात्राओं, अध्यापक प्राध्यापकों की सहभागिता सुनिश्चित करना है।

राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में 39 पुरातात्विक स्थल, सुरक्षित स्मारक घोषित किए गए हैं। हाल के वर्षों में सोफा मंदिर (बेतिया, प. चम्पारण), अहिल्या स्थान (दरभंगा), द्वालख (मधुबनी), लार्ड मिन्टो टावर (जमुई), तेल्हाड़ा (नालन्दा) मॉरिसन बिल्डिंग प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं। तेरहवें वित्त आयोग की अनुशंसित राशि से राज्य के 14 महत्वपूर्ण स्मारकों एवं पुरास्थलों पर संरक्षण एवं स्थल विकास के कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनमें ताराडीह, चिरांद, दाफ्तु, अपसढ़ गढ़ आदि महत्पूर्ण हैं।

इसके अतिरिक्त राज्य योजना की राशि से मारिशन भवन, गाँधी शिविर, जार्ज ऑरवेल की जन्मस्थली, सैयद इब्राहिम शाह का मकबरा आदि स्मारकों के संरक्षण एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य कराए गए हैं। गोलघर (पटना) के भीतरी संरचनात्मक कार्य को पूरा कर लिया गया है और बाहर से किए जाने वाले कार्य को शीघ्र की सम्पन्न करवा लिया जाएगा। पुरातत्व निदेशालय में वर्ष 2015–16 में केन्द्रीय राशि की प्राप्ति शून्य रही है।

छात्र एवं युवा कल्याण निदेशालय

आवश्यक संशोधन

खेलकूद मानव संसाधन के विकास के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण विषय है। सरकार की समेकित विकास की अवधारणा में खेल के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं को भी खोज निकालने की पहल की गई है। इसी के साथ खेल के अंतराष्ट्रीय परिदृश्य पर भी निगाह रखी गई है। हमें खुशी है कि बिहार को पहली बार राष्ट्रीय महिला खेल की मेजबानी मिली, जिसका सफलता पूर्वक निर्वहन हमलोगों ने किया। पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग, पटना बी.एम.पी. एवं सचिवालय स्पोर्ट्स क्लब में राष्ट्रीय महिला खेल की तीन विधाओं का सफलतापूर्वक आयोजन 14–17 फरवरी 2016 को किया गया, जिसमें हैंडबॉल खेल विधा में राज्य की 'एकलव्य' बालिका खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर राज्य को गौरवान्वित किया।

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के अवसर पर 29 अगस्त, 2015 को विभाग द्वारा खेल सम्मान समारोह सम्पन्न कराया गया, जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त 250 खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों को नगद राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद के विकास हेतु 05 आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र भागलपुर, पटना एवं कैमूर में 2010 से चलाया जा रहा है। बक्सर, पश्चिमी चम्पारण तथा पूर्णियाँ में नये आवासीय खेल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं। आवासीय खेल प्रशिक्षण केन्द्र की योजना बहुत ही कारगर साबित हो रही है। केन्द्र की फुटबॉल टीम सुब्रतो मुखर्जी राज्य फुटबॉल प्रतियोगिता में विजेता बनकर इस वर्ष राष्ट्रीय सुब्रतो कप फुटबॉल में भाग लिया। केन्द्र के तीरंदाजों ने राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता, 2015 में रजत पदक प्राप्त किया। केन्द्र की छात्रा खिलाड़ी, ग्लोरिया टुड्डू ने राज्य एथलेटिक प्रतियोगिताओं के सीनियर वर्ग में 100 मीटर दौड़ में तीन बार स्वर्ण पदक हासिल किया है। राज्य स्तर पर केन्द्र की बालिका एथलीटों ने 100 मीटर सहित अन्य स्पर्द्धाओं में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। अगले दो वर्षों में एकलव्य आवासीय प्रशिक्षण केन्द्रों की अधिक से अधिक स्थापना करने का लक्ष्य हैं, जिससे कि लगभग सभी प्रमुख खेलों के लिए आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का निर्माण कराया जा सके।

चालू वित्तीय वर्ष में विभाग द्वारा विद्यालय 29 खेल विधाओं में जिला स्तरीय

प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी हैं। 09 प्रमंडल स्तर प्रतियोगिताएं तथा राज्य के विभिन्न जिलों में 27 राज्य विद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में चयनित श्रेष्ठ खिलाड़ी/दल ने देश के विभिन्न भागों में आयोजित राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। फलस्वरूप अब तक राज्य के खिलाड़ियों ने कुल 13 पदक प्राप्त किया है, जिसमें 3 स्वर्ण, 1 रजत एवं 9 कांस्य पदक शामिल हैं।

राज्य के सभी जिलों में महिला खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। तदुपरांत राज्य महिला खेल महोत्सव का आयोजन 3 जिलों में किया गया। राज्य महोत्सव में विभिन्न जिलों से 1800 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया।

आने वाले दिनों में राज्य के आउटडोर स्टेडियम में स्थानीय महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के लिए 'कम एण्ड प्ले' योजना का संचालन किया जाएगा। प्रथम चरण में पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग में 9 खेल विधाओं, यथा एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो–खो, आदि में इस योजना का क्रियान्वयन किया जाना है। वर्तमान में 5 खेल विधाओं में यह योजना प्रारंभ हो चुकी है।

बिहार राज्य में मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के अंतर्गत प्रखण्ड/जिला/प्रमण्डल स्तर पर स्टेडियम निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। अब तक 239 स्टेडियमों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। 80 स्टेडियमों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया जबकि शेष का कार्य प्रगति पर है। राजगीर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम एवं स्पोर्ट्स एकेडेमी के निर्माण कार्य की योजना भी प्रगति पर है, जिसके लिए 90 एकड़ जमीन की व्यवस्था की जा चुकी है। इस वर्ष क्रिकेट के क्षेत्र में बी.सी.सी.आई. की टीम के साथ बैठक, मोइनुलहक स्टेडियम के विकास की परियोजना, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच कराने की दिशा में प्रयास भी तत्परता से किए गए हैं।

सचिवालय कर्मियों के फिटनेस का ध्यान रखते हुए सचिवालय स्पोर्ट्स क्लब के बगल में आधुनिक जिम एवं इंडोर खेल परिसर के निर्माण हेतु रू. 7.00 करोड़ की राशि भवन निर्माण निगम को विमुक्त की जा चुकी है। सरकार के द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि खेल कोटे से नियुक्त कर्मियों को प्रैक्टिस के लिए कार्य स्थल से प्रतिदिन 2 घंटे पहले छुट्टी मिल जाए ताकि वे अपना हुनर बढ़ा सकें। इसी प्रकार, खेल कोटे से बड़े पैमाने पर नियुक्ति प्रक्रिया भी की जा रही है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एक स्वशासी संस्था है। यह संस्था राज्य में खेलों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है। राज्य में खेल प्रतियोगिता के आयोजनार्थ राज्य के संघों को 82 लाख रूपए का अनुदान और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को सहायक अनुदान भी उपलब्ध कराया गया है। उसके अतिरिक्त खिलाड़ी कल्याण कोष से उपकरण एवं खेल में शिक्षण–प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहायता भी दी जा रही है।

ज्ञान और संगीत की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह न तो खो सकती हैं, न खत्म हो सकती है। हम किसी भी परिस्थिति में रहें, जनक जननी सीता, महात्मा बुद्ध, विद्यापति, गुरूगोविन्द सिंह, बाबू वीर कुँवर सिंह, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जय प्रकाश नारायण, रहसु भगत, सुपन डोम, शेरशाह सूरी, बिस्मिल्लाह खाँ, भिखारी ठाकुर आदि सदैव हमारी पूंजी बने रहेंगे। हमें गर्व हैं अपनी इस अथाह पूंजी पर। आज जब दुनिया की निगाहें बिहार पर टिकी है, कला संस्कृति एवं युवा विभाग को अपनी महती जवाबदेही का अहसास है। हम अपनी संस्कृति के तमाम रूपों जैसे पुरातत्व, संग्रहालय, खेल एवं कला, संगीत को अंतराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने कीं कोशिश में जुटे हुए हैं।

महोदय मैं आगामी वित्तीय वर्ष 2016–17 के अधीन विभाग के व्यय हेतु 1 अरब 25 करोड़ 94 लाख 48 हजार रूपये की राशि स्वीकृत करने का प्रस्ताव करता हूँ और माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूँ,

सोच बदलो, सितारे बदल जायेंगे,
नजर बदलो, नज़ारे बदल जायेंगे,
किस्ती बदलने की जरूरत नहीं,
दिशा बदलो, किनारे अपने आप बदल जायेंगे।

जय हिन्द, जय बिहार !

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एक स्वशासी संस्था है। यह संस्था राज्य में खेलों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है। राज्य में खेल प्रतियोगिता के आयोजनार्थ राज्य के संघों को 82 लाख रूपए का अनुदान और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को सहायक अनुदान भी उपलब्ध कराया गया है। उसके अतिरिक्त खिलाड़ी कल्याण कोष से उपकरण एवं खेल में शिक्षण–प्रशिक्षण हेतु आर्थिक साहयाता भी दी जा रही है।

अध्यक्ष महोदय,

युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा शत प्रतिशत केन्द्रीय सहायता योजना के अधीन सभी राज्यों में खेल प्रशिक्षण केन्द्र तथा विशेष क्षेत्र खेल योजना चलाई जाती है। बिहार राज्य में यह योजना वर्ष 2000 में आरंभ की गयी। इसके अन्तर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधीन राज्य में पटना, मुजफ्फरपुर, जमुई तथा किसनगंज में खेल प्रशिक्षण केन्द्र कार्यरत है।

लेकिन महोदय वर्ष 2014 से जब से केन्द्र में भाजपा शासित सरकार काम करना शुरू किया है, इन क्षेत्रों के लिए अनुदान आना बन्द हो गया है। अभी स्थिति यह है कि साई अर्थात भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित राज्य के सभी केन्द्र बन्द होने की कगार पर है। साई द्वारा उन केन्द्रों के योग्य प्रशिक्षकों को दुर्भावना से ग्रसित होकर, दूसरे राज्यों में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसके कारण राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हो रहा है।

महोदय हमारे विभाग द्वारा वर्ष 2015 में केन्द्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के पास राज्य के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों को नियंत्रित रूप से बाधारहित

संचालन हेतु कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा गया है, लेकिन महोदय खेद के साथ कहना पड़ता है कि भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय ने आजतक न तो इस पर कोई कार्रवाई की है और न ही पत्र का कोई जबाव दिया गया है।

महोदय इसी प्रकार केन्द्रीय सहायता प्राप्त राष्ट्रीय खेल प्रतिभा, खोज योजना तथा शहरी खेल आधारभूत संरचना योजना के अधीन राज्य में कोई केन्द्र संचालित नहीं है, जबकि दूसरे राज्यों में ऐसी योजना संचालित है।। विभाग द्वारा 2015 में ही युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार को पत्र भेजा गया है, लेकिन न तो उन्होंने इस पर कोई कार्रवाई की है और न ही पत्र का जबाव भेजा है।

महोदय इसी तरह पंचायत युवा क्रीड़ा एवं खेल अभियान (पायका) तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0 एस0 एस0) के अधीन वर्ष 2014–15 एवं 2015–16 में कोई राशि केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को नहीं दी गयी, जबकि अब यह योजना राजीव गांधी ग्रामीण खेल योजना में बदलकर पूरी तरह केन्द्रीय सहायता की योजना हो गयी है, जिसमें राज्य की हिस्सेदारी मिलनी चाहिए लेकिन केन्द्र सरकार हमें हमारा हिस्स भी नहीं देना चाहती है।

महोदय कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के पुरातत्व निदेशालय को केन्द्र सरकार द्वारा 78 करोड़ की राशि के विरूद्ध वर्ष 2014 में ही मात्र 12.50 करोड़ की राशि प्राप्त हुआ। उसके बाद कोई राशि नहीं मिली है, जबकि 78 करोड़ की राशि 4–5 किस्तों में देने का प्रस्ताव था, जो प्राप्त नहीं हो रहा है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा पटना के गोलघर में संरक्षण का कार्य की समय पर पूरा नहीं किया गया है, जिससे गोलघर के संरक्षण के कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है।

महोदय 1930–40 के दशक में राहुल सांस्कृत्यायन जी के द्वारा तिब्बत से तिब्बती पाण्डुलिपि 40 खच्चरों पर लाद कर भारत लाया गया, जिसे पटना संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। विभाग ने इसका डिजिटाइलेशन का कार्य 24 लाख रूपये की राशि से सफलतापूर्वक कराकर पटना संग्रहालय में सुरक्षित रख दिया है। इस रशि के 75 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार और 25 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा व्यय किया गया। इसकी उपयोगिता प्रमाण पत्र देने के बाद भी केन्द्रीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली द्वारा विभाग को इस वित्तीय वर्ष में कोई सहायता नहीं दी गयी।

इस तरह महोदय 2014 में राज्य के युवाओं को सब्जबाग दिखाकर बरगलाने वाले केन्द्रीय सरकार के लोग राज्य के युवाओं की हकमारी कर रहे हैं और हम इसे होने नहीं देगें। मैं अगले वित्तीय वर्ष में राज्य में खेलों की बाधाएं दूर करने ओर केन्द्रीय सहायता प्राप्त करने के लिए केन्द्रीय मंत्रियों से मिलकर उन्हें ज्ञापन दूंगा।

लेखउ न देखउ भौजी
मानवउ दिलो जान से ॥

महोदय इतनी केन्द्रीय बाधाओं के बाद भी विभाग राज्य सरकार की निधि से कला, संसकृति एवं युवा विभाग अपनी महती जिम्मेदारी को पूरा करने में सतत् प्रयत्नशील है।

ज्ञान और संगीत की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह न तो खो सकती हैं, खत्म हो सकती है। हम किसी भी परिस्थिति में रहें, जनक जननी सीता, महात्मा बुद्ध, विद्यापति, गुरूगोविन्द सिंह, बाबू वीर कुँवर सिंह, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, जय प्रकाश नारायण, रहसु भगत, सुपन डोम, शेरशाह सूरी, बिसिमिल्लाह खॉ, भिखारी ठाकुर आदि सदैव हमारी पूंजी बने रहेंगे। हमें गर्व है अपनी इस अथाह पूंजी पर। आज जब

दुनिया की निगाहें बिहार पर टिकी है, कला, संस्कति एवं युवा विभाग को अपनी महती जवाबदेही का अहसास है। हम अपनी संस्कृति के तमाम रूपों जैसे पुरातत्व, संग्रहालय, खेल एवं कला, संगीत को अंतराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

महोदय मैं आगामी वित्तीय वर्ष 2016–17 के अधीन विभाग के व्यय हेतु 1 अरब 25 करोड़ 94 लाख 48 हजार रूपये की राशि स्वीकृत करने का प्रस्ताव करता हूँ और विपक्ष के माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूँ, कि

सोच बदलो, सितारे बदल जायेंगे,

नजर बदलो, नजारे बदल जायेंगे,

किस्ती बदलने की जरूरत नहीं,

दिशा बदलो, किनारे अपने आप बदल जायेंगे।

जय हिन्द, जय बिहार !

अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से विपक्ष के माननीय सदस्य श्री मिथलेश तिवारी जी से आग्रह करता हूँ कि वह अपना कटौती प्रस्ताव वापस लें।